सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh
RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number : F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 330, नई दिल्ली । गुरुवार, 06 फरवरी 2025, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

अगर भाग्य पर भरोसा है तो जो तकदीर में लिखा है वही पाओगे, और अगर खुद पर भरोसा है तो जो चाहोगे वही पाओगे।

03 दिल्ली से 23 मार्च से आरंभ धर्म पद यात्रा में शामिल होकर....
06 परीक्षा फोबिया- कारण और उपचार
08 3 डिब्बे पटरी से उतरे, मालगाड़ी दीवार तोड़कर बस्ती में घुसी

वाहन डाटा और मोबाइल नंबर खुलेआम उपलब्ध, पर सरकार और विभाग चुप !

संजय बाटला

नई दिल्ली। परिवहन विभाग द्वारा डाटा उल्लंघन किया जा रहा है और हमारे द्वारा बार बार यह समाचार प्रकाशित किए जाने के बावजूद अब तक इस पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। अचंभे की बात यह है की इस प्रकार के संवेदनशील मुद्दे को सरकार कैसे और क्यों नजरअंदाज कर रही है? जब की लोग वाहन डाटा और मोबाइल नंबर को खुलेआम बेच रहे हैं।

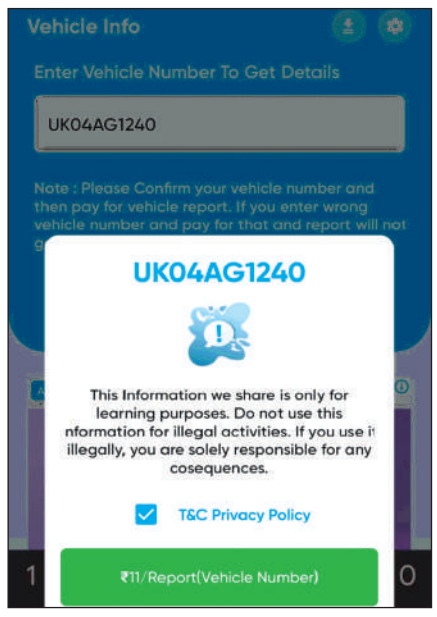

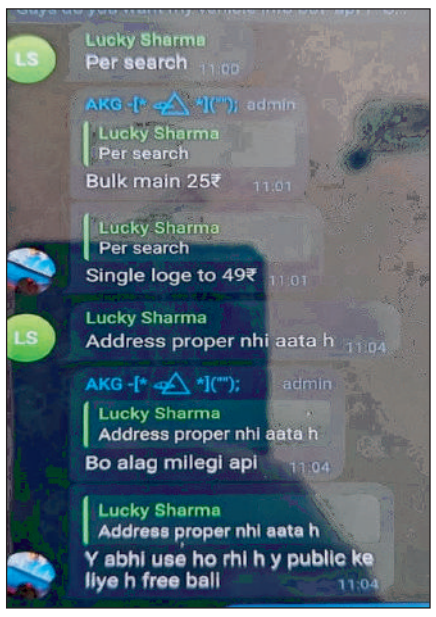

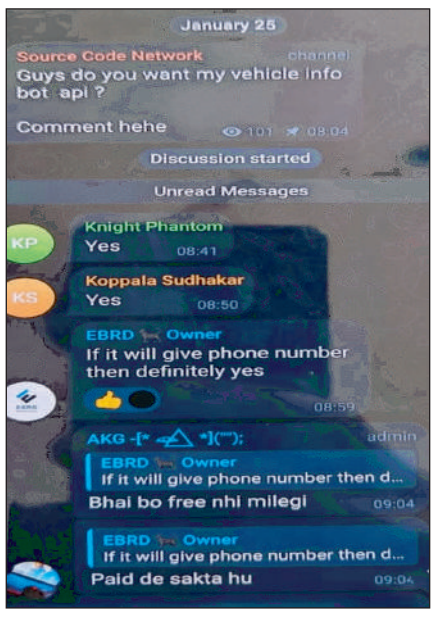

डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर ने बनाया रिकॉर्ड जनवरी 2025 में किया 391 ट्रेनों का परिचालन

परिवहन विशेष न्यूज

रेल मंत्रालय ने बताया कि जनवरी 2025 में समर्पित माल ढुलाई (डीएफसी) गलियारे ने 391 ट्रेनों का परिचालन किया, जिसमें पूर्वी गलियारे पर 209 और पश्चिमी पर 182 ट्रेनें शामिल हैं। यह उपलब्धि माल परिवहन में डीएफसी की बढ़ती भूमिका और कुशलता को दर्शाती है।

नई दिल्ली। रेल मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि समर्पित माल ढुलाई (डीएफसी) गलियारा ने जनवरी में मालगाड़ी परिचालन में मील का पत्थर हासिल किया है। मंत्रालय ने कहा कि यह भारत की रसद और परिवहन क्षमता में एक नया पैमाना स्थापित करता है।

मंत्रालय ने बताया कि इस दौरान पूर्वी समर्पित माल ढुलाई गलियारे (ईडीएफसी) पर औसतन 209 ट्रेनों का संचालन हुआ, जबकि पश्चिमी समर्पित माल ढुलाई गलियारे (डब्ल्यूडीएफसी) पर 182 ट्रेनों का संचालन किया गया।

एक बयान में रेल मंत्रालय ने कहा कि यह उपलब्धि निर्बाध और कुशल माल परिवहन के लिए डीएफसी पर बढ़ती निर्भरता को दर्शाती है और औद्योगिक व आर्थिक विकास की रीढ़ के रूप में इसकी भूमिका को मजबूत करती है।

इसमें कहा गया, मेजा उर्जा निगम प्राइवेट लिमिटेड को 9 दिसंबर 2023 को न्यू उंचडीह स्टेशन पर डीएफसीसीआईएलएल से जोड़ा गया था। जनवरी 2025 में 125 रेक (रेल के डिब्बों का सेट) संभाले गए, जो अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। यह औद्योगिक मांगों को पूरा करने में डीएफसीसीआईएल की बढ़ती क्षमता को दर्शाता है।

बयान में कहा गया, 'डीएफसी गलियारा ने प्रयागराज डिविजन में महा कुंभ के दौरान यात्री और मालगाड़ियों की सुचारू और कुशल आवाजाही सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लाखों श्रद्धालुओं के प्रयागराज आने की उम्मीद के साथ ट्रेन सेवाओं का निर्बाध संचालन सर्वोच्च प्राथमिकता बन गया है।'

मंत्रालय ने यह भी बताया कि पूर्व-मध्य रेलवे और उत्तर-मध्य रेलवे से सौ फीसदी माल परिवहन को ईडीएफसी पर सफलतापूर्वक डायवर्ट करने में सफलता हासिल की गई, जिससे महा कुंभ विशेष ट्रेनों की आवाजाही के लिए बचे हुए मार्गों पर राहत मिली और उन पर यातायात का दबाव कम हुआ।

मंत्रालय ने माना कि उत्तर-मध्य रेलवे के प्रयागराज डिविजन में भीड़ कम करने में ईडीएफसी ने अहम भूमिका निभाई। इसने कहा, 'माल ढुलाई के लिए इस रणनीतिक बदलाव से न केवल भीड़ कम हो रही है, बल्कि महा कुंभ स्पेशल ट्रेनों का सुचारू संचालन भी संभव हो रहा है, जिससे श्रद्धालु पवित्र जल में डुबकी लगाने के लिए सुविधाजनक यात्रा कर सकेंगे।'

नितिन गडकरी बोले- हमारा सपना हाइड्रोजन ईंधन का निर्यातक बनना है

कॉर्बन मार्केट एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीएमएआई) के क्लाइमेट वीक में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बायोमास, जैव ईंधन, मेथनॉल और अपशिष्ट उपयोग पर सरकारी प्रयासों के अपने दृष्टिकोण को साझा किया।

नई दिल्ली। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी का कहना है कि हाइड्रोजन भविष्य का ईंधन है। हमारा सपना हाइड्रोजन ईंधन सि निर्यातक बनना है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि टिकाऊ विमानन ईंधन सबसे महत्वपूर्ण चीज है। वर्तमान में हम ऊर्जा के आयातक हैं और हमारा सपना ऊर्जा का निर्यातक बनना है।

कॉर्बन मार्केट एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीएमएआई) के क्लाइमेट वीक में उन्होंने बायोमास, जैव ईंधन, मेथनॉल और अपशिष्ट उपयोग पर सरकारी प्रयासों के अपने दृष्टिकोण को साझा किया। दिल्ली के पांच सितारा होटल में आयोजित सीएमएआई के पांच दिवसीय क्लाइमेट वीक में अमर उजाला मीडिया पार्टनर की भूमिका निभा रहा है। मंगलवार को कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए।

उन्होंने कहा कि लोग शहरी क्षेत्रों की ओर पलायन कर रहे हैं क्योंकि उन्हें अपनी कृषि उपज का उचित मूल्य नहीं मिल रहा है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री ने कहा कि भारत में फ्लेक्स इंजन वाहन आ रहे हैं और देश में इथेनॉल पंप खोले जा रहे हैं और इससे किसानों की आय बढ़ेगी। यह ऐसे क्षेत्र हैं जहां हम कृषि को सहायता दे सकते हैं। पहले हम किसानों को अन्नदाता कहते थे, लेकिन हमारी सरकार ने किसानों को ऊर्जादाता बना दिया है।

इंडिया एसएएफ एलायंस का शुभारंभ किया

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने इंडिया एसएएफ एलायंस के नेतृत्व के साथ मिलकर क्लाइमेट वीक में आधिकारिक तौर पर इंडिया एसएएफ (सस्टेनेबल एवियेशन फ्यूल) एलायंस का शुभारंभ भी किया। सीएमएआई द्वारा शुरू किए गए इंडिया एसएएफ एलायंस का उद्देश्य पूरे देश में संधारणीय विमानन ईंधन को अपनाने में तेजी लाना और भारत के जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में सहयोगात्मक प्रयासों को बढ़ावा देना है। इस अवसर पर इंडिया एसएएफ एलायंस के अध्यक्ष व जेडआर2 के संस्थापक जिमी ओल्सन ने कहा कि हमारे विजन के केंद्र में एसएएफ को संधारणीय और किफायती दोनों बनाने की आकांक्षा है। नवाचार और सहयोग को बढ़ावा देकर, हम भारत के लिए वैश्विक एसएएफ क्रांति का नेतृत्व करने की नींव रख रहे हैं। इंडिया एसएएफ एलायंस के सह-अध्यक्ष विजय निरानी ने यह पहल विमानन उत्सर्जन को कम करने के भारत के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण छलांग को दिखाती है।

नेशनल हाईवे पर टोल प्लाजा और हर 40-60 किमी पर सुविधाजनक स्थानों पर मिलेंगी शौचालय सुविधाएं

परिवहन विशेष न्यूज

स्वच्छ भारत मिशन के तहत, सभी टोल प्लाजा के पास पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग-अलग शौचालय बनाए जा रहे हैं। इसके अलावा, सरकार का लक्ष्य हर 40-60 किलोमीटर पर राष्ट्रीय राजमार्गों के किनारे सुविधाजनक स्थल विकसित करने का है।

नई दिल्ली। स्वच्छ भारत मिशन के तहत, सभी टोल प्लाजा के पास पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग-अलग शौचालय बनाए जा रहे हैं। इसके अलावा, सरकार का लक्ष्य हर 40-60 किलोमीटर पर राष्ट्रीय राजमार्गों के किनारे सुविधाजनक स्थल विकसित करने का है। यह जानकारी ग्रामीण विकास मंत्रालय ने लोकसभा में दी।

केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को लिखित जवाब में यह बताया। उन्होंने यह जानकारी सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय से मिली जानकारी के आधार पर दी।

टोल प्लाजा के पास बनाए जा रहे हैं सार्वजनिक शौचालय

मंत्री ने कहा, "राष्ट्रीय और राज्य राजमार्गों के टोल प्लाजा के पास सार्वजनिक शौचालय बनाए जा रहे हैं। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय (MoRTH) की जानकारी के अनुसार, स्वच्छ भारत मिशन के तहत 2015 से ही टोल प्लाजा के पास पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग-अलग शौचालय बनाए जा रहे हैं। यह निर्माण राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) की देखरेख में हो रहा है।"

हाईवे पर समस्याओं की रिपोर्ट के लिए एप

उन्होंने आगे बताया कि राष्ट्रीय राजमार्गों पर किसी भी तरह की समस्या (जैसे शौचालय या अन्य सुविधाएं) की रिपोर्ट करने के लिए ₹राजमार्ग यात्रा₹ (Rajmarg Yatra) नाम का एक नया एप लॉन्च किया गया है।

इसके अलावा, NHAI ने अपनी कार्यप्रणाली में सुधार करने के लिए ₹NHAI One₹ एप में एक नया मॉड्यूल जोड़ा है। जिससे शौचालयों की साफ-सफाई की जांच की जाएगी। इसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा। ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि शौचालय हमेशा साफ-सुथरे रहें। अभी तक 1,300 से ज्यादा शौचालय ब्लॉक इस एप पर पंजीकृत किए जा चुके हैं।

टोल एजेंसियों पर सफाई न रखने पर जुर्माना

टोल प्लाजा पर शौचालयों की सफाई और देखरेख की जिम्मेदारी टोल वसूलने वाली एजेंसियों की होती है। अगर वे सफाई के तय मानकों का पालन नहीं करती हैं, तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाती है। सरकार के अनुसार, टोल एजेंसियों पर प्रति उल्लंघन 1 लाख रुपये का जुर्माना लगाया जा सकता है। अब तक लगभग 46 लाख रुपये का जुर्माना लगाया जा चुका है।

हर 40-60 किमी पर बनेगी सुविधाजनक स्थल

राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेसवे पर हर 40-60 किलोमीटर की दूरी पर सुविधाजनक स्थल (Wayside Amenities) विकसित किए जाएंगे। इन जगहों पर सार्वजनिक शौचालय अनिवार्य रूप से बनाए जाएंगे।

अब तक देशभर में 455 सुविधाजनक स्थल स्वीकृत किए जा चुके हैं, जिनमें से 90 राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेसवे पर पहले से ही काम कर रहे हैं।

इन राज्यों में सबसे ज्यादा सुविधाजनक स्थल

राजस्थानः 58
हरियाणा और मध्य प्रदेशः 48
गुजरातः 45
उत्तर प्रदेशः 44
पंजाबः 35
आंध्र प्रदेशः 34

शहरी और ग्रामीण इलाकों में भी स्वच्छता पर जोर

लोकसभा में दिए जवाब के मुताबिक, आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय (MoHUA) ने बताया कि स्वच्छता राज्य सरकारों की जिम्मेदारी होती है। शहरी क्षेत्रों में स्वच्छता का काम नगर निकायों (ULBs) को सौंपा गया है, जिन्हें स्वच्छ भारत मिशन-शहरी (SBM-U) के तहत केंद्र सरकार मदद देती है।

SBM-U के तहत 31 दिसंबर 2024 तक 67.57 लाख व्यक्तिगत शौचालय और 6.52 लाख सामुदायिक/सार्वजनिक शौचालय बनाए जा चुके हैं।

ग्रामीण इलाकों में भी स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए जल शक्ति मंत्रालय ने सभी राज्य सरकारों को सार्वजनिक स्थानों, बाजारों, पर्यटन स्थलों, बस स्टैंड और हाईवे के किनारे सामुदायिक शौचालय बनाने के निर्देश दिए हैं। अब तक 2.51 लाख सामुदायिक शौचालय बनाए जा चुके हैं।

स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण (SBM-G)

स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण मिशन 2 अक्तूबर 2014 को शुरू किया गया था, ताकि 2 अक्चूबर 2019 तक खुले में शौच की समस्या को खत्म किया जा सके। 2 अक्तूबर 2019 तक सभी गांवों ने खुद को खुले में शौच मुक्त (ODF) घोषित कर दिया था।

SBM-G का दूसरा चरण 2020-21 से 2025-26 तक चलेगा। जिसमें ODF की स्थिति बनाए रखने और ठोस एवं तरल कचरा प्रबंधन पर ध्यान दिया जाएगा।

पुष्य नक्षत्र में जन्मे जातक का स्वभाव, कैरियर और रोग

ज्योतिषाचार्य पंडित योगेश पौराणिक (इंजी)

नक्षत्र मंडल में तीर की नोंक के आकार के दिखने वाले तीन तारे पुष्य नक्षत्र को दर्शाते हैं। ऋग्वेद में पुष्य नक्षत्र को शुभ या मांगलिक तारा कहा गया है। पुष्य नक्षत्र के अधिष्ठाता देवताओं के गुरु बृहस्पति तथा नक्षत्र स्वामी ग्रह शनि को माना गया है। पुष्य का अर्थ है पोषण करने वाला या दिव्य शक्ति प्रदान करने वाला तथा पुष्य नक्षत्र का प्रतीक चिन्ह गाय के थन को माना गया है।

स्वभावः पुष्य नक्षत्र में जन्मे जातक कर्तव्यनिष्ठ, धर्मनिष्ठ, न्यायप्रिय, उदार, दयालु, आस्थावान व उदार होते हैं। इस नक्षत्र के लोग शारीरिक तौर पर गोलाकार चेहरे के कांति युक्त तथा चौड़ी छाती के पुष्ट दिखने वाले होते हैं। आचार्य वराहमिहिर के अनुसार पुष्य नक्षत्र के जन्मे जातक धनी, मातृभक्त, विद्वान, भाग्यशाली, शांत तथा धर्मभीरू होते हैं।

कैरियरः पुष्य नक्षत्र में जन्मे जातक ज्योतिष विज्ञान, प्रसिद्ध भगवताचार्य, प्राच्यविज्ञान, राजनीति, परामर्शदाता, सांसद, विधायक,

आध्यात्मिक गुरु, जल संबंधित व्यापार, स्वयं सेवक, प्रशिक्षक, सिविल इंजीनियर, शेयर दलाल, मनोचिकित्सक, इवेंट प्लानर आदि को कैरियर के रूप में चुनकर सफलता प्राप्त कर सकते है।

रोगः इस नक्षत्र के जातकों को पीलिया, वात तथा कफ संबंधित विकार और इसके अलावा त्वचा संबंधित रोग हो सकते हैं।

उपायः श्रुतियों के अनुसार ब्राम्हण, अग्नि तथा गाय में भगवान विष्णु का वास स्थान माना गया है इसलिए पुष्य नक्षत्र के जन्मे जातक यदि गाय की सेवा नित्य करें तथा प्रत्येक पर्व या त्योहारों पर ब्राम्हण को भोजन करवाएं और दक्षिणा भेंट करे तो इन्हे धन, पुत्र, यश तथा मान सम्मान आदि की प्राप्ति होती है। इस नक्षत्र के जातकों को भाग्य वृद्धि हेतु सफेद, पीला, नारंगी, गोल्डन रंगो का उपयोग करना चाहिए।

महानंदा नवमी

भारत वर्ष में कई त्योहार एवं उत्सव मनाए जाते हैं जिनमें से एक ताला नवमी है। ताल नवमी को महानंदा नवमी के नाम से भी जाना जाता है, यह भाद्रपद महीने में मनाया जाने वाला एक शुभ दिन है जो हर साल अगस्त या सितंबर के महीने में मनाया जाता है। हिन्दू मान्यताओं के अनुसार, मार्गशीर्ष मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि यानी गुप्त नवरात्रि के अंतिम दिन यानी नवमी तिथि को श्री महानंदा नवमी पर्व मनाया जाता है। यदि किसी अज्ञात कारणों की वजह से अगर जीवन में सुख-समृद्धि, रुपया-पैसा, धन की कमी हुई हो, तो यह व्रत करना बहुत अधिक महत्वपूर्ण माना जाता है। यह दिन पूरे भारत में मनाया जाता है, लेकिन विशेष रूप से उड़ीसा और पश्चिम बंगाल में इस दिन का आयोजन किया जाता है। इस दिन, देवी दुर्गा के भक्त बड़े उत्साह के साथ उनकी पूजा करते हैं। देवी दुर्गा शक्ति और ऊर्जा का प्रतीक हैं। बुराइयों से लड़ने के लिए शक्ति और सामर्थ्य प्राप्त करने के लिए महिलाओं द्वारा उनकी विशेष रूप से पूजा की जाती है। देवी दुर्गा की पूजा करने से बुरी आत्माओं पर विजय प्राप्त होती है। हिंदी में, दुर्गा का अर्थ एक ऐसी जगह या एक किला है, जिसे पार नहीं किया जा सकता है। इसका मतलब है कि देवी दुर्गा को अजेय माना जाता है। दुर्गा का एक अन्य अर्थ है ₹दुर्गतिनाशिनी₹ जिसका अर्थ है कि कष्टों को दूर करने वाला। इस प्रकार, हिंदुओं का मानना है कि देवी दुर्गा अपने भक्तों को दुनिया की बुराइयों से बचाती हैं और उनके दुखों को भी दूर करती हैं। दुर्गा के नौ अवतार या रूप हैं, अर्थात, शैलपुत्री, चंद्रघंटा, ब्रह्मचारिणी, स्कंद माता, कुष्मांडा, 1 कालरात्रि, महागौरी, कात्यायनी और सिद्धिदायिनी है। ताल नवमी पर, देवी दुर्गा के सभी रूपों की पूजा की जाती है।

महानंदा नवमी की पूजा विधि महानंदा व्रत के दिन पूजा करने का खास विधान है। महानंदा नवमी से कुछ दिन पहले घर की साफ-सफाई करें। नवमी के दिन पूजाघर के बीच में बड़ा दीपक जलाएं और रात भर जगे रहें। महानंदा नवमी के दिन ऊं हीं महालक्ष्म्यै नमः का जाप करें। रात्रि जागरण कर ऊं ह्रीं महालक्ष्म्यै नमः का जाप करते रहें। जाप के बाद रात में पूजा कर पारण करना चाहिए।

साथ ही नवमी के दिन कुंवारी कन्याओं को भोजन करा कुछ दान दें फिर उनसे आर्शीवाद मांगें। आर्शीवाद आपके लिए बहुत शुभ होगा।

महानंदा नवमी का महत्व ऐसा माना जाता है कि ताला नवमी यचानि महानंदा नवमी के दिन व्रत तथा पूजा करने से घर के सभी दुख और क्लेश दूर हो जाते हैं। इस व्रत के मनुष्य को न केवल भौतिक सुख मिलते हैं बल्कि मानसिक शातिं भी मिलती है। इस व्रत को करने और मन से लक्ष्मी का ध्यान कर पूजन करने से घर में सुख-समृद्धि आती है जो हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए लाभदायी होता है।

महानंदा नवमी से जुड़ी कथा महानंदा नवमी व्रत की कथा के अनुसार एक बार एक साहूकार अपनी बेटी के साथ रहता था। बेटी बहुत धार्मिक प्रवृति की थी वह प्रतिदिन एक पीपल के वृक्ष की पूजा करती थी। उस पीपल के वृक्ष में लक्ष्मी जी का वास करती थीं। एक दिन लक्ष्मी जी साहूकार की बेटी से दोस्ती कर ली। लक्ष्मी जी एक दिन साहूकार की बेटी को अपने घर ले गयीं और उसे खूब खिलाया-पिलाया। उसके बाद बहुत से उपहार देकर बेटी को विदा कर दिया। साहूकार की बेटी को विदा करते समय लक्ष्मी जी बोली कि मुझे कब अपने घर बुला रही हो इस पर साहूकार की बेटी उदास हो गयी। उदासी से उसने लक्ष्मीजी को अपने घर आने का न्यौता दे दिया। घर आकर उसने अपने पिता को यह बात बतायी और कहा कि लक्ष्मी जी का सत्कार हम कैसे करेंगे। इस पर साहूकार ने कहा हमारे पास जो भी है उसी से लक्ष्मी जी का स्वागत करेंगे। तभी एक चील उनके घर में हीरों का हार गिरा कर चली गयी जिसे बेचकर साहूकार की बेटी ने लक्ष्मी जी के लिए सोने की चौकी, सोने की थाली और दुशाला खरीदी। लक्ष्मीजी थोड़ी देर बाद गणेश जी के साथ पधारीं। उस कन्या ने लक्ष्मी-गणेश की खूब सेवा की। उन्होंने उस बालिका की सेवा से प्रसन्न होकर समृद्ध होने का आर्शीवाद दिया।

क्या आप जानते हैं ?

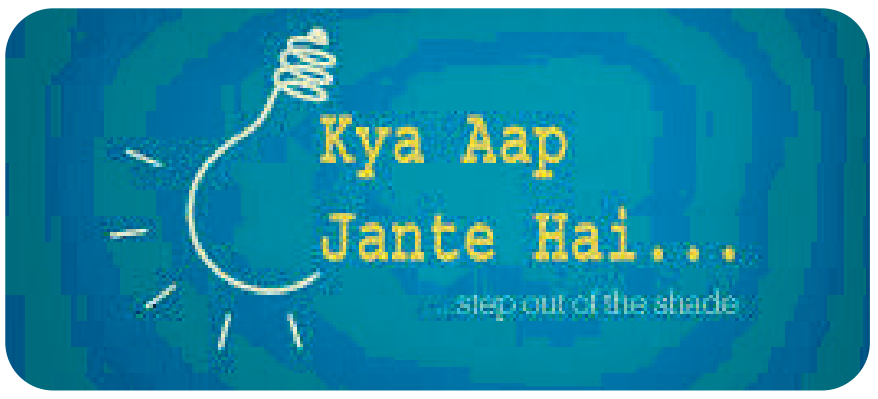

भगवती नील सरस्वती का स्थान चीन देश में स्थित है।

भगवती गुह्यकालीका का महान स्थान नेपाल में प्रतिष्ठित है।

कोल्हापुर में लक्ष्मी, मातृपुर में भगवती रेणुका, विराजती हैं।

देवी अन्नपूर्णा का परम श्रेष्ठ स्थान काञ्चीपुर में है।

जाम्बूनदेश्वरी श्रीनगर में, मीनाक्षी चिदम्बरम्‌में, भगवती बगला वैद्यनाथ धाम में विराजती हैं।

पुष्कर क्षेत्र भगवती गायत्री का उत्तम स्थान है।

महाकाल क्षेत्र में शांकरी, केदार क्षेत्र में मार्गदायिनी, गया क्षेत्र में भगवती मङ्गला, कुरुक्षेत्र क्षेत्र में स्थाणुप्रिया, कनखल क्षेत्र में भगवती उग्रा के रूप में देवी प्रतिष्ठित हैं।

श्रीमत्तरिपुर भैरवी का महान स्थान कामाख्यायोनि मण्डल है। यह पृथ्वी पर क्षेत्ररत्न स्वरूप है तथा महामाया द्वारा अधिवासित क्षेत्र है। जब भगवती प्रत्येक माह साक्षात्‌ रजस्वला होती है, तब वहाँ के सभी देवता पर्वत स्वरूप हो जाते हैं और महान देवता भी वहाँ पर्वतों पर निवास करते हैं। विद्वान और महान पुरुषों ने वहाँ की सम्पूर्ण भूमि को देवीरूप कहा है।

हीमोग्लोबिन बढ़ाने के उपाय

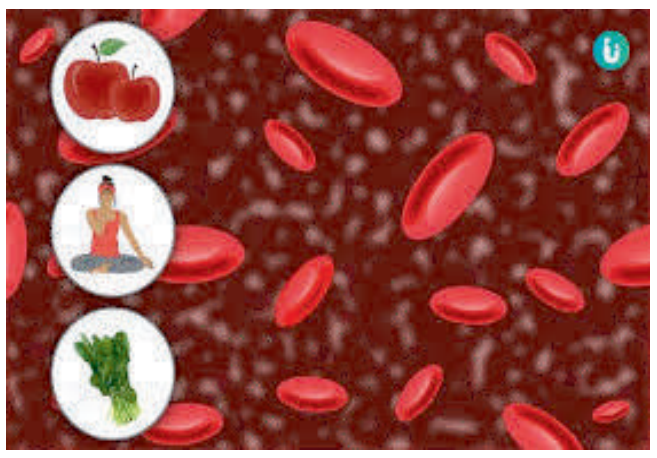

अमरूद- अमरूद जितना ज्यादा पका हुआ होगा, उतना ही पौष्टिक होगा। पके अमरूद को खाने से शरीर में हीमोग्लोबिन की कमी नहीं होती। इसलिए महिलाओं के लिए यह और भी लाभदायक हो जाता है।

आम- आम खाने से हमारे शरीर में रक्ति अधिक मात्रा में बनता है, एनीमिया में यह लाभकारी होता है।

सेब- सेब एनीमिया जैसी बीमारी में लाभकारी होता है। सेब खाने से शरीर में हीमोग्लोबिन बनता है।

अंगूर- अंगूर में भरपूर मात्रा में आयरन पाया जाता है। जो शरीर में हीमोग्लोबिन बनाता है, और हीमोग्लोबिन की कमी संबंधी बीमारियों को ठीक करने में सहायक होता है।

चुकन्दर- चुकन्दर से प्राप्त उच्च गुणवत्ता का लोह तत्व रक्त में हीमोग्लोबिन का निर्माण व लाल रक्तकणों की सक्रियता के लिए बेहद प्रभावशाली है। खून की कमी यानी एनीमिया की शिकार महिलाओं के लिए चुकंदर रामबाण के समान है। चुकन्दर के अलावा चुकन्दर की हरी पत्तियों का सेवन भी बेहद लाभदायी है। इन पत्तियों में तीन गुना लौह तत्व अधिक होता है।

तुलसी- तुलसी रक्त की कमी को कम करने के लिए रामबाण है। तुलसी के नियमित सेवन से शरीर में हीमोग्लोबिन की मात्रा बढ़ती है।

सब्जियां- शरीर में हीमोग्लोबिन बढ़ाने के लिए ज्यादा से ज्यादा हरी सब्जियां को अपने भोजन में शामिल करना चाहिए। हरी सब्जियों में हीमोग्लोबिन बढ़ाने वाले तत्व ज्यादा मात्रा में पाये जाते है।

तिल- तिल हमारे शरीर में हीमोग्लोबिन की मात्रा को बढ़ाता है। तिल खाने से रक्त अल्पता की बीमारी ठीक होती है।

भगवाधारी

पुण्यतिथि शिवाजी महाराज के मित्र एवं वीर सेनानी, कोण्डाणा के दुर्गम किले के विजेता तानाजी मालसुरे

महान योद्धा तानाजी मालसुरे जी के बलिदान दिवस

"गढ आला पण सिंह गेला"

-छत्रपति शिवाजी महाराज

वीर छत्रपति शिवाजी महाराज का यह कथन तानाजी के चरित्र, उनकी वीरता एवं शौर्य को वर्णित करता है।

सिंहगढ़ का नाम आते ही छत्रपति शिवाजी महराज के वीर सेनानी तानाजी मालसुरे की याद आती है। तानाजी ने उस दुर्गम कोण्डाणा दुर्ग को जीता, जो 'वसंत पंचमी' पर उनके बलिदान का अर्घ्य पाकर 'सिंहगढ़' कहलाया।

छत्रपति शिवाजी महाराज को एक बार सन्धिस्वरूप 23 किले मुगलों को देने पड़े थे। इनमें से कोण्डाणा सामरिक दृष्टि से बहुत महत्त्वपूर्ण था। एक बार माँ जीजाबाई ने छत्रपति शिवाजी महाराज को कहा कि प्रातःकाल सूर्य भगवान को अर्घ्य देते समय कोण्डाणा पर फहराता हरा झण्डा आँखों को बहुत चुभता है। छत्रपति शिवाजी महाराज ने सिर झुकाकर कहा - मां, आपकी इच्छा मैं समझ गया। शीघ्र ही आपका आदेश पूरा होगा।

कोण्डाणा को जीतना सरल न था; पर छत्रपति शिवाजी महाराज के शब्दकोष में असम्भव शब्द नहीं था। उनके पास एक से एक साहसी योद्धाओं की भरमार थी। वे इस बारे में सोच ही रहे थे कि उनमें से सिरमौर तानाजी मालसुरे दरबार में आये। छत्रपति शिवाजी महाराज ने उन्हें देखते ही कहा - तानाजी, आज सुबह ही मैं आपको याद कर रहा था। माता की इच्छा कोण्डाणा को फिर से अपने अधीन करने की है।

तानाजी ने 'जो आज्ञा' कहकर सिर झुका लिया। यद्यपि तानाजी उस समय अपने पुत्र रायबा के विवाह का निमन्त्रण छत्रपति शिवाजी महाराज को देने के लिए आये थे; पर उन्होंने मन में कहा - पहले कोण्डाणा विजय, फिर रायबा का विवाह; पहले देश, फिर घर। वे योजना बनाने में जुट गये। 4 फरवरी, 1670 की रात्रि इसके लिए निश्चित की गयी।

कोण्डाणा पर मुगलों की ओर से हिन्दू सेनानी उदयभान 1,500 सैनिकों के साथ तैनात था। तानाजी ने अपने भाई सूर्याजी और 500 वीर सैनिकों को साथ लिया। दुर्ग के मुख्य द्वार पर कड़ा पहरा रहता था। पनमन बहुत घना जंगल और ऊँची पहाड़ी थी। पहाड़ी से गिरने का अर्थ था निश्चित मृत्यु। अतः इस ओर सुरक्षा बहुत कम रहती थी। तानाजी ने इसी मार्ग को चुना।

रात में वे सैनिकों के साथ पहाड़ी के नीचे पहुँच गये। उन्होंने 'यशवन्त' नामक गोह को ऊपर फेंका। उसकी सहायता से कुछ सैनिक बुर्ज पर चढ़ गये। उन्होंने अपनी कमर में बँधे रस्से नीचे लटका दिये। इस प्रकार 300 सैनिक ऊपर आ गये। शेष 200 ने मुख्य द्वार पर मोर्चा लगा लिया।

ऊपर पहुँचते ही असावधान अवस्था में खड़े सुरक्षा सैनिकों को यमलोक पहुँचा दिया। इस पर शोर मच गया। उदयभान और उसके साथी भी तलवारें लेकर भिड़ गये। इसी बीच सूर्याजी ने मुख्य द्वार को अन्दर से खोल दिया। इससे शेष सैनिक भी अन्दर आ गये और पूरी ताकत से युद्ध होने लगा।

यद्यपि तानाजी लड़ते-लड़ते बहुत घायल हो गये थे; पर उनकी इच्छा मुगलों के चाकर उदयभान को अपने हाथों से दण्ड देने की थी। जैसे ही वह दिखायी दिया, तानाजी उस पर कूद पड़े। दोनों में भयानक संग्राम होने लगा। उदयभान भी कम वीर नहीं था। उसकी तलवार के वार से तानाजी की ढाल कट गयी। इस पर तानाजी हाथ पर कपड़ा लपेट कर लड़ने लगे; पर अन्ततः तानाजी वीरगति को प्राप्त हुए। यह देख मामा शेलार ने अपनी तलवार के भीषण वार से उदयभानु को यमलोक पहुँचा दिया। ताना जी और उदयभान, दोनों एक साथ धरती माता की गोद में सो गये।

जब छत्रपति शिवाजी महाराज को यह समाचार मिला, तो उन्होंने भरे गले से कहा - गढ़ तो आया; पर मेरा सिंह चला गया। तब से इस किले का नाम 'सिंहगढ़' हो गया। किले के द्वार पर तानाजी की भव्य मूर्ति तथा समाधि निजी कार्य से देशकार्य को अधिक महत्त्व देने वाले उस वीर की सदा याद दिलाती है।

*भगवा में तेज व निखार रहे इसलिए रक्त की नदियाँ बहाने वाले, वह निरंतर लहराये इसलिए साँसों को वार देने वाले महान योद्धा तानाजी मालसुरे जी के बलिदान दिवस पर उन्हें शत्-शत्‌नमन

देशभक्त अच्युत पटवर्धन

भारत को स्वतन्त्र कराने हेतु अनेक जेलयात्राएँ करने वाले अच्युत पटवर्धन का जन्म 5 फरवरी, 1905 को हुआ था। स्नातकोत्तर उपाधि पाने के बाद इन्होंने 1932 तक अर्थशास्त्र पढ़ाया। अर्थशास्त्र के अध्ययन के दौरान इनके ध्यान में आया कि अंग्रेजों ने भारत की अर्थव्यवस्था को किस प्रकार योजनाबद्ध रूप से चौपट किया है। इससे वे गांधी जी के विचारों की ओर आकर्षित हुए। उनका मत था कि देश को स्वतन्त्र कराने के लिए कोई भी मार्ग अनुचित नहीं है। अतः वे क्रान्तिकारियों का भी सहयोग करने लगे। गांधी जी द्वारा प्रारम्भ किये गये अनेक आन्दोलनों में वे जेल गये। 1942 में 'भारत छोड़ो' आन्दोलन के समय जब अधिकांश नेता पकड़े गये, तो श्री पटवर्धन भूमिगत हो गये और स्थान-स्थान पर जाकर आन्दोलन को गति देते रहे। सरकार ने इन पर तीन लाख रु0 का पुरस्कार घोषित किया; पर ये तीन साल तक पुलिस-प्रशासन की पकड़ में नहीं आये। उन्होंने मुख्यतः महाराष्ट्र में सतारा, नन्दुरवार और महाड़ में 'लोकशक्ति' के नाम से आन्दोलन चलाया। एक समय तो यह आन्दोलन इतना प्रबल हो उठा था कि सतारा में समानान्तर सरकार ही गठित हो गयी। इसलिए उस समय उन्हें 'सतारा के शेर' और 'सत्याग्रह के सिंह' जैसी उपाधियाँ दी गयीं। स्वाधीनता प्राप्ति के बाद श्री अच्युत पटवर्धन को कांग्रेस की राष्ट्रीय कार्यसमिति का सदस्य बनाया गया; पर कुछ समय बाद ही उनका कांग्रेस से मोहभंग हो गया। अब वे समाजवादी विचारों की ओर आकर्षित हुए और सोशलिस्ट पार्टी के संस्थापक सदस्य बने; पर यहाँ भी उनका मन नहीं लगा और 1950 में उन्होंने राजनीति को सदा के लिए अलविदा कह दिया। उन दिनों श्री जयप्रकाश नारायण भी सर्वोदय के माध्यम से देश परिवर्तन का प्रयास कर रहे थे। श्री पटवर्धन की उनसे अच्छी मित्रता हो गयी। उन्होंने जयप्रकाश जी को एक पत्र लिखा, जिससे उनकी मनोभावना प्रकट होती है - ''अब तो सत्ता की राजनीति ही हमारा ध्येय हो गयी है। हमारा सामाजिक चिन्तन सत्तावादी चिन्तन हो गया है। दल के अन्दर और बाहर यही भावना जाग रही है। उसके कारण व्यक्ति पूजा पनप रही है और सारा सामाजिक जीवन कलुषित हो गया है। सत्ता पाने के लिए लोकजीवन में निर्दयता और निष्ठुरता पनप रही है। भाईचारा और दूसरों के प्रति उदारता समाप्त सी हो रही है। इसे बदलने का कोई तात्कालिक उपाय भी नहीं दिखता।'' चन्द्रशेखर धर्माधिकारी की एक पुस्तक की प्रस्तावना में उन्होंने लिखा, ''हम यह अनदेखा नहीं कर सकते कि समाज में जो निहित स्वार्थ और अन्ध श्रद्धाएँ हैं, उनके दबाव में सारी प्रगति ठिठक रही है। लाखों भारतीय अमानवीय परिस्थितियों में जीते-मरते हैं।'' उन पर जे.कृष्णमूर्ति और ऐनी बेसेण्ट के विचारों का व्यापक प्रभाव था। एक बार जब किसी ने उनसे कहा कि उन्होंने देश के लिए जो कष्ट सहे हैं, उनकी चर्चा क्यों नहीं करते; उन्हें लिखते क्यों नहीं ? तो उन्होंने हँस कर कहा कि अनेक लोग ऐसे हैं, जिन्होंने देश की स्वतन्त्रता के लिए मुझसे भी अधिक कष्ट सहे हैं। जीवन के अन्तिम दिनों में वे महाराष्ट्र में बन्धुता और समता के आधार पर आदर्श ग्राम निर्माण के प्रयास में लगे थे। निर्धन, निर्बल और सरल चित्त वनवासियों को उन्होंने अपना आराध्य बनाया। 1992 में लखनऊ विश्वविद्यालय के एक कार्यक्रम में उन्होंने अपने न्यास का सारा काम श्री नानाजी देशमुख को सौंपने की बात उनसे कही; पर इसे कार्यरूप में परिणत होने से पूर्व ही काशी में उनका देहावसान हो गया।पुण्यतिथि 5 फ़रवरी ममहर्षि महेश योगी का जन्म 12 जनवरी 1918 को छत्तीसगढ़ के राजिम शहर के पास पांडुका गाँव में हुआ था। उनका मूल नाम महेश प्रसाद वर्मा था। उन्होने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से भौतिकी में स्नातक की उपाधि अर्जित की। उन्होने तेरह वर्ष तक ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी ब्रह्मानन्द सरस्वती के सानिध्य में शिक्षा ग्रहण की। महर्षि महेश योगी ने शंकराचार्य की मौजूदगी में रामेश्वरम में 10 हजार बाल ब्रह्मचारियों को आध्यात्मिक योग और साधना की दीक्षा दी। हिमालय क्षेत्र में दो वर्ष का मौन व्रत करने के बाद सन्‌1955 में उन्होने टीएम तकनीक की शिक्षा देना आरम्भ की। सन्‌ 1957 में उनने टीएम आन्दोलन आरम्भ किया और इसके लिये विश्व के विभिन्न भागों का भ्रमण किया। महर्षि महेश योगी द्वारा चलाया गए आंदोलन ने उस समय जोर पकड़ा जब रॉक ग्रुप 'बीटल्स' ने 1968 में उनके आश्रम का दौरा किया। इसके बाद गुरुजी का ट्रेसडेंशल मेडिटेशन अर्थात भावातीत ध्यान पूरी पश्चिमी दुनिया में लोकप्रिय हुआ।उनके शिष्यों में पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गाँधी से लेकर आध्यात्मिक गुरू दीपक चोपड़ा तक शामिल रहे। महर्षि महेश योगी ने वेदों में निहित ज्ञान पर अनेक पुस्तकों की रचना की। महेश योगी अपनी शिक्षाओं एवं अपने उपदेश के प्रसार के लिये आधुनिक तकनीकों का सहारा लेते हैं। उन्होने महर्षि मुक्त विश्वविद्यालय स्थापित किया जिसके माध्यम से 'आनलाइन' शिक्षा दी जाती है। वे साप्ताहिक विडियो पत्रकार वार्ता आयोजित करते हैं। वे महर्षि प्रसारण के लिये उपग्रह व अन्तरजाल का सहारा लेते हैं। अपनी विश्व यात्रा की शुरूआत 1959 में अमेरिका से करने वाले महर्षि योगी के दर्शन का मूल आधार था, ' जीवन परमआनंद से भरपूर है और मनुष्य का जन्म इसका आनंद उठाने के लिए हुआ है। प्रत्येक व्यक्ति में ऊर्जा, ज्ञान और सामर्थ्य का अपार भंडार है तथा इसके सदुपयोग से वह जीवन को सुखद बना सकता है।' वर्ष 1990 में हॉलैंड के व्लोड्राप गाँव में ही अपनी सभी संस्थाओं का मुख्यालय बनाकर वह यहीं स्थायी रूप से बस गए और संगठन से जुड़ी गतिविधियों का संचालन किया। दुनिया भर में फैले लगभग 60 लाख अनुयाईयों के माध्यम से उनकी संस्थाओं ने आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति और प्राकृतिक तरीके से बनाई गई कॉस्मेटिक हर्बल दवाओं के प्रयोग को बढ़ावा दिया। 5 फ़रवरी 2008 को एम्सटर्डम के पास छोटे से गाँव व्लोड्राप में स्थित अपने आवास में मंगलवार देर रात उन्होंने अपना शरीर त्याग दिया।

जुथिका रॉय

पूरा नाम जुथिका रॉय

जन्म 20 अप्रैल, 1920

जन्म भूमि आमता, हावड़ा ज़िला (बंगाल)

मृत्यु 5 फ़रवरी, 2014 (93 वर्ष)

मृत्यु स्थान कोलकाता, पश्चिम बंगाल

कर्म भूमि भारत

कर्म-क्षेत्र भजन गायिका

पुरस्कार-उपाधि पद्म श्री

नागरिकता भारतीय

प्रसिद्ध गीत 'घुंघट के पट खोल', 'पग घुंघुरू बांध मीरा नाची', 'मैं तो वारी जाऊँ राम', 'कन्हैया पे तन मन' जुथिका रॉय भारतीय भजन (भक्ति संगीत) गायिका थीं। उन्होंने अपने चार दशक लम्बे कैरियर में 200 से अधिक हिन्दी और 100 से अधिक बंगाली गानों को अपनी आवाज़ दी। उन्होंने हिन्दी फ़िल्मों हेतु हिन्दी भक्ति संगीत भी रिकॉर्ड करवाये। जुथिका रॉय को 1972 में भारत के चौथे सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार पद्म श्री से पुरस्कृत किया गया था। जुथिका रॉय महात्मा गांधी और जवाहरलाल नेहरू की पसन्दीदा गायिकाओं में से एक थीं। जुथिका रॉय ने छोटी आयु में ही गाना आरम्भ कर दिया था। जुथिका रॉय को ख्याति 1930 में मिली। इन्हें मीरा के मधुर भजनों के लिए 'आधुनिक मीरा' के नाम से भी जाना जाता था। वे जब 12 साल की थीं तब उन्होंने अपना पहला एलबम 1932 में रिकॉर्ड किया था। जुथिका रॉय की प्रतिभा को कवि क़ाज़ी नज़रुल इस्लाम और बंगाली संगीत निर्देशक कमल दास गुप्ता ने पहचाना था और ये दोनों ही उनके संरक्षक रहे। 1940 व 1950 में ये देश के चुनिंदा गायिकाओं में से एक थीं। इनके भजन 'घुंघट के पट खोल' और 'पग घंघरू बांध मीरा नाची' काफ़ी लोकप्रिय थे। उन्हें 1972 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया था। 15 अगस्त 1947 को भारत के पहले स्वतंत्रता दिवस पर नेहरूजी ने झंडा फहराने के साथ उन्हें रेडियो पर लगातार गाने की विनती की थी। उन्हें नेहरू जी ने कहा था कि वे जब तक लाल क़िले पहुंचे और तिरंगा झंडा फहराएं तब तक वे गाती रहें। यहीं नहीं गांधीजी जब पुणे की जेल में थे तब उनके गाने हर दिन सुनते थे। वे हर सुबह प्रार्थना सभा की शुरूआत उनके ही गाने बजाकर करते थे। जुथिका रॉय ने दो बंगाली फिल्म 'धुली' और 'रतनदीप' में अपनी मधुर आवाज़ भी दी है।

AAP के गढ़ में कांग्रेस और AIMIM कर सकती है कमाल? आठ मुस्लिम बहुल सीटों पर बदलाव की उम्मीद

परिवहन विशेष

दिल्ली चुनाव में मुस्लिम बहुल सीटों पर मतदाताओं ने उत्साह के साथ मतदान किया। गंदे पानी की आपूर्ति टूटी सड़कें शिक्षा की बदहाल स्थिति महंगाई और वायु प्रदूषण जैसे मुद्दों के साथ ही निशुल्क बिजली पानी व बसों में महिलाओं की निशुल्क यात्रा तथा राजनीतिक दलों द्वारा महिलाओं के लिए निश्चित धन देने का मुद्दा छाया रहा। आप कांग्रेस और एआईएमआईएम के बीच मतों का बंटवारा देखने को मिला।

नई दिल्ली, दिल्ली में मुस्लिम बहुल सीटों पर उत्साह के साथ विकास व बदलाव के लिए मतदान हुआ। मतदाताओं में मुस्लिम क्षेत्रों में गंदे पानी की आपूर्ति, टूटी सड़कें, शिक्षा की बदहाल स्थिति, महंगाई और वायु प्रदूषण के साथ ही निशुल्क बिजली, पानी व बसों में महिलाओं की निशुल्क यात्रा तथा राजनीतिक दलों द्वारा महिलाओं के लिए निश्चित धन देने का मुद्दा छाया रहा।

जबकि, राजनीतिक पसंद के रूप में आप के साथ ही कांग्रेस पार्टी व एआईएमआईएम ने जगह बनाई है। मुस्लिम मतों के बंटवारे की इस स्थिति में उन सीटों पर भाजपा भी अपनी जीत की संभावनाएं टटोलती दिख रही है।

दिल्ली के मतदाताओं में 18 प्रतिशत की भागीदारी के साथ सरकार को बनाने-गिराने में मुस्लिम मतदाताओं की भूमिका अहम है। राष्ट्रीय राजधानी में 70 में से आठ मुस्लिम बहुल सीटें हैं। जिसपर पिछले चुनाव में आप ने जीत दर्ज की थी।

इस चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने मुस्लिम बहुल सीटों पर ज्यादा जोर दिया है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी व कांग्रेस पार्टी की सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने रैलियां व रोड शो किए हैं तो ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) ने भी दो सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारकर चुनाव को दिलचस्प बनाया है।

वैसे, दोपहर तक मुस्लिम बहुल मध्य दिल्ली की चार सीटों पर मतदान धीमा रहा। उसके बाद रफ्तार पकड़ी, तो देर शाम तक केंद्रों पर कतारें लगी रही। कुछ मुस्लिम इलाकों में बकायदा मतदान के लिए मस्जिदों से एलान किया गया, जिसके बाद मतदान केंद्रों में भीड़ बढ़ी।

तब भी उत्तर-पूर्वी के मुस्लिम बहुल सीटों के मुकाबले मध्य दिल्ली की सीटों बल्लीमारान, मटिया महल, चांदनी चौक व सदर बाजार तथा दक्षिण-पूर्व के ओखला सीट पर अपेक्षाकृत कम मतदान हुआ। राजनीतिक जानकार इसके पीछे सत्ता विरोधी रूझान को वजह बता रहे हैं। लोग सत्तापक्ष से तो नाराज हैं, लेकिन दूसरे दलों के पाले में जाने को लेकर भी उदासीन दिखे।

जबकि, उत्तर पूर्वी दिल्ली में सीलमपुर और मुस्तफाबाद व शाहदरा जिले के बाबरपुर में सुबह से ही मतदान केंद्रों के बाहर तक कतारें लग गई थी। राजनीतिक जानकारों के अनुसार, इसकी

उत्तर-पूर्वी व बाबरपुर क्षेत्र में वर्ष 2020 के दंगे के असर के रूप में मुस्लिम मतों का ध्रुवीकरण हुआ।

मुस्तफाबाद से तो एआईएमआईएम ने दिल्ली दंगे के आरोपी ताहिर हुसैन को चुनावी मैदान में उतारा है, जिसके प्रति मुस्लिम मतदाताओं में सहानुभूति देखी गई। फिर भी मुस्लिम सीटों पर मतदाताओं का उत्साह काफी रहा।

कई बुजुर्ग व्हीलचेयर से मतदान करने पहुंचे तो मटिया महल में एक बीमार बुजुर्ग महिला मतदान के लिए सीधे एंबुलेंस से मतदान स्थल पहुंचीं और मत दिया। वोटों को घरों से बाहर निकालकर मतदान केंद्रों तक लाने में पार्टी कार्यकर्ता खासे सक्रिय दिखे। मुस्तफाबाद व ओखला में मुस्लिम मतदाताओं में आप व कांग्रेस के साथ ही AIMIM के प्रति भी उत्साह देखा गया।

जबकि, चांदनी चौक, मटिया महल, ओखला, मुस्तफाबाद तथा सदर बाजार के काफी मुस्लिम मतदाताओं में बदलाव का रुख दिखा तो बल्लीमारान में मौजूदा विकास की योजनाओं को आगे बढ़ाने पर जोर दिया है।

मैंने, विकास को लेकर मतदान किया है। आने वाली सरकार अच्छी सुविधाएं दे। घरों में गंदे पानी की जगह साफ पानी आए। टूटी सड़कें ठीक हो। **मेहविश, मटिया महल**

मैंने, बदलाव के लिए मतदान किया है। मुस्लिम समाज मौजूदा व्यवस्था में उपेक्षित महसूस कर रहे हैं। यह तस्वीर बदलनी चाहिए। **आतिर, बल्लीमारान**

दिग्गजों की सीट पर दिनभर बदलता रहा माहौल, बढ़ती रही धड़कनें; क्या कहते हैं आंकड़े

दिल्ली विधानसभा के लिए मतदान के दौरान कई हॉट सीटों पर माहौल में कई बार बदलाव देखने को मिला। आप भाजपा और कांग्रेस के दिग्गज प्रत्याशियों की सीटों पर भी मतदान के दौरान दिन भर में अनेक बार माहौल बदला। इससे प्रत्याशियों के पसीने भी छूटते रहे और उनके दिलों की धड़कनें भी बढ़ती रहीं।

नई दिल्ली। आप, भाजपा, कांग्रेस के दिग्गज प्रत्याशियों की सीटों पर भी मतदान के दौरान दिन भर में अनेक बार माहौल बदला। इससे प्रत्याशियों के पसीने भी छूटते रहे और उनके दिलों की धड़कनें भी बढ़ती रहीं। मुकाबला हर जगह दिलचस्प रहा है। शनिवार को मतगणना के बाद ही पता चलेगा कि किस दिग्गज के सिर जीत का सेहरा होगा और किसको हार का मुंह देखना पड़ेगा। नई दिल्ली सीट पर आप संयोजक अरविंद केजरीवाल, पूर्व सांसद संदीप दीक्षित और प्रवेश वर्मा प्रत्याशी हैं। इस सीट पर झुग्गी बस्ती वाले मतदान केंद्रों पर जहां सुबह से ही भीड़ नजर आई, वहीं ऐसे मतदान केंद्र जहां सर्वेंट क्वार्टर हैं वहां पर मतदाताओं की लगातार आवाजाही बनी रही। दोपहर को पॉश इलाके जैसे हनुमान लेन, लायंस विद्या मंदिर स्कूल कुशक रोड, पंडारा पार्क जैसे बूथों पर लोग ज्यादा संख्या में दिखे। मतदाता अपने वाहनों से पहुंचे थे। साथ ही कुछ लोग पैदल भी पहुंचे थे। परिवार और बच्चों को साथ लेकर भी लोगों ने मतदान किया।

दिन चढ़ने के साथ बढ़ी मतदाताओं की संख्या

कालकाजी में आप से मुख्यमंत्री आतिशी, कांग्रेस से पूर्व विधायक अलका लांबा और भाजपा से पूर्व सांसद रमेश बिधूड़ी मैदान में हैं। इसी तरह जंगपुरा में आप से पूर्व उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, कांग्रेस से पूर्व मेयर फरहाद सूरी और भाजपा से पूर्व विधायक तरविंदर सिंह मारवाह चुनाव लड़ रहे हैं। इन दोनों ही सीटों पर सुबह के समय मतदाताओं की उपस्थिति बहुत ज्यादा नहीं थी, लेकिन दिन चढ़ने के साथ साथ मतदान प्रतिशत में सुधार होता गया। शाम के समय यहां लंबी कतार भी देखने को मिली।

इन सीटों पर मतदाताओं ने किया जमकर मतदान

रोहिणी में भाजपा नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता, आप से प्रदीप मित्तल और कांग्रेस से सुमेश गुप्ता लड़ रहे हैं। यहां मुख्य मुकाबला आप और भाजपा में ही है। ऐसे ही बादली में आप से निवर्तमान विधायक अजेश यादव, कांग्रेस से प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव और भाजपा से दीपक चौधरी मैदान में हैं। इन दोनों ही सीटों पर दिन भर कमोबेश एक जैसा माहौल देखने को मिला। मतदाता आते रहे और जाते रहे। किसी किसी मतदान केंद्र पर छिटपुट कतार भी रही।

दिल्ली से 23 मार्च से आरंभ धर्म पद यात्रा में शामिल होकर श्रद्धापूर्वक 2 जुलाई को नेमि मोक्ष दिवस पर गिरनार जी अवश्य जाना₹ - *पूज्य मुनि श्री 108 वीर सागर जी मुनिराज*

सुषमा रानी

नई दिल्ली। विश्व जैन संगठन युवा प्रकोष्ठ के महामंत्री सागर जैन, सरधना ने बताया कि आज 5 फरवरी को नागपुर में विराजमान संत शिरोमणि पूज्य आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महामुनिराज के परम प्रभावक शिष्य पूज्य मुनि श्री 108 वीर सागर जी मुनिराज को संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय जैन द्वारा दिल्ली से 23 मार्च को आरंभ होकर 2 जुलाई 2025 को 22वे तीर्थंकर नेमिनाथ मोक्षस्थल गिरनार जी पहुंचने वाली धर्म पद यात्रा के लिए मंगल आशीर्वाद और मार्गदर्शन के निवेदन को धर्म सभा में निवेदित किया। पूज्य मुनि श्री 108 वीर सागर जी मुनिराज ने धर्म सभा में विश्व जैन संगठन द्वारा दिल्ली से गिरनार जी की 101 दिवसीय 1500 किमी लंबी श्री नेमि गिरनार धर्म पद यात्रा की निर्विघ्न सफलता के लिए आशीर्वाद देते हुए सभी समाज को एकता का परिचय देते हुए पद यात्रा की अनुमोदना कर पद यात्रा में शामिल होकर 22वे तीर्थंकर नेमिनाथ भगवान के मोक्षस्थल गिरनार जी पर मोक्षकल्याणक दिवस 2 जुलाई को पूर्ण श्रद्धाभाव से जाने की प्रेरित करते हुए मार्गदर्शन दिया।

संगठन की मुख्य कार्यकारिणी के सम्मानित सदस्य अनुज जैन, गौरव जैन (लक्ष्मी नगर, दिल्ली), युवा प्रकोष्ठ के सदस्य संयम जैन और नागपुर से संगठन के सदस्यों व सहयोगियों ने पूज्य मुनि श्री को श्रीफल समर्पित कर आशीर्वाद और मार्गदर्शन प्राप्त किया।

किसी ने मंदिर में की पूजा तो कोई पहुंचा यमुना घाट, सीएम समेत नेताओं ने भगवान पर जताया भरोसा

परिवहन विशेष

बुधवार को दिल्ली के 17 इलाकों की हवा बहुत खराब श्रेणी में दर्ज की गई जबकि समग्र रूप से दिल्ली का एक्यूआई खराब श्रेणी में रहा। मौसम में बदलाव के बावजूद प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ रहा है। अगले दो दिनों तक हवा की गुणवत्ता इसी के आसपास रहने का अनुमान है। वहीं दिल्ली में चुनाव के दिन मौसम ने भी दिल्लीवासियों का साथ दिया।

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव में अपनी किस्मत आजमा रहे नेता भगवान का आशीर्वाद लेकर मतदान केंद्रों पर मतदान करने पहुंचे।

नई दिल्ली विधानसभा सीट से चुनाव लड़ रहे आम आदमी पार्टी के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पत्नी सुनीता संग कनाट प्लेस स्थित हनुमान मंदिर में भगवान के दर्शन किए।

परिवार संग आइटीओ घाट पहुंचे प्रवेश वर्मा

इसी विधानसभा से चुनाव लड़ रहे भाजपा नेता प्रवेश वर्मा ने परिवार संग आइटीओ घाट पर यमुना नदी की पूजा कर आशीर्वाद लिया और पुजारियों संग विधिवत पूजन कर संकल्प लिया कि यमुना को गंदगी से मुक्त करेंगे। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ वादा नहीं, आस्था और कर्तव्य का संगम है। यमुना फिर से स्वच्छ और निर्मल बनेगी, यही हमारा प्रण है।

कालकाजी मंदिर पहुंचे मनीष सिसोदिया

वहीं, जंगपुरा से चुनाव लड़ रहे आम आदमी पार्टी के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कालकाजी मंदिर पहुंचकर पूजा अर्चना की। उन्होंने कहा कि दिल्ली की खुशहाली, शांति और समृद्धि के लिए कालका माता के चरणों में शीश नवाया।

उन्होंने कहा कि जनता के हक की नीतियों ने आज हर घर में रोशनी की, फ्री बिजली-पानी से राहत दी, बच्चों को बेहतर स्कूल, मरीजों को बेहतरीन इलाज और शिक्षा क्रांति से लाखों भविष्य को नई उड़ान दी। यही सेवा का संकल्प है, यही मेरी राजनीति का धर्म है।

कालकाजी मंदिर में पूजा की आतिशी

कालकाजी विधानसभा से चुनाव लड़ रही मुख्यमंत्री आतिशी ने बुधवार सुबह कालकाजी मंदिर में पूजा की। उन्होंने कहा कि इस धर्मयुद्ध में दिल्ली में एक बार फिर अच्छाई और काम की जीत हो और गुंडागर्दी का विनाश हो। ग्रेटर कैलाश से चुनाव लड़ रहे आप नेता

इस मंदिर में पहुंचे सौरभ भारद्वाज

सौरभ भारद्वाज ने भी कालकाजी मंदिर पहुंचकर कालका माता का दर्शन कर के

आशीर्वाद लिया। उन्होंने कहा कि कालका देवी हमारी कुलदेवी हैं।

मालवीय नगर विधानसभा से चुनाव लड़ रहे भाजपा नेता सतीश उपाध्याय ने ग्रीन पार्क स्थित मंदिर पहुंच कर आशीर्वाद लिया और फिर वो मतदान करने पहुंचे।

शाम 6 बजे तक 57.89 फीसदी मतदान

उल्लेखनीय है कि दिल्ली की 70 सदस्यीय विधानसभा के लिए मतदान बुधवार को शांतिपूर्ण तरीके से समाप्त हो गया। शाम 6 बजे तक 57.89 फीसदी मतदान हुआ। सत्तारूढ़ आप लगातार चौथी जीत की उम्मीद कर रही है जबकि भाजपा 1998 के बाद सत्ता में वापसी के लिए कड़ी टक्कर दे रही है।

धीमी शुरुआत के बाद मतदान प्रतिशत में वृद्धि जारी रही, इस बीच सीलमपुर के एक मतदान केंद्र पर थोड़ी देर के हंगामे के बाद आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के आरोप लगे, जहां एक फर्जी मतदाता को किसी और की पहचान पर वोट डालते हुए पकड़ा गया।

शाहबाद डेरी की झुग्गियों में लगी भीषण आग, 80 झुग्गियां जलकर राख; कई परिवार बेघर

बाहरी दिल्ली के शाहबाद डेरी इलाके में बुधवार शाम को लगी भीषण आग ने 80 झुग्गियों को राख कर दिया। दमकल की 10 गाड़ियों ने दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। पुलिस आग लगने के कारणों का पता लगा रही है। करीब 80 परिवार बेघर हो गए हैं।

दिल्ली। शाहबाद डेरी इलाके में बुधवार शाम अचानक एक झुग्गी में आग लगते ही आसपास की करीब 80 झुग्गियों में आग फैल गई। लोगों ने इसकी सूचना तुरंत दमकल व पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची दमकल की 10 गाड़ियों ने करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। लेकिन सभी झुग्गियां जलकर राख हो गई। पुलिस अधिकारी के मुताबिक इस हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। पुलिस आग लगने के कारणों का पता लगा रही है।

शाहबाद डेरी इलाके के रोहिणी सेक्टर-27 के पास एक ही साथ करीब 100 से अधिक झुग्गियां हैं। बुधवार शाम एक झुग्गी में अचानक आग लग गई। लोगों ने खुद ही आग पर काबू पाने की कोशिश की, लेकिन आग तेजी से फैली और आस पास की झुग्गियों को अपने चपेट में लेने लगी। उसके बाद वहां अफरा-तफरी मच गई और झुग्गियों में रहने वाले सभी लोग सुरक्षित स्थान की ओर भागे। किसी ने घटना की जानकारी दमकल विभाग को दी।

दमकल की 10 गाड़ियां मौके पर भेजी गई

दमकल विभाग के मुताबिक बुधवार शाम 4.52 बजे शाहबाद डेरी स्थित झुग्गियों में आग लगने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही आस पास के फायर स्टेशनों से दमकल की दस गाड़ियां मौके पर भेजी गई। दमकल विभाग के अनुसार घटना में 80 झुग्गियां जली है। यहां रहने वाले लोगों ने बताया कि इससे पहले भी यहां कई बार झुग्गियों में आग लग चुकी है।

करीब 80 परिवार हुए बेघर

आग लगने के बाद करीब 80 परिवार बेघर हो गए हैं। उनके सामान के साथ-साथ नकदी व सोने-चांदी के आभूषण बी जल गए। इस आग से यहां रहने वाले लोगों को भारी नकुसान हुआ है। आग कैसे लगी, इसकी जानकारी अभी किसी के पास नहीं है। फिलहाल पुलिस उन झुग्गी वाले से पूछताछ कर रही है, जिनके झुग्गी में सबसे पहले आग लगी है।

इस ऐप से दिल्ली पुलिस को मिली मदद, चुनाव को संपन्न कराने में नहीं हुई परेशानी

दिल्ली पुलिस के प्रस्थान ऐप ने बाहरी-उत्तरी जिले में तैनात पुलिसकर्मियों और अन्य कर्मचारियों के लिए पोलिंग बूथ तक पहुंचना आसान बना दिया है। इस ऐप को ओपन करना भी काफी आसान था। इस ऐप में मतदान केंद्र पुलिस स्टेशन पुलिस जिले का विवरण और कर्मचारी का पूरा विवरण मिलता है। इस ऐप का इस्तेमाल आने वाले चुनावों में भी किया जाएगा।

नई दिल्ली। इस चुनाव बाहरी-उत्तरी जिला में तैनात किए गए पुलिस के जवान सहित अन्य कर्मचारियों को पोलिंग बूथों तक पहुंचना काफी आसान रहा। ऐसा दिल्ली पुलिस के 'प्रस्थान ऐप' से संभव हो सका है। बाहरी-उत्तरी जिला पुलिस ने खुद ही इस ऐप को विकसित किया है।

बाहरी-उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त निधिन वाल्सन ने कहा कि हर चुनाव में पुलिस कर्मचारियों तक पोलिंग बूथ पर पहुंचने के साथ ही वहां, किसको रिपोर्ट करना है। इन सभी जरूरी जानकारी के साथ इस ऐप को बनाया गया है। इस चुनाव में इसका इस्तेमाल काफी मददगार साबित हुआ है।

पहले ड्यूटी प्वाइंट खोजने में होती थी कठिनाई

पुलिस उपायुक्त ने बताया कि पहले के चुनावों के दौरान तैनात होने वाले पुलिस कर्मियों, होमगार्ड और सीआरपीएफ कर्मियों सहित कई

कर्मचारियों को अपने ड्यूटी प्वाइंट खोजने में काफी कठिनाई होती थी। उन्होंने बताया कि इस प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए जिले के अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त बी भारत रेड्डी की देखरेख में इस मोबाइल ऐप विकसित किया गया है।

कुछ इस तरह पुलिसकर्मियों को हुई आसानी

पुलिस अधिकारी ने बताया कि चुनाव में ड्यूटी पर तैनात सभी कर्मियों ने अपने मोबाइल में इस ऐप को डाउनलोड किया। फिर पुलिसकर्मी अपना मोबाइल नंबर डालते ही, अपनी तैनाती वाली जगह को आसानी से देख सकता है। इसमें मतदान केंद्र, उसकी संख्या, पुलिस स्टेशन और पुलिस जिले का विवरण और उनके मोबाइल नंबर के साथ कर्मचारी का पूरा विवरण मिलता है।

इस ऐप का इस्तेमाल आनेवाले चुनाव के लिए भी

वहीं, पुलिस अधिकारी ने बताया कि इस ऐप का इस्तेमाल केवल इस चुनाव के लिए नहीं है। बल्कि आने वाले हर चुनाव में इस ऐप को नए सिरे से अपडेट कर इसका इस्तेमाल किया जा सकेगा। इस बार इस ऐप से न केवल पुलिसकर्मियों का समय बचा, बल्कि आसानी से अपनी मंजिल तक पहुंच सके। आने वाले दिनों में इस ऐप को और नए फीचर के साथ अपडेट किया जाएगा।

दिल्ली में प्रदूषण का कहर जारी, 17 इलाकों में AQI बहुत खराब श्रेणी में

परिवहन विशेष

बुधवार को दिल्ली के 17 इलाकों की हवा बहुत खराब श्रेणी में दर्ज की गई जबकि समग्र रूप से दिल्ली का एक्यूआई खराब श्रेणी में रहा। मौसम में बदलाव के बावजूद प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ रहा है। अगले दो दिनों तक हवा की गुणवत्ता इसी के आसपास रहने का अनुमान है। वहीं दिल्ली में चुनाव के दिन मौसम ने भी दिल्लीवासियों का साथ दिया।

नई दिल्ली। मौसम में लगातार हो रहे बदलाव के बावजूद दिल्ली के लोगों को प्रदूषित हवा से राहत मिलती नहीं दिख रही है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) द्वारा जारी एयर क्वालिटी बुलेटिन के मुताबिक बुधवार को दिल्ली के 17 इलाकों का एक्यूआई 300 के पार यानी 'बहुत खराब' श्रेणी में रहा। हालांकि समग्र रूप से दिल्ली का एक्यूआई 300 से नीचे यानी 'खराब' श्रेणी में दर्ज हुआ। वायु गुणवत्ता पूर्व चेतावनी प्रणाली के

मुताबिक, अगले दो दिनों के बीच हवा की गुणवत्ता का स्तर इसी के आसपास रहेगा।

मौसम के अलग-अलग कारकों के चलते दिल्ली की हवा में प्रदूषण का स्तर लगातार ही बढ़ रहा है। सीपीसीबी के मुताबिक, बुधवार को दिल्ली का एक्यूआई 284 के अंक पर रहा। इस स्तर की हवा को 'खराब' श्रेणी में रखा जाता है। एक दिन पहले यह 264 था। यानी 24 घंटे के भीतर सूचकांक में 20 अंकों की बढ़ोतरी हुई है।

अगले दो दिनों तक प्रदूषण का स्तर खराब श्रेणी में

वहीं, चिंता की बात यह है कि दिल्ली के 17 इलाकों का सूचकांक 300 से ऊपर यानी 'बहुत खराब' श्रेणी में बना हुआ है। इसमें सीरी फोर्ट, मुंडका, द्वारका, जहांगीरपुरी, रोहिणी जैसे तमाम रिहायशी इलाके शामिल हैं। अगले दो दिनों के भीतर ज्यादातर समय हवा की रफ्तार दस किमी प्रति घंटे से कम रहने की संभावना है। इसके चलते प्रदूषक कणों का बिखराव धीमा रहेगा और प्रदूषण का स्तर भी खराब श्रेणी में बना रहेगा।

मौसम ने भी दिया दिल्लीवासियों का साथ

लोकतंत्र के महापर्व पर बुधवार को मौसम ने भी दिल्ली वासियों का साथ दिया। आसमान साफ रहा और धूप भी खिली रही। तापमान सामान्य के आसपास ही दर्ज हुआ जिससे न तो अधिक सर्दी महसूस हुई और न ही अधिक गर्मी। बुधवार को अधिकतम तापमान सामान्य से 0.4 डिग्री अधिक 23.7 डिग्री सेल्सियस जबकि न्यूनतम तापमान सामान्य से 1.6 डिग्री अधिक 11.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

सुबह हल्का कोहरा रहने की संभावना

हवा में नमी का स्तर 93 से 47 प्रतिशत रहा। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि बृहस्पतिवार की सुबह हल्का कोहरा रहने की संभावना है। दिन में आसमान साफ रहेगा। अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 25 और नौ डिग्री रह सकता है। मौसम विज्ञानियों के अनुसार आने वाले दिनों में अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान में इजाफा होता जाएगा।

बेटियों की शादी के लिए योगी सरकार दे रही पैसा, शुरू की ये योजना; जानें रजिस्ट्रेशन का पूरा तरीका

उत्तर प्रदेश सरकार ने अनुसूचित जाति सामान्य वर्ग और पिछड़ा वर्ग की कन्याओं के विवाह के लिए शादी अनुदान योजना शुरू की है। इस योजना के तहत पात्र आवेदकों को 20000 रुपये की अनुदान राशि प्रदान की जाती है। आवेदक शादी से 90 दिन पहले या 90 दिन बाद तक योजना का लाभ लेने के लिए आवेदन कर सकते हैं। इच्छुक व्यक्ति पोर्टल पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

ग्रेटर नोएडा। शासन ने अनुसूचित जाति व सामान्य वर्ग की कन्याओं के विवाह के लिए शादी अनुदान योजना शुरू की है। आवेदक शादी से 90 दिन पहले या 90 दिन बाद तक योजना का लाभ लेने के लिए आवेदन कर सकते हैं।

जिला समाज कल्याण अधिकारी सतीश कुमार ने बताया अनुसूचित जाति व सामान्य वर्ग की कन्याओं के विवाह के लिए शासन ने शादी अनुदान योजना शुरू की है। इच्छुक आवेदक shadianudan.upsdc.gov.in पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं। बताया योजना में सिर्फ आधार प्रमाणीकरण के बाद आवेदन की सुविधा है। योजना के तहत पात्र आवेदक के बैंक खाते में 20 हजार रुपये ट्रांसफर किए जाते हैं।

शादी के 90 दिन पहले या 90 दिन बाद भी कर सकते हैं आवेदन

बताया कि योजना (Marriage Grant Scheme) में आवेदक अपनी दो बेटियों के लिए अनुदानराशि के लिए आवेदन कर सकते हैं। योजना का लाभ लेने के लिए शादी के 90 दिन पहले या 90 दिन बाद भी आवेदन किया जा सकता है। बताया योजना का लाभ लेने के लिए उत्तर प्रदेश का निवासी होना अनिवार्य है।

ग्रामीण क्षेत्र के आवेदक की वार्षिक आय 46080 और शहरी में 56460 से कम होनी चाहिए। आवेदक वर व कन्या का आधार कार्ड, शैक्षिक प्रमाण पत्र लगाने होंगे।

यहां पर जमा होंगे फॉर्म

बताया विधवा महिला की पुत्री, दिव्यांगअभिभावक की पुत्री, जो स्वयं दिव्यांग हो, को प्राथमिकता दी जाएगी। आवेदन फार्म तहसील व विकास खंड कार्यालयों में जमा कर सकते हैं।

इसके अलावा बता दें उत्तर प्रदेश सरकार सामूहिक विवाह योजना के तहत आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की कन्याओं का विवाह भी धूमधाम से कराती है। । सरकार विवाह का पूरा खर्च उठाते हुए वधु को पैसे और गृहस्थी के जरूरी समान उपलब्ध कराती है।

कैसे करें आवेदन

इस योजना के अंतर्गत लाभ पाने के लिए

वेबसाइट https://cmsvy.upsdc.gov.in पर आनलाइन आवेदन कर सकते हैं। लाभ पाने के लिए लाभार्थी आधार डेमोग्राफिक प्रमाणीकरण कर आवेदन कर सकते हैं। आवेदक अपना आवेदन पत्र जन सुविधा केंद्र, जिला समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय, साइबर कैफे, स्वयं से या विभाग की वेबसाइट से कर सकते हैं। आवेदक द्वारा आवेदन विवाह की निर्धारित तिथि के एक सप्ताह पूर्व तक करना होगा। आवेदन पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर स्वीकार होगा।

नोएडा के चार स्कूलों को मिली बम की धमकी, सूचना पर दौड़ी पुलिस

परिवहन विशेष न्यूज

नोएडा के कई स्कूलों को बुधवार को बम की धमकियां मिली। पुलिस की कई टीमें मौके पर पहुंची। पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी गई और स्कूल को खाली करा दिया गया। एहतियात के तौर पर सभी छात्रों को घर भेज दिया गया। सेक्टर 126 स्थित स्टेप बाय स्टेप स्कूल ज्ञानश्री स्कूल द हेरिटेज स्कूल और मयूर स्कूल को बम की धमकी का मेल मिला है।

नोएडा। सेक्टर 126 के चार स्कूलों को बुधवार सुबह 8:30 बजे धमकी भरा ईमेल मिलने के बाद प्रबंधन के होश उड़ गए। इनमें ज्ञानश्री स्कूल, मयूर पब्लिक स्कूल, द हेरिटेज और स्टेप बाय स्टेप स्कूल हैं। प्रबंधन की सूचना पर पुलिस अधिकारियों ने बम निरोधक दस्ता, अग्निशमन कर्मी, डॉग स्क्वाड के साथ जांच शुरू की। वहीं, अभिभावक भी सूचना मिलते ही अभिभावक भी स्कूल के बाहर पहुंच गए। अधिकारियों ने दो घंटे की जांच के बाद स्थिति स्पष्ट की।

ईमेल में क्या लिखा है?

नोएडा जोन के एडीसीपी सुमित कुमार शुक्ला ने बताया कि सुबह 8:30 बजे करीब चारों स्कूल को को ईमेल मिली, जिसमें बच्चों को मारकर बदला लेने और अन्य तरह की धमकी भरी बात लिखी थी। इसमें उर्दू के शब्द में बच्चों को मारकर बदला लेने की बात थी।

धमकी की सूचना पर अभिभावकों के उड़ गए होश

स्टेप बाय स्टेप स्कूल के प्रबंधन ने ईमेल देखकर तुरंत पुलिस को सूचना दे दी जबकि द हेरिटेज स्कूल प्रबंधन की तरफ से अभिभावकों को सूचना दी गई। इतना सुनकर अभिभावकों के होश उड़ गए। सभी अपने बच्चों को लेने के लिए स्कूल पहुंच गए।

स्कूलों के बाहर एकत्रित अभिभावक बच्चों को घर ले जाने की मांग करने लगे। प्रबंधन और पुलिस ने उन्हें किसी तरह समझाकर शांत किया। फिर बच्चों को उनके साथ भेज दिया। एडीसीपी का कहना है कि करीब 2 घंटे की जांच में चारों स्कूलों के अंदर कोई संदेश वस्तु नहीं मिली। उसके बाद ईमेल भेजने वाले की पहचान के लिए जांच शुरू कर दी है। आईटी एक्सपर्ट पर साइबर टीम हर एंगल पर ईमेल भेजने वाले का पता करने में जुटी हैं।

गाजियाबाद के स्कूल को भी मिली थी धमकी

उल्लेखनीय है कि इससे पहले, सोमवार सुबह गाजियाबाद के शालीमार गार्डन एक्सटेंशन दो स्थित सेंटमेरी क्रिश्चियन स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी भरा ईमेल मिली। स्कूल के क्लर्क ने पहुंचकर मेल खोला तो इसकी जानकारी पुलिस को दी गई। स्कूल पहुंचने वाले बच्चों को मैदान में ही रोक दिया गया।

बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वार्ड ने पूरा स्कूल खंगाला, लेकिन कोई विस्फोटक सामग्री और संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। इसके बाद बच्चों को सुबह करीब 11 बजे कक्षाओं में भेजा गया। स्कूल की ओर से अज्ञात के खिलाफ शालीमार गार्डन थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

ट्रैफिक सिग्नल पर खड़ी थार में अचानक आग, बाल-बाल बची दो लोगों की जान

नोएडा के सेक्टर-57 चौकी क्षेत्र में ट्रैफिक सिग्नल पर खड़ी काले रंग की थार में मंगलवार रात करीब आठ बजे अचानक आग लग गई। इससे पहले धुआं उठते ही चालक और उसके साथी ने बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। राहगीरों ने आग लगने की सूचना दमकल विभाग को दी। दमकल कर्मियों ने दमकल की गाड़ी की मदद से आग पर काबू पाया।

नोएडा। सेक्टर-57 चौकी क्षेत्र में ट्रैफिक सिग्नल पर खड़ी काले रंग की थार में मंगलवार रात करीब आठ बजे अचानक आग लग गई। इससे पहले धुआं उठते ही चालक और उसके साथी ने बाहर निकलकर अपनी जान बचाई।

राहगीरों ने आग लगने की सूचना दमकल विभाग को दी। दमकल कर्मियों ने दमकल की गाड़ी की मदद से आग पर काबू पाया।

सेक्टर-58 के बिशनपुरा के डी ब्लॉक में हरेंद्र अपने परिवार के साथ रहते हैं। उन्होंने बताया कि शाम करीब सात बजे उनका छोटा भाई अनिल और केशव घर से सेक्टर-12-22 किसी काम से जा रहे थे।

अचानक बोनट से धुआं निकलने लगा

सेक्टर-57 में ट्रैफिक सिग्नल पर खड़े होने के दौरान अचानक बोनट से धुआं निकलने लगा। चालक अनिल ने बाहर आकर देखा तो चंद सेकेंड में ही तेज धुएं के साथ आग फैल गई।

अनिल ने किसी तरह केशव को भी बाहर निकाला। इसके बाद पीछे की डिग्गी का शीशा खोलकर सामान भी बाहर निकाला। गनीमत रही कि समय रहते दोनों को बचा लिया गया।

सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां पहुंची

मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रदीप कुमार चौबे का कहना है कि सूचना मिलने पर सेक्टर-58 दमकल केंद्र से एक गाड़ी तुरंत आग बुझाने के लिए भेजी गई थी। टीम ने 15 मिनट में आग पर काबू पा लिया। इसमें किसी तरह का जानी नुकसान नहीं हुआ।

धमकी भरा ई-मेल

वहीं, सेक्टर 126 के चार स्कूलों के प्रबंधन में बुधवार सुबह साढ़े आठ बजे धमकी भरा ई-मेल आने से हड़कंप मच गया। इनमें ज्ञानश्री स्कूल, मयूर पब्लिक स्कूल, द हेरिटेज और स्टेप बाई स्टेप स्कूल शामिल हैं।

प्रबंधन की सूचना पर पुलिस अधिकारियों ने बम निरोधक दस्ता, फायर ब्रिगेड, डॉग स्क्वायड के साथ जांच शुरू कर दी। वहीं, सूचना मिलते ही अभिभावक भी स्कूल के बाहर पहुंच गए। अधिकारियों ने दो घंटे की जांच के बाद स्थिति स्पष्ट की।

प्रबंधन ने तुरंत पुलिस को सूचना दी

ईमेल देखने के बाद स्टेप बाय स्टेप स्कूल के प्रबंधन ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जबकि हेरिटेज स्कूल के प्रबंधन ने अभिभावकों को इसकी सूचना दी। यह सुनकर अभिभावक हैरान रह गए। सभी अपने बच्चों को लेने स्कूल पहुंच गए।

स्कूल के बाहर जमा अभिभावक अपने बच्चों को घर ले जाने की मांग करने लगे। प्रबंधन और पुलिस ने किसी तरह उन्हें शांत कराया। फिर बच्चों को उनके साथ भेज दिया गया।

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के प्रथम समाधि स्मृति दिवस पर विशेष आलेख -करुणा के सागर आचार्य श्री

स्वतंत्र लेखक हरिहर सिंह चौहान इन्दौर

'आकाश में जो चमचमा हुए तारे हैं उसमें ध्रुव तारा एक ही है उसी प्रकार जो संयम परिग्रह त्याग की जड़ों को मजबूती से थमे हुए थे जिन्होंने लाखों करोड़ों महावीर के अनुयायियों को धर्म की देशना की और ले जाने वाले सच्चे पवित्र संयमी सारथी देह त्यागी तपस्वी और दिगम्बर की चर्या धारण कर जन जन के संत आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज महाप्रयाण के एक वर्ष पूर्ण होने पर आज भी हम सभी की आंखें नम्र है । भारत की 21वीं सदी के महान व पूजनीय साधक आज के ही दिन धरती से स्वर्ग के मोक्ष धामी पंथ की और शरीर को त्याग कर चले गए। आप एक ऐसे दिगंबर जैन संत थे जिन्होंने एक वर्ष पहले समता के पंथ पर समाधिस्थ हो गये। उन्होंने मृत्यु को महामहोत्सव के रुप में मनाया तभी तो गुरु देव जो त्रिकालदर्शी थे जिन्होंने अपनी अंतरात्मा से जान लिया था , तभी तो अस्वस्थ होते हुए भी वह भक्तों को दर्शन देते रहे खुद के बल पर खड़े होकर हाथों को उठा कर आशीर्वाद देते थे । आचार्य श्री जी ने जैन समाज के तीर्थंकरों की परम्परा का निर्वहन करते हुए गुरुओं की कठिन तपस्या से पंच महाव्रतो सत्य अहिंसा अपरिग्रह अचोर्य ब्रह्मचर्य की साधना में लीन होकर सजगता के साथ समधी संलेखना के तीन दिन उपवास रहते हुए महामंत्र णमोकार का जाप करते करते अपनी देह त्याग दी थी । यह तो पुण्य है भारत भूमि का जो ऐसे महान साधक की कर्मभूमि रही। आचार्य श्री विद्यासागर जी का सफर विद्याधर से शुरू हुआ उन्होंने दक्षिण के कर्नाटक राज्य के बेलगाम जिले के सदलगा गांव में 10 अक्टूबर 1946 को शरद पूर्णिमा के

दिन जन्म लिया। विद्याधर से विधासागर की अध्यात्मिक यात्रा वर्धमान से वर्तमान की थी । आप ने अपने

महाकाव्य मूक माटी की रचना स्वयं की थी। आचार्य भगवंत को 11 फरवरी 2024 को गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड ने उन्हें ब्रह्मांड के देवता के रूप में सम्मानित किया गया । इस मृत्यु महोत्सव यानि सल्लेखना की कड़ी परीक्षा देते हुए 77 वर्ष की आयु में छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले में स्थित डोंगरगढ़ के चंद्रगिरी तीर्थ पर सन् 2024 को देह त्याग कर चले गए। विश्व कल्याण के मूख्य विचारों से जीव जन्तु पशु पक्षियों के प्रति समर्पण भाव रखने वाले आचार्य श्री का हमेशा से एक लक्ष्य रहा जो राष्ट्र की सोच में वह गरीबों के दुख दर्द के लिए भी उनका मन हमेशा से चेतन रहता था और विचारों में वह कहते थे कि समाज के लोगों को वह निर्धन व्यक्तियो की मदद करते रहना चाहिए । मानव कल्याण व मानवीय मूल्यों की रक्षा के लिए जैल में बंद कैदियों के व्यक्तित्व में बदलाव आये और उनमें नाकारात्मक सोच नहीं रहे उसके लिए उन्हें एक मौका जरूर देना चाहिए उन्हें जेल में रोजगार मेहनत करना चाहिए । जिससे गलत विचार उनके मन में नहीं आये । वहीं देश के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई जी हो या वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी सभी से वहां कहते थे कि गोवंश का रक्षा करें । भारत को भारत रहनें दें इंडिया मत कहें और हिन्दी राष्ट्र व हिन्दी भाषा को आगे बढ़ने के लिए आगे आए। इन सभी विषयों पर वह खुद भी हमेशा से प्रयासरत रहे। हथकरघा उद्योग में स्वलंबन बनने के लिए भी आगे रहे , गोशाला में गायों की देखभाल अच्छे से होए और आज की पीढ़ी धर्म , समाज व राष्ट्र के साथ साथ हिन्दी के करीब रहे। तभी भारत विश्व गुरु बनेगा ऐसे विचारों के लेकर समाज की बुराईयों को दूर करने हेतु आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज हमेशा ही जनमानस के लिए पुजनीय रहें । पूरे भारत में जहां जहां उनके चरण पड़े वहां स्थान तीर्थ बन गए , आप सभी को जानकर आश्चर्य होगा की भारत के दिगंबर जैन संतों के संघ का सबसे बड़ा संघ आचार्य विधासागर जी का है जिसमें अब तक 500 से ज्यादा मुनि आर्यिका ऐलक क्षुल्लक दीक्षा दी जा चुकी है । महान योगी साधक चिंतक विचारक लेखक आचार्य श्री विद्यासागर जी 8 भाषाओं ज्ञान था कन्नड भाषी होते हुए हिन्दी, संस्कृत, प्राकृत, बांग्ला मराठी, अंग्रेजी आदि अन्य भारतीय भाषाओं में आप को महारत हासिल थी पर आप हिन्दी के प्रति गौरांवित रहे और बुंदेलखंड व मध्यप्रदेश जैसे राज्यों में ज्यादा समय व्यतीत किया उन्हें गांव बहुत अच्छे लगते थे , शहरों की इस भागदौड़ भरे रास्तों से सुखी समृद्ध गांव जहां स्नेह प्रेम अपनापन मिलता है वहीं उनको प्रिय रहा । उन्होंने हमेशा समाजिक राजनीतिक धार्मिक गतिविधियों में सकारात्मक बदलाव लाने हेतु प्रयास किए। ऐसे जनमानस के आराध्य भूमि के प्रति समर्पित संत आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के प्रथम समाधि स्मृति दिवस पर हम उन्हें शत शत नमन करते हैं। गुरु की महिमा अपरम्पार होती वह वटवृक्ष है उस पेड़ के हम टहनिया पत्ते फल फूल जरूर है पर उनकी दिव्य दृष्टि त्याग तपस्या से जड़ रुपी वृक्ष मे उन्होंने ही हम सभी को थमे रखा है । इस जीवन रुपी घोर अन्धकार मे डर भय हो मन विचलित हो ऐसे समय जब कोई सहारा नहीं देता तो ऐसे गुरु का साथ वह सच्चे मन से स्मरण मात्र से ही हर दुख तकलीफ दूर हो जाती है । आचार्य श्री का दिव्य स्वरूप संकट मोचन के रूप मे हर भक्तों के साथ हमेशा रहेगा। जो सच्चे मन से उनके प्रति निर्मल भाव रखते है ऐसे संत शिरोमणि गुरुवर विधासागर जी हमे भवसागर से पार लगा देते है वह हम भक्तों के लिए करुणा के सागर रहे।

उनकी मंद मंद मुस्कान हमें सदियों तक हम गुरु भक्तों के बीच रहे ऐसे सम्यक दृष्टि के युग प्रवर्तका आचार्य श्री विद्यासागर जी के

आओ ताली बजाएं-स्वस्थ्यता की ओर कदम बढ़ाए

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - भारत के हजारों वर्षों के इतिहास का अगर हम अध्ययन करें तो हमें हर सामायिक अंतर में हमें अनमोल गाथाएं महसूस करने को मिलेगी, कि क्यों भारत को सोने की चिड़िया का दर्जा दिया जाता था, क्यों हजारों हमारे पूर्वजों, बड़े बुजुर्गों की अनमोल संस्कृति सभ्यता वैश्विक स्तरपर सटीक लुभावने, आकर्षित करने वाली हैं जिसपर बुरी नजरें अंग्रेजों की पड़ी और इस सोने की चिड़िया को गुलाम बनाकर अनमोल संसाधनों का दोहन किया। वैसे तो गाथाओं का कोई अंत नहीं परंतु आज हम भारत की ताली गाथा पर चर्चा इस आर्टिकल के माध्यम से करेंगे जिसके उद्धत फायदे हैं, मानवीय ऊर्जा और स्पंदन को उठाती है। जो परंपरा पुरातन काल से ही चली आ रही है शायद ऋषि-मुनियों को पता था कि लोगों के पास व्यायाम का भी समय नहीं बचेगा इसलिए ताली संस्कृति शुरू की आओ ताली बजाएं!!

साथियों बात अगर हम ताली को परिभाषित करने की करें तो, ताली उस ध्वनि को कहते हैं जो दो सपाट सतहों के आपस में टकराने से उत्पन्न होती है, जैसे मनुष्यों या जानवरों के अंगों में, मनुष्य अपने हाथ की हथेलियों द्वारा ताली बजाते हैं, प्रायः प्रशंसा या अनुमोदन (देखें सराहना) की अभिव्यक्ति में निरंतर घनघनाहट साथ, लेकिन कभी-कभी ताली लय के साथ भी बजायी जाती है जिससे कि वह संगीत और नृत्य के स्वरों से मेल करे। सील उन कुछ जंतुओं में से हैं जो ताली बजा सकते हैं।

साथियों बात अगर हम ताली बजाने के वैज्ञानिक दृष्टिकोण की करें तो, ताली बजाना एक व्यायाम ही है, ताली बजाने से हमारे शरीर में खिंचवा होता है, शरीर की मांसपेशियां एक्टिव हो जाती है। जोर – जारे से ताली बजाने से कुछ ही देर में एहसास होगा कि आपको पसीना आना शुरू हो गया और पूरे शरीर में एक उत्तेजना पैदा हो गई है। बस यही है व्यायाम। हमारी हथेलियों में शरीर के अन्य अंगों की नसों के बिंदु होते हैं, जिन्हें एक्यूप्रेशर बिन्दु कहते हैं। ताली बजाने से इन बिंदुओं पर जोर पड़ता है और संबंधित अंगों में रक्त संचार बढ़ता है, जिससे वे बेहतर काम करने लगते हैं। एक्युप्रेशर पद्धति में ताली बजाना सबसे ज्यादा लाभदायक माना गया है। ताली बजाने की परंपरा पुरातन काल से चली आ रही है। आज मानवीय जीव पास है व्यायाम का भी समय नहीं है इसी बात को ध्यान में रखते हुए उन्होंने मंदिरों में ताली बजाने की परंपरा शुरू की ताकि कुछ देर ही सही पर हम व्यायाम कर सकें।

साथियों बात अगर हम ताली बजाने को निराशा से उबारने की थेरेपी की करें तो, यह निराशा की स्थिति से उबरने के लिए असरदार थेरेपी है। कोई व्यक्ति पाचन की समस्या से गुजर रहा हो तो उसे क्लैपिंग थेरेपी अपनानी चाहिए। हृदय और फेफड़ों से जुड़ी समस्याओं, अस्थमा के इलाज में यह थेरेपी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह गर्दन के दर्द से लेकर पीठ और जोड़ों के दर्द में भी आराम पहुंचाती है। बच्चे अगर इस थेरेपी को अपनाएं तो इससे उनकी काम करने की क्षमता और बौद्धिक विकास होता है। इससे दिमाग तेज होने में मदद मिलती है।

साथियों बात अगर हम ताली बजाने के मौकों की करें तो, खुशी का मौका का हो, किसी की तारीफ करनी हो, कोई जीत का विषय हो या किसी को प्रोत्साहन देना हो, इसके लिए लोग ताली बजाते हैं। ताली बजाना भले ही खुशी जाहिर करने का एक तरीका हो, लेकिन यह तरीका सेहत के लिए भी बड़े काम का है। रोजाना कुछ मिनट के लिए ताली बजाने से कई तरह से स्वास्थ्य को बेहतर करने में मदद मिलती है। इसे क्लैपिंग थैरेपी भी कह सकते हैं। यह थैरेपी हजारों सालों से चलती आ रही है। भारत में भजन, कीर्तन, मंत्रोपचार और आरती के समय ताली बजाने की प्रथा है। इससे मिलने वाले शारीरिक लाभ भी कम नहीं हैं। इसका वैज्ञानिक कारण भी है, क्योंकि विज्ञान के मुताबिक मानव

शरीर के हाथों में 29 दबाव केन्द्र यानी एक्युप्रेशर पॉइन्ट्स होते हैं।

साथियों बात अगर हम ताली बजाने के प्रेशर प्वाइंट रूपी फायदों की करें तो, (1) ताली बजाने से दिल और फेफड़ों से जुड़ी हुई अस्थमा जैसी समस्याओं में मदद मिलती है (2) पीठ, गर्दन और जोड़ों के दर्द से आराम मिलता है।(3) ताली बजाकर गठिया रोग से भी बचा जा सकता है।(4) लो ब्लड प्रेशर के मरीज़ भी इस थेरेपी की मदद ले सकते हैं।(5) पाचनतंत्र की समस्याओं में भी क्लैपिंग थेरेपी का इस्तेमाल फायदेमंद साबित होता है। इस तेल से वेट लॉस में होगा फायदा!(6) क्लैपिंग थेरेपी से बच्चों की कार्यक्षमता का विकास होता है और उन्हें पढ़ाई में भी सुधार होता है । जो बच्चे रोज़ाना ताली बजाते हैं उन्हें लिखने में भी कम परेशानी होती है और उनसे स्पेलिंग से जुड़ी ग़लतियां भी कम होती हैं। (7) ताली बजाने से बच्चों का दिमाग तेज़ होता है। (8) शरीर की रोगप्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने और बीमारियों से बचने के लिए भी क्लैपिंग करनी चाहिए।(9) रोज़ाना आधे घंटे ताली बजाने से मधुमेह, गठिया, उच्च रक्तचाप, डिप्रेशन, पुराने सिरदर्द, जुकाम, अनिद्रा, बालों का झड़ना और आंख की समस्याओं से पीड़ित लोगों को मदद मिलती है। (10) घर और ऑफिस में हमेशा एयर कंडीशन में रहने वाले लोग जिन्हें बिल्कुल पसीना नहीं निकलता उन्हें क्लैपिंग थेरेपी का अभ्यास करना चाहिए। क्योंकि यह शरीर में रक्त के प्रवाह को सुचारु बनाकर उसे पूरी तरह से शुद्ध करता है।

साथियों बात अगर हम ताली बजाने के अन्य गाथाओं की करें तो, संगीत के विद्यार्थी भिन्न-भिन्न स्वरों के महत्व को समझने में सहायता के लिए और नयी रचनाओं की लय से सामंजस्य बैठाने के लिए प्रायः लिखी हुई धुन की लय को ताली द्वारा बजाते हैं। 60 सेकेण्ड में सबसे अधिक तालियां बजाने का विश्व रिकॉर्ड, 806 तालियों का है, जो संयुक्त राज्य अमेरिका के टिम ऐह्लस्ट्रौम के पास है। पूरी तरह ताली द्वारा निष्पादित शास्त्रीय कृतियां, शास्त्रीय कृतियां जिनमें ताली बजाना शामिल है। कोरोना वायरस के संक्रमण के फैलाव को रोकने के लिए जनता कर्फ्यू के दिन शाम को ठीक 5 बजे लोगों ने घरों से निकलकर ताली बजाकर जनता की सेवा में लगे लोगों का अभिनंदन किया, जैसे ही घड़ी की सूई ने 5 बजने का इशारा किया, लोग अपने घरों की छतों, बालकनी, खिड़की और छज्जों पर जमा होकर ताली बजाने लगे। पीएम की अपील पर देशवासियों की एकजुटता देखकर उन्होंने सभी लोगों को धन्यवाद भी दिया है।

साथियों बात अगर हम ताली द्वारा सकारात्मकता माहौल लाने की करें तो, कई संस्कृतियों में, ताली बजाना उत्सव, पावती, प्रशंसा, प्रोत्साहन और मान्यता के लिए एक प्रतीक और इशारा माना जाता है। पूजा के समय भी, कुछ लोग ऐसे होते हैं जो भगवान के भजन गाने का अभ्यास करते हैं, और इसके साथ हाथों से ताली भी बजाते हैं। इससे एक सकारात्मक वातावरण बन जाता है जो किसी की ऊर्जा और स्पंदन को ऊपर उठाती है। चाहे खेल खेलने की बात हो या प्रदर्शन देखने की, ताली का इस्तेमाल सकारात्मक प्रतिक्रिया को दर्शाने के लिए किया जाता है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि आओ ताली बजाएं ताली बजाने के उद्धत फायदे हैं। ताली मानवीय ऊर्जा और स्पंदन को उठाती है। ताली बजाने की परंपरा पुरातन काल से चली आ रही है शायद ऋषि-मुनियों को यह पता था कि लोगों के पास व्यायाम का समय नहीं बचेगा!

क्या होता है हाइब्रिड और पूर्ण विद्युत गाड़ी में अंतर? कौन-सी कार बेहतर

परिवहन विशेष न्यूज

हाइब्रिड vs इलेक्ट्रिक कारें हम यहां पर आपको Hybrid और Full Electric Car में अंतर के बारे में बता रहे हैं। इसके साथ ही आपको यह भी बता रहे हैं कि इन दोनों गाड़ियों में से आने वाले समय में कौन बेहतर रहने वाली है। साथ ही यह भी बता रहे हैं कि आपको Hybrid और Full Electric Car में से किसे लेना ज्यादा किफायती रहेगा।

नई दिल्ली। ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री काफी तेजी से बदल रही है। वहीं, ऑटोमेकर भी तेजी से अपनी गाड़ियों में नई तकनीक का इस्तेमाल करते जा रहे हैं। वहीं, हाल के समय में पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों की वजह से लोग इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड कारों की तरफ ज्यादा रुख कर रहे हैं। जिसे देखते हुए हम यहां पर आपको Hybrid और Full Electric कार के बीच अंतर के बारे में बता रहे हैं। इसके साथ ही बता रहे हैं कि हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक में से कौन-सी कार आपको लिए बेहतर रहने वाली है।

Hybrid Car

हाइब्रिड गाड़ियां दो अलग-अलग तकनीक का इस्तेमाल करती है, इनमें पेट्रोल या डीजल इंजन और इलेक्ट्रिक मोटर देखने के लिए मिलते हैं। यह दोनों इंजन मिलकर कार को चलाने के लिए कंबाईन पावर का इस्तेमाल करती है। वहीं, इन्हें दो कैटेगरी में बांटा गया है, जो माइल्ड हाइब्रिड और स्ट्रांग हाइब्रिड है। आइए जानते हैं कि यह क्या होते हैं?

1. माइल्ड हाइब्रिड कार

यह पेट्रोल/डीजल गाड़ियों की तरह ही होती है, लेकिन बस इसमें एक छोटा इलेक्ट्रिक मोटर का इस्तेमाल किया जाता है, जो कार की माइलेज को बढ़ाने में मददगार होती है। वहीं, माइल्ड हाइब्रिड गाड़ियां पूरी तरह से इलेक्ट्रिक मोड में काम नहीं करती है।

2. स्ट्रांग हाइब्रिड कार

इसे आप फुल हाइब्रिड कार कह सकते हैं, यह गाड़ियां पूरी तरह से इलेक्ट्रिक मोड पर चल सकती है। इस तकनीक से साथ आने वाली कार कम स्पीड पर सिर्फ बैटरी का इस्तेमाल करती है और जब इन्हें हाई स्पीड पर चलाया जाता है, जो यह ICE इंजन का इस्तेमाल करती है। यह अपने आप ही पेट्रोल से इलेक्ट्रिक मोटर इंजन पर स्विच कर सकती हैं।

Full Electric Car

इलेक्ट्रिक कार पूरी तरह से बैटरी पर निर्भर करती है, इसमें किसी तरह के ICE इंजन का इस्तेमाल नहीं किया जाता है। इनमें लगी हुई बैटरी को आप चार्जिंग स्टेशन या फिर घर पर चार्ज कर सकते हैं। इन कारों की बैटरी एक बार फुल चार्ज होने के बाद 200 से 500 किमी तक की ड्राइविंग रेंज दे सकती है। अमेरिका, यूरोप और चीन जैसे देशों में ऐसी गाड़ियों का विस्तार काफी तेजी से बढ़ रहा है। वहीं, भारत में भी इलेक्ट्रिक कारों का

चलन काफी तेजी से बढ़ रहा है।

कौन-सी कार बेहतर?

इलेक्ट्रिक गाड़ियां ज्यादा ईको-फ्रेंडली होती है, क्योंकि इससे बहुत की कम मात्रा में चीजों का उत्सर्जन होता है।

हाइब्रिड गाड़ियां पेट्रोल/डीजल पर भी चलती है, लेकिन इनमें ईवी मोड का फीचर होने की वजह से माइलेज बाकी के मुकाबले ज्यादा मिलता है।

इलेक्ट्रिक कारों को चार्ज करने के लिए चार्जिंग स्टेशन की जरूरत पड़ती है, जो हाल के समय में भारत में हर जगह पर उपलब्ध नहीं है। वहीं, हाइब्रिड गाड़ियां इस मामले में ज्यादा सुविधाजनक होती है।

महिंद्रा बीई 6 और XEV 9e के सभी वेरिएंट की कीमतों से उठा पर्दा, लाखों की गाड़ी में मिलेंगे करोड़ों वाले फीचर्स

परिवहन विशेष न्यूज

भारतीय ऑटोमेकर महिंद्रा ने अपनी दो नई इलेक्ट्रिक कारों Mahindra BE 6 और XEV 9e की वेरिएंट के हिसाब से कीमतों का खुलासा कर दिया है। Mahindra BE 6 की एक्स-शोरूम कीमत 18.90 लाख से लेकर 26.90 लाख रुपये तक जबकि Mahindra XEV 9e की एक्स-शोरूम कीमत 21.90 लाख से लेकर 30.50 लाख रुपये के बीच रखी गई है। यह दोनों ही कई प्रीमियम फीचर्स के साथ आती है।

नई दिल्ली। महिंद्रा ने अपनी नई इलेक्ट्रिक कार BE 6 और XEV 9e के सभी वेरिएंट से कीमतों का खुलासा कर दिया है। इस बार कंपनी ने पैक टू वैरिएंट की कीमतों का भी खुलासा किया है। इसके अलावा कंपनी ने इनके दो नए वेरिएंट को भी पेश किया है, जो Pack One Above और Pack Three Select वेरिएंट है। इसका Pack One Above वेरिएंट केवल BE 6 के लिए और Pack Three Select वेरिएंट को BE 6 और XEV 9e दोनों के लिए लेकर आया गया है। आइए Mahindra BE 6 और XEV 9e के सभी वेरिएंट की कीमतों के बारे में जानते हैं।

कीमत

Mahindra BE 6

Pack One: इसे 59 kWh बैटरी पैक साथ पेश किया गया है, जिसकी एक्स-शोरूम कीमत 18.90 लाख रुपये है।

Pack One Above: इसमें भी 59 kWh बैटरी पैक दिया गया है, जिसकी एक्स-शोरूम कीमत 20.50 लाख रुपये है।

Pack Two: इसके इस वेरिएंट में भी 59 kWh बैटरी पैक है, जिसकी एक्स-शोरूम कीमत 21.90 लाख रुपये है।

Pack Three Select: इसमें भी 59 kWh बैटरी पैक मिलेगा, जिसकी एक्स-शोरूम कीमत 24.50 लाख रुपये है।

Pack Three: इस वेरिएंट में 79 kWh बैटरी पैक दिया गया है, जिसकी एक्स-शोरूम कीमत 26.90 लाख रुपये है।

Mahindra XEV 9e

Pack One: इस वेरिएंट में 59 kWh बैटरी पैक दिया गया है, जिसकी एक्स-शोरूम कीमत 21.90 लाख रुपये है।

Pack Two: इस वेरिएंट में भी 59 kWh का बैटरी पैक है, जिसकी एक्स-शोरूम कीमत 24.90 लाख रुपये है।

Pack Three Select: इसमें भी 59 kWh का बैटरी पैक मिलेगा, जो 27.90 लाख रुपये की एक्स-शोरूम कीमत पर मिलेगी।

Pack Three: इस वेरिएंट में 79 kWh पैक दिया गया है, जिसकी एक्स-शोरूम कीमत 30.50 लाख रुपये रखी गई है।

डिलीवरी टाइमलाइन

Mahindra BE 6 और XEV 9e के सभी वेरिएंट की बुकिंग 14 फरवरी, 2025 से शुरू होने वाली है। इनके Pack Three वेरिएंट की डिलीवरी मार्च 2025 के मध्य से शुरू की जाएगी। वहीं, इनके के Pack One और Pack One Above वेरिएंट की अगस्त 2025, Pack Two वेरिएंट की जुलाई 2025 और Pack Three Select वेरिएंट की जून 2025 से डिलीवरी शुरू की जाएगी।

Mahindra BE 6 के फीचर्स

इसमें डुअल-पॉड हेडलाइट्स, C-आकार के LED DRLs, टेल लाइट्स, 19-इंच के एयरोडायनामिक अलॉय व्हील मिलेंगे।

BE 6 के केबिन में दो 12.3 इंच के डिस्प्ले (इंस्ट्रूमेंटेशन और टचस्क्रीन के लिए), पुल-टैब-टाइप इनसाइड डोर हैंडल, चमकदार ब्लैक 2-स्पोक स्टीयरिंग व्हील, दो वायरलेस फोन चार्जर, 16-स्पीकर वाला हरमन कार्डन साउंड सिस्टम, हवादार और पावर्ड फ्रंट सीटें, लाइटिंग एलिमेंट के साथ एक पैनोरमिक ग्लास रूफ और एक सेल्फी कैमरा दिया गया है।

पैसेंजर की सेफ्टी के लिए 7 एयरबैग, इलेक्ट्रॉनिक पार्किंग ब्रेक, 360-डिग्री कैमरा, ऑटो पार्क असिस्ट, लेवल-2 एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम (ADAS), ड्राइवर ड्राउजीनेस मॉनिटरिंग और अडेप्टिव क्रूज़ कंट्रोल जैसे फीचर्स मिलेंगे। इसे हाल ही में Bharat NCAP से भी 5-स्टार रेटिंग भी मिली है।

Mahindra XEV 9e के फीचर्स

BE 6 की तुलना में इसमें SUV-कूप बॉडी स्टाइल दिया गया है। इसमें स्टैक्ड LED हेडलाइट्स, कनेक्टेड LED DRLs, टेल लाइट्स, 19-इंच के एयरोडायनामिक रूप से डिजाइन किए गए अलॉय व्हील दिए गए हैं।

इसके केबिन में डुअल-टोन थीम, 2-स्पोक स्टीयरिंग व्हील, ट्रिपल-स्क्रीन सेटअप दिया गया है।

XEV 9e में दिए गए सिंगल चार्जर वायरलेस फीचर को छोड़कर बाकी सभी सुविधाएं और सेफ्टी फीचर्स BE 6 के समान ही दिए गए हैं।

बैटरी बैक और रेंज

Mahindra BE 6

59 kWh: इसमें एक इलेक्ट्रिक मोटर दी गई है, जो 231 PS की पावर और 380 Nm का टॉर्क जनरेट करता है। यह पुरी तरह से चार्ज होने के

बाद 557 km तक का ड्राइविंग रेंज देती है।

79 kWh: इसमें भी केवल एक इलेक्ट्रिक मोटर दी गई है, जो 286 PS की पावर और 380 Nm का टॉर्क जनरेट करता है। इसकी ड्राइविंग रेंज 683 km तक की दावा की गई है।

Mahindra XEV 9e

59 kWh: इसमें दिया गया एक इलेक्ट्रिक मोटर 231 PS की पावर और 380 Nm का टॉर्क जनरेट करता है। यह सिंगल चार्ज में 542 km तक की ड्राइविंग रेंज देगी।

79 kWh: इसमें भी एक ही इलेक्ट्रिक मोटर दी गई है, जो 286 PS की पावर और 380 Nm का टॉर्क जनरेट करता है। यह फुल चार्ज होने के बाद 656 km तक का ड्राइविंग रेंज देगी।

होंडा की कारों पर फ़रवरी 2025 में मिल रहा बड़ी बचत का मौका, मिल रहे एक लाख रुपये से ज्यादा के डिस्काउंट ऑफर

फरवरी में होंडा कारों पर डिस्काउंट 2025 जापान की वाहन निर्माता Honda Cars की ओर से कई बेहतरीन कारों को भारतीय बाजार में ऑफर किया जाता है। अगर आप February महीने में कंपनी की गाड़ी को खरीदने का मन बना रहे हैं तो किस Car and SUV को खरीदने पर कितना कैश डिस्काउंट एक सचेंज बोनस के तौर पर डिस्काउंट ऑफर (Honda Cars discounts) किया जा रहा है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में जापान की वाहन निर्माता Honda की ओर से सेडान और एसयूवी सेगमेंट में वाहनों को ऑफर किया जाता है। कंपनी की किसी गाड़ी को अगर आप इस महीने में खरीदने का मन बना रहे हैं तो लाखों रुपये की बचत की जा सकती है। Honda की ओर से किस गाड़ी पर February 2025 में कितना Discount Offer किया जा रहा है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

Honda Amaze पर कितना Discount

होंडा की ओर से (Honda February discounts) में अपनी सबसे छोटी कार पर सबसे ज्यादा डिस्काउंट ऑफर किए जा रहे हैं। कंपनी की ओर से होंडा अमेज पर अधिकतम 1.07 लाख रुपये के ऑफर इस महीने में मिल रहे हैं। सेडान कार के E और S वेरिएंट पर 57200 रुपये के ऑफर मिल रहे हैं, जबकि इसके VX वेरिएंट पर सबसे ज्यादा डिस्काउंट ऑफर किया जा रहा है।

होंडा की वेबसाइट के मुताबिक इस कॉम्पैक्ट सेडान की दूसरी जेनरेशन के बचे हुए स्टॉक पर यह ऑफर दिया जा रहा है। Honda Amaze की दूसरी जेनरेशन की एक्स शोरूम कीमत 7.62 लाख रुपये से हो जाती है। इस सेडान कार के टॉप वेरिएंट 9.96 लाख रुपये में खरीदा जा सकता है।

Honda City पर भी है ऑफर

होंडा की ओर से मिड साइज सेडान कार के तौर पर Honda City को लाया जाता है। कंपनी की इस गाड़ी को अगर इस महीने में खरीदना है तो इस पर अधिकतम 73 हजार रुपये के ऑफर्स को दिया जा रहा है। इसकी एक्स शोरूम कीमत 12.28 लाख रुपये से शुरू हो जाती है। इसके टॉप वेरिएंट की एक्स शोरूम कीमत 16.55 लाख रुपये है।

Honda Elevate पर होगी हजारों रुपये की बचत

कंपनी की ओर से एलीवेट एसयूवी को मिड साइज एसयूवी सेगमेंट में लाया जाता है। अगर इस महीने आप होंडा की एलीवेट एसयूवी को खरीदते हैं तो आपको अधिकतम 86 हजार रुपये का डिस्काउंट मिल सकता है। इसकी एक्स शोरूम कीमत की शुरुआत 11.91 लाख रुपये से होती है। इसके टॉप वेरिएंट को 16.73 लाख रुपये की एक्स शोरूम कीमत पर खरीदा जा सकता है।

Honda Amaze 2024 पर नहीं मिलेगा डिस्काउंट

होंडा की ओर से चार दिसंबर 2024 को ही काम्पैक्ट सेडान कार के तौर पर Honda Amaze की तीसरी जेनरेशन को भारत में लॉन्च किया गया था। कुछ समय पहले ही लॉन्च होने के कारण इस महीने इस गाड़ी पर किसी भी तरह का कोई डिस्काउंट ऑफर नहीं दिया जा रहा है। इंट्रोडक्ट्री कीमत के बाद अब इसे 8.10 लाख रुपये की शुरुआती एक्स शोरूम कीमत पर खरीदा जा सकता है।

एक साथ पार्क हो जाती है 20 हजार गाड़ियां, कहां है दुनिया की सबसे बड़ी कार पार्किंग

परिवहन विशेष न्यूज

सबसे बड़ी कार पार्किंग हम यहां पर आपको बता रहे हैं कि दुनिया की सबसे बड़ी कार पार्किंग कहां पर है। साथ ही यह भी बता रहे हैं कि यहां पर कितनी गाड़ियों के पार्क होने की जगह है। इतना ही नहीं यह भी बता रहे हैं कि कार पार्किंग वाली जगहों पर गाड़ी को पार्क करने के दौरान किन अहम बातों का ध्यान रखना चाहिए।

नई दिल्ली। दुनियाभर में कार पार्किंग की समस्या बड़ी है। बहुत सी तो ऐसी जगहें हैं, जहां पर घर के बाहर पार्क करते ही चोरी हो जाती है। जिसकी वजह से बहुत से लोग अपने घर के आसपास एक अच्छी और सिक्योर पार्किंग की जगह की तलाश में रहते हैं। जहां कई जगहों पर कार पार्किंग की समस्या है तो वहीं, कनाडा में ऐसा कार पार्किंग की जगह बनाई गई है, जहां पर एक दो नहीं बल्कि हजारों गाड़ियां एक साथ पार्क हो सकती है।

पार्किंग वेस्ट एडमॉन्टन मॉल

दुनिया का सबसे बड़ा कार पार्किंग जगह कनाडा के एडमॉन्टन में बनाया गया है। इसे पार्किंग वेस्ट एडमॉन्टन मॉल में बनाया गया है। यहां पर एक साथ 20 हजार गाड़ियों को पार्क किया जा सकता है। इतना ही नहीं, इसे आस-पास के लॉट में 10 हजार से ज्यादा गाड़ियों को पार्क किया जा सकता है।

कार पार्किंग में कैसे सही से पार्क करें गाड़ी

हमने आपको ऊपर बताया कि दुनिया का सबसे बड़ा कार पार्किंग कहां पर है। ऐसे कार पार्किंग वाली जगहों पर सबसे बड़ी दिक्कत होती है गाड़ी के डैमेज होने का। ऐसे में कार अगर सही से पार्क नहीं करें तो गाड़ी निकालने से लेकर दूसरों को भी पार्क करने में भी कई तरह की समस्या का सामना करना पड़ता है।

कार पार्किंग में सही से गाड़ी को पार्क करने के लिए एक सुरक्षित और उपयुक्त स्थान चुनें। साथ ही यह भी देखें कि आपकी गाड़ी पार्क होने के बाद दूसरी गाड़ियों या किसी रुकावट से आपकी कार को कोई नुकसान न हों।

जब आप अपनी कार को पार्क कर रहे हो तो ध्यान रखें कि आपको वाहन के आस-पास की गाड़ियों के बीच पर्याप्त दूरी हो। ध्यान रखें कि आपकी गाड़ी का दरवाजा सही से खुल रहा है या फिर नहीं।

अगर आपको किसी तंग जगह पर कार को पार्क करना पड़ रहा है तो कार को दोनों तरफ पर्याप्त जगह छोड़ें। यह न सिर्फ आपके लिए बल्कि दूसरों के लिए भी फायदेमंद रहेगा।

जब भी अपनी कार को पार्क करें तो रिवर्स पार्किंग करने की कोशिश करें। इससे आपको अपनी कार को बाहर निकालने में ज्यादा आसानी होती है। खासकर तंग वाली जगहों पर जहां पर आगे से पार्किंग से गाड़ी को निकालना मुश्किल हो सकता है।

कार को पार्क करने के बाद हमेशा अपनी कार की स्टीयरिंग व्हील लॉक करें और गियर को पार्किंग मोड (P) में रखें, ताकि आपकी कार अपने स्थान से हिल न सके।

यामाहा आर3 की कीमत में मिल जाएंगी ये 5 शानदार मोटरसाइकिल, लिस्ट में कावासाकी और बीएमडब्ल्यू भी शामिल

परिवहन विशेष न्यूज

यामाहा R3 समान मूल्य विकल्प हम यहां पर आपको यामाहा R3 की कीमत में आने वाली ऐसी 5 बाइक के बारे में बता रहे हैं जिन्हे आप इसकी कीमत में खरीद सकते हैं। हमारी इस लिस्ट में Royal Enfield Bear 650 Kawasaki Ninja 300 Royal Enfield Continental GT 650 BMW G 310 GS और Yamaha MT-03 शामिल है जो Yamaha R3 की तरह ही दमदार है।

नई दिल्ली। हाल ही में यामाहा इंडिया ने अपनी दो मोटरसाइकिल Yamaha R3 और MT-03 की कीमतों की कटौती की है। इनकी कीमतों में 1,10,000 रुपये की कमी की गई है। जिसके बाद से अब Yamaha R3 की एक्स-शोरूम कीमत 3,59,900 रुपये पहुंच गई है। आइए जानते हैं कि जितनी कीमत में Yamaha R3 आती है उतने रुपये में और कौन-सी बाइक को खरीदा जा सकता है।

1. Royal Enfield Bear 650

कीमत: 3,39,000 रुपये से लेकर 3,59,000 रुपये तक (एक्स-शोरूम)

रॉयल एनफील्ड बियर 650 एक स्क्रैम्बलर स्टाइल वाली बाइक है। इसमें 648 cc का पैरेलल-ट्विन, एयर-कूल्ड इंजन का इस्तेमाल किया गया है, जो 47.4 PS की पावर और 56.5 Nm का टॉर्क जनरेट करता है। इसके इंजन को 6-स्पीड गियरबॉक्स से जोड़ा गया है। Royal Enfield की इस बाइक में गोल TFT डिस्प्ले और ऑल-LED लाइटिंग दी गई है।

2. Kawasaki Ninja 300

कीमत: 3,43,000 रुपये (एक्स-शोरूम)

कावासाकी निंजा 300 जापानी निर्माता कंपनी की एक किफायती और बेहतरीन स्पोर्टबाइक है। इसमें 296cc का लिक्विड-कूल्ड, पैरेलल ट्विन इंजन का इस्तेमाल किया गया है, जो 39 PS की पावर और 26.1 Nm का टॉर्क जनरेट करता है। इसके इंजन को 6-स्पीड गियरबॉक्स के साथ जोड़ा गया है। इसमें सेमी-डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर के साथ एनालॉग टैकोमीटर, डुअल-चैनल ABS, स्लिपर क्लच, ट्विन हेडलाइट सेटअप और संकीर्ण टेल सेक्शन दिया गया है।

3. Royal Enfield Continental GT 650

कीमत: 3,19,000 रुपये से लेकर 3,45,000 रुपये तक (एक्स-शोरूम)

रॉयल एनफील्ड कॉन्टिनेंटल GT 650 एक कैफे रेसर स्टाइल बाइक है। इसे विंटेज डिजाइन दिया गया है। इस बाइक में 648 cc पैरेलल-ट्विन, एयर-कूल्ड इंजन का इस्तेमाल किया गया है, जो 47.4 PS की पावर और 52.3 Nm का टॉर्क जनरेट करता है। इसके इंजन को 6-स्पीड गियरबॉक्स के साथ जोड़ा है। इसमें क्लिप-ऑन हैंडलबार, फ्लैट सिंगल पीस सीट, स्कल्प्टेड फ्यूल टैंक, छोटा डिजिटल इनसेट, डुअल-पॉड इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और एलईडी हेडलाइट दिया गया है।

4. BMW G 310 GS

कीमत: 3,30,000 रुपये (एक्स-शोरूम)

BMW G 310 GS एक एडवेंचर मोटरसाइकिल है। इस बाइक में 313 cc सिंगल-सिलेंडर लिक्विड-कूल्ड इंजन का इस्तेमाल किया गया है। इसका इंजन 34 PS की पावर और 28 Nm का टॉर्क जनरेट करता है। वहीं, इसके इंजन को स्लिप-एंड-असिस्ट क्लच के साथ 6-स्पीड गियरबॉक्स के साथ जोड़ा गया है। इसमें ऑल-एलईडी लाइटिंग, एक डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और डुअल-चैनल ABS जैसे फीचर्स दिए गए हैं।

5. Yamaha MT-03

कीमत: 3,49,900 रुपये (एक्स-शोरूम)

Yamaha R3 के साथ ही Yamaha MT-03 की कीमतों में भी 1,10,000 रुपये की कटौती की गई है। जिसके बाद से अब इसकी कीमत 3,49,900 रुपये हो गई है। इसमें 321 cc, इनलाइन ट्विन-सिलेंडर, लिक्विड-कूल्ड इंजन का इस्तेमाल किया गया है, जो 42 PS की पावर और 29.5 Nm का टॉर्क जनरेट करता है। इसके इंजन को 6-स्पीड गियरबॉक्स से जोड़ा गया है। इसमें सिंगल-पीस हैंडलबार, अलग हेडलाइट सेक्शन, ऑल-एलईडी लाइटिंग, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और डुअल-चैनल ABS जैसे फीचर्स दिए गए हैं।

ओ! तेरी

विजय गर्ग

इस बार पंडिज्जी को पार्टी ने टिकट नहीं दिया। यह महाशोक वाली स्थिति थी। हमारे इस छोटे से कस्बे के लिए यह बड़े अचरज की बात थी। पैरवी करने वालों ने खूब कोशिश की पर सफलता नहीं मिली। पैसा और गांठ से गया। पंडिज्जी कई रातों तक ठीक तरह से सो नहीं सके। दो दिन बाद नामांकन का अंतिम दिन था। उनके प्रतिद्वंद्वी राधेश्याम को टिकट मिल गया। पंडिज्जी के सीने पर सांप लोट गया! एकदम उनके दिमाग में बत्ती जली। वे पार्टी को बता देंगे मैं भी क्या चीज हूं। ऐसा दांव मारूंगा कि राधेश्याम को हरवा के ही चैन लूंगा। बेचैनी में वे बाहर के कमरे में चक्कर लगा रहे थे। तभी परसा उधर से गुजरा। उसने पंडिज्जी को पांव लागू बोला। उन्होंने उसे आशीर्वाद दिया और आवाज लगाई 'अरे! सुनो परशुराम!' परशुराम को सब परसा या पारसी नाम से जानते हैं। वह अपना परशुराम नाम लगभग भूल ही गया था। पहली बार पूरा और सही नाम सुन रहा था। वह भी पंडिज्जी के मुंह से। उसे प्रेम से कुर्सी पर बिठाकर पंडिज्जी ने अंदर से पानी मंगवाया। परसा मन ही मन सोचने लगा पंडिज्जी को आज कौन-सा काम याद आ गया। इतने प्यार और सम्मान से बात कर रहे हैं। टिकट तो इनका कट गया है। क्या निर्दलीय लड़ेंगे? 'क्या सोच रहे हो परशुराम बेटा?' बेटा! शब्द सुनकर वह और सावधान हो गया। 'कुछ नहीं बस ऐसे ही।' कहते हुए उसने हिम्मत करके पंडिज्जी से पूछा, 'आपका टिकट क्यों कट गया पंडिज्जी?' उसने बात आगे सरकाई 'मुझे ताज्जुब है। पार्टी में भी कई गुट बने हुए हैं। आपका गुट तो मजबूत है। आप दो बार के एमएलए हैं।' 'चाय पियोगे?' पंडिज्जी ने यह चर्चा यहीं खत्म कर दी। 'नहीं मन नहीं हो रहा।' उसने चाय के लिए मना किया। 'कहां जा रहे थे?' पंडिज्जी ने बात आगे बढ़ाई। 'खेतों की तरफ जा रहा था।' परसा ने कहा। 'राधेश्याम के पास जा रहे थे क्या?!' 'अरे राम राम राम! आपने किसका नाम ले दिया। उसको टिकट जातिवाद के गणित से और पैसे से मिला है। सब जानते हैं। बड़ी पार्टियां पैसे लेकर टिकट दे रही हैं। ...मैं आपका सेवक हूं। आपको छोड़कर कहीं नहीं जाने वाला।' उसने जोड़ा। पंडिज्जी ने थाह ली, 'तुम भी तो उसी जाति के हो। बहुत वोट हैं तुम लोगों के... मुझे मालूम है तुम एक बार निर्दलीय लड़े थे और तीसरे नंबर पर थे। अच्छा लड़े थे।' 'सब आपके चरणों का प्रताप है पंडिज्जी। वरना इस परसा को कौन वोट देगा।' कहते हुए वह निरीह दिखाई दिया। 'ऐसा करते हैं परशुराम इस बार तुम चुनाव लड़ लो।' इस अप्रत्याशित प्रस्ताव को सुनकर परशुराम पंडिज्जी के चेहरे की ओर देखने लगा। उसे विश्वास ही नहीं हो रहा था। कहीं मजाक तो नहीं कर रहे। लेकिन पंडिज्जी के चेहरे पर गंभीरता थी। वे चुहल नहीं कर रहे थे। वह आश्वस्त हुआ। 'लेकिन पंडिज्जी मेरे पास चुनाव लड़ने लायक पैसा कहां है। एक बार लड़ के देख लिया।' 'उसकी फिकर मत करो बेटा। मैं हूं ना!' परशुराम सोचने लगा आज ये क्या हो रहा है हनुमान बाबा! उसे पंडिज्जी की आवाज कहीं किसी और ही ग्रह से आती लगी। 'इसे गोपनीय रखना। समझ गए?' 'जी पंडिज्जी। आपके चरणों में बैठकर इतनी राजनीति तो सीख ही गया हूं। आप मेरे गुरु हैं।' कहते हुए परशुराम ने पंडिज्जी के पैर पकड़ लिए। 'बस अपना आशीर्वाद बनाए रखिए। इस बार राधेश्याम को पटखनी दे दूंगा।'

अगले दिन परशुराम ने बड़ी धूमधाम से निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर नामांकन भर दिया। आसानी से गवाह भी मिल गए। उसने घर लौटकर टीम बनाई। उसकी टीम में कुछ लोग ऐसे थे, जो उस के साथ बैठकर आए दिन शराब पीते थे। चुनाव चिह्न मिल गया था गेंदे का फूल। होर्डिंग और पैम्फलेट बनाए गए। वह पंडिज्जी की प्रचार व्यवस्था देखता रहा था इसलिए उसको अनुभव था। वह जानता था कि पोस्टरों से अच्छी-अच्छी लड़ाइयां जीती जा सकती हैं। उसने डोर टू डोर संपर्क की तकनीक अपनाई। बड़ी पार्टियों के प्रत्याशी जगह-जगह रोड शो कर रहे थे और बड़े-बड़े मंचों से भाषण दे रहे थे। सब के सब अपनी जीत के लिए आश्वस्त थे। वह अपने कुछ साथियों के साथ घर-घर गया। आसपास के गांवों में भी उसने यही तकनीक अपनाई। वह गांवों के प्रभावशाली लोगों के पास भी उनका आशीर्वाद लेने गया। वह हाथ जोड़कर इतना ही कहता 'आप मुझ गरीब को वोट दे देना। मैं लंबी-चौड़ी भाषणबाजी नहीं जानता। न कोई वादे करता और न कोई सपने दिखाता। ...आपके दम पर लड़ रहा हूं। सब को देख लिया आपने। इस बार अपने परसा को भी एक मौका दे दें।' जहां नमस्ते, राम राम, सतश्री अकाल और जय जिनेन्द्र या आदाब और सलाम की जरूरत होती वहां वैसा ही करता। कई हजार लोगों के पांव छुए। बस अबकी बार अपने इस बच्चे को वोट दे दो। उसने आसपास के हर शहर और गांवों में नुक्कड़ों पर चौपालें लगाईं। अपने जाति भाइयों के संग बैठकर चर्चा की। उसने जातियों का डेटा अखबारों से इकट्ठा कर लिया था। उसका फोकस गरीब, मजदूर, किसानों और छोटे-मोटे काम करने वाले मजदूरों पर था। वही उसके वोट बैंक थे। परशुराम ने अपने कुछ लोगों को यह अफवाह फैलाने के लिए लगा दिया कि इस बार परसा जीत रहा है। उसके समाज के लोग हैंड्रेड पर्सेंट उसे ही वोट दे रहे हैं। राधेश्याम से और उसकी पार्टी से लोग बहुत नाराज हैं। राधेश्याम की अपने समाज में छवि अच्छी नहीं थी।

एक दिन राधेश्याम की ओर से परशुराम को संदेश मिला कि मैं तुम से मिलना चाहता हूं। वह समझ गया कि मेरी स्थिति मजबूत हो रही है। उसने संदेश का जवाब भिजवा दिया कि 'दो दिन बाद मिलूंगा अभी तो क्षेत्र में जा रहा हूं।' कई छोटे-बड़े किसान उसे ट्रैक्टर देकर और मोटर मैकेनिक पुरानी गाड़ी देकर उसका सहयोग कर रहे थे। पंडिज्जी से डीजल के पैसे मिल रहे थे। युवा टोली चाय-बिस्कुट या दांव बैठ गया तो देसी से काम चला रही थी। उसके साथ दस-पंद्रह युवा साथियों का झुंड हर समय रहता था। चुनाव प्रचार के सीमित साधनों के रहते हुए भी लोग उसकी ओर ध्यान देने लग गए। वह एक चुनाव लड़ चुका था। इसलिए अनुभव था। कहां किस से वोट मिल सकता है।

इलेक्शन में उसकी हवा बन रही थी। इसलिए राधेश्याम ने उसे याद किया था। दो दिन बाद वह उनसे मिला। बंद कमरे में दोनों की बातचीत हुई। राधेश्याम ने पहले तो अपना दबदबा दिखाया। ऐसा दिखाया मानो अपने समाज का वही इकलौता नेता है। फिर लालच दिया लाख दो लाख ले लो परशुराम जी और बैठ जाओ। इतना ही खर्चा हुआ होगा। (राधेश्याम उसकी कीमत जानता था कि परसा के लिए ये बहुत छोटी रकम बहुत बड़ी है। करोड़ों नहीं इसके लिए तो दो चार लाख ही बहुत रहेंगे।) 'मेरे लिए प्रचार करो! तुम को मालामाल कर दूंगा।' परंतु परशुराम अविचल रहा। उसने इतना ही कहा, 'भाईजी अब बहुत देर हो गई है।' उसने अनुमान लगाया कि बड़ी पार्टियों के प्रत्याशी अंदर ही अंदर डरे हुए हैं। वोटर अपने मन की बात किसी को नहीं बता रहे थे। कुछ टीवी चैनलों के पत्रकार धीरे-धीरे परशुराम के समाचार भी देने लगे थे। इस बार मुकाबला कांटे का है। परशुराम निर्दलीय भले ही हैं लेकिन वे खेल बिगाड़ सकते हैं। ऐसे समाचार वोटरों के लिए संजीवनी बन रहे थे। इसी बीच एक चैनल ने अनुमान लगाकर कहा कि परशुराम पर पंडिज्जी का हाथ है और वे परशुराम की मदद कर रहे हैं। इसका असर पंडिज्जी की जाति-बिरादरी के लोगों पर अच्छा पड़ने लगा था। सारे प्रत्याशी अपनी-अपनी जीत के प्रति आश्वस्त थे। बड़ी पार्टियों के प्रत्याशियों में निश्चिंतता कुछ ज्यादा ही थी। फिर भीषण गर्मी का मौसम! प्रत्याशी घर-घर नहीं जा रहे थे। ज्यादा वोटर भी बूथ तक नहीं निकले।

और लो परिणाम आ गया! एक हजार तीन सौ अठारह वोटों से परशुराम विजयी घोषित। 'ओ तेरी!!' जिसने सुना उसके मुंह से यही निकला। सर्टिफिकेट लेकर वह सबसे पहले पंडिज्जी के चरणों में प्रणाम करने पहुंचा। पंडिज्जी ने पहली बार उसे गले लगाया।

क्या टीवी न्यूज, क्या अखबार सब जगह परशुराम। मना करने पर भी उसके युवा साथी नहीं माने, कस्बे में जुलूस निकाला। हालांकि ज्यादा लोग नहीं थे। धन्यवाद देने के लिए विजय यात्रा भी हुई। सब हुआ। गले में फूलमालाएं धारण किए, हाथ जोड़े, सिर झुकाए परशुराम अतिविनम्र भाव से सबका धन्यवाद व्यक्त कर रहा था।

वह एक पढ़े-लिखे युवा साथी को लेकर राजधानी गया। पहुंचकर एक कमरा होटल में लिया। इसके बाद सुबह के लिए खादी के रेडिमेड कपड़े खरीदे।

सरकार बनाने की चर्चाएं शुरू हो चुकी थीं। किसी भी पार्टी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला था। जोड़-तोड़ का खेल चल रहा था। शाम को पंडिज्जी एक पूर्व मंत्री जी के साथ परशुराम के होटल में पहुंचे। उसको हैरानी हुई, 'अरे! पंडिज्जी आप?' मुंह से इतना ही निकला। उठकर उसने पांव छुए। पंडिज्जी ने मुक्त मन से आशीर्वाद दिया और साथ आए पूर्व मंत्री जी से परिचय कराया। बातचीत शुरू हुई। पूर्व मंत्री जी ने बधाई देते हुए उससे पूछा, 'परशुराम जी आपने क्या सोचा है?' वह प्रश्न को समझ ही नहीं पाया। उनके सपाट चेहरे की ओर देख रहा था। उनका श्यामल वर्ण, गले में रुद्राक्ष की मालाएं, हाथ में सोने का कड़ा और बड़ा कलावा, सभी उंगलियों में बेशकीमती अंगूठियां... यह उनकी धज थी। भक्क सफेद कुर्ता धोती पहने पान चबा रहे मंत्रीजी की आंखों में काइयांपन झांक रहा था। मंत्री जी अपनी धज में ऐसे लग रहे थे, जैसे बताशे में चींटा। पंडिज्जी भांप गए परसा कुछ समझ नहीं पा रहा है। उन्होंने सवाल को हल करते हुए समझाया, 'ये पूछ रहे हैं कि तुम सरकार बनाने में किस पार्टी का समर्थन करोगे।' परशुराम दुचित्ता हो रहा था। दो बड़ी पार्टियों में से किस को समर्थन दे, तय नहीं कर पा रहा था। उसने विनम्र भाव से कहा, 'मैं तो पंडिज्जी का चेला हूं। वही तय करेंगे।' सुनकर पंडिज्जी गद्गद हो गए। परसा ने मेरा मान रख लिया। थोड़ी देर तक वे दोनों उसको लाभ-हानि का गणित समझाते रहे। कितना पैसा मिलेगा। मंत्री पद तो नहीं, हां किसी निगम वगैरह का उपाध्यक्ष बना देंगे। अंततः मामला दो करोड़ और एक स्कॉर्पियो में तय हो गया।

सुबह के समाचारों में सरकार बनाने के लिए पार्टियों की खींचतान और गणित के समाचार छाए हुए थे। सात निर्दलीय चुनकर आए थे। उनके समर्थन पर सारा दारोमदार था। निर्दलीय विधायक कभी किसी के साथ कभी किसी के साथ दिखाए जा रहे थे। दोनों ओर के विधायकों की खरीद-फरोख्त का मुद्दा सभी समाचार चैनलों पर चल रहा था। कुछ सही कुछ झूठ। पैनल चर्चा में गर्मागर्म बहसें चल रही थीं। ज्योतिषियों के भी गणित हवा में तैर रहे थे।

अंत में एक पार्टी ने सरकार बनाने के लिए समर्थन जुटाकर जितनी आवश्यक थी, संख्या छू ली। जो अपने साथ हैं, उन विधायकों के हस्ताक्षर लेकर भावी मुख्यमंत्री जी अपना प्रतिनिधिमंडल लेकर राज्यपाल से मिलने राजभवन गए और सरकार बनाने का दावा पेश कर दिया। समर्थन में हस्ताक्षर परशुराम ने भी कर दिए थे। शपथ ग्रहण का समय मांगा। राज्यपाल महोदय अनुकूल थे। उन्होंने अगले दिन की शाम को शपथ दिलाने के लिए अपनी सहमति दे दी।

देर रात तक मंत्रिमंडल के गठन पर आलाकमान और कोर कमेटी की बैठक चलती रही। मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, कैबिनेट मंत्री, राज्यमंत्री आदि कौन-कौन बनाए जाएं? इस पर विचार-विमर्श हुआ। इसमें जाति और क्षेत्रीय गणित, कितनी महिलाएं, किस-किस संप्रदाय और वर्ग के लोग रखे जाएं, इस पर मंथन हुआ। परेशानी एक अन्य छोटी पार्टी से जीतकर आए दस विधायकों को लेकर थी। उस पार्टी में दल बदलने की कला में निपुण विधायक ज्यादा थे। सभी कैबिनेट मंत्री पद के दावेदार। बैठक में उनके पार्टी अध्यक्ष और एक अन्य सदस्य को भी बुला लिया गया था। जैसे-तैसे बात बन ही गई। इसमें निर्दलीय परशुराम कहां फिट हों, यह प्रश्न उठ खड़ा हुआ। परशुराम की जाति के मात्र दो लोग जीतकर आए थे। जाति का प्रतिनिधित्व जरूरी था। और यहां फिर पंडिज्जी काम आए। पार्टी में उनके ग्रुप के कई लोग थे। उन सभी ने परशुराम को मंत्रिमंडल में लिए जाने का समर्थन किया।

अगले दिन शाम को शपथ ग्रहण समारोह हुआ। टेलीविजन पर कार्यक्रम दिखाया जा रहा था। मुख्यमंत्री और दो उपमुख्यमंत्री सबसे पहले। फिर क्रम से कैबिनेट मंत्री, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), राज्य मंत्री ने शपथ ग्रहण की।

जैसे ही राज्यमंत्री के रूप में परशुराम का नंबर आया, टीवी देखते हुए कस्बे के लोगों में खुशी कम थी, जलन ज्यादा। मुख्यमंत्री जी ने मंत्रियों के मंत्रालय भी उसी समय बांट दिए थे।

'ओ! तेरी!!' सहसा लोगों के मुंह से एक बार फिर यही निकला। वे चौंके।

शिक्षा राज्यमंत्री बने पांचवीं पास श्री परशुराम जी।

क्यों साइबर सुरक्षा में कौशल भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है अपने कैरियर प्रूफिंग

विजय गर्ग

2017 में, वानाक्राई रैंसमवेयर हमले ने डिजिटल दुनिया के माध्यम से शॉकवेव भेजा, जिससे 150 से अधिक देशों में 200,000 से अधिक कंप्यूटर प्रभावित हुए। इस वैश्विक हमले ने डिजिटल बुनियादी ढांचे में महत्वपूर्ण कमजोरियों को उजागर किया, जिससे मजबूत साइबर सुरक्षा उपायों की महत्वपूर्ण आवश्यकता को उजागर किया गया। आज के लिए तेजी से आगे, दांव केवल उच्च हो गए हैं। 2025 तक अनुमानित 75.44 बिलियन 1 कनेक्टेड उपकरणों के साथ, मोबिलिटी, इंटरनेट ऑफ थिंग्स ( ) के अभिसरण, और क्लाउड कम्प्यूटिंग ने नाटकीय रूप से हमले की सतह का विस्तार किया है, जिससे साइबर अपराधियों के लिए कमजोरियों का फायदा उठाना आसान हो गया है। साइबर खतरों की बढ़ती आवृत्ति और जटिलता ने साइबर सुरक्षा को व्यवसायों और सरकारों के लिए एक प्राथमिकता बना दिया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, डिजिटल संपत्ति हासिल करने की तात्कालिकता को रेखांकित करते हुए, अकेले Q1 2023 में लगभग 500 मिलियन साइबर हमले 2 को अवरुद्ध कर दिया गया था।

जैसा कि व्यवसाय खुद को बचाने के लिए दौड़ रहे हैं, साइबर सुरक्षा पेशेवरों की मांग बढ़ रही है। दुनिया भर में कंपनियां पदों को भरने के लिए संघर्ष कर रही हैं, 2025 तक 1.5 मिलियन 3 साइबर सुरक्षा पेशेवरों की वैश्विक कमी के साथ। अकेले भारत में, साइबर सुरक्षा में नौकरी के उद्घाटन काफी हद तक अप्रभावित रहते हैं, इस मांग के साथ साइबर हमले में खतरनाक वृद्धि हुई है, वैश्विक नुकसान 20254 तक $ 10.5 ट्रिलियन तक पहुंचने का अनुमान है। कुशल विशेषज्ञों की आवश्यकता कभी अधिक स्पष्ट नहीं रही है। 59% से अधिक कंपनियों की रिपोर्ट में साइबर सुरक्षा के स्थान खाली हैं, जबकि 45% संगठनों को 20255 तक अपने सॉफ्टवेयर सप्लाई चेन पर हमलों का अनुभव होने की उम्मीद है। यह तकनीकी पेशेवरों और महत्वाकांक्षी साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों के लिए डिजिटल सुरक्षा के भविष्य को आकार देने वाली उच्च-प्रभाव भूमिकाओं में कदम रखने का एक अनूठा अवसर प्रस्तुत करता है। जैसे-जैसे साइबर खतरे परिष्कार में विकसित होते हैं, इन बढ़ते जोखिमों के खिलाफ बचाव करने में सक्षम प्रतिभा का एक मजबूत पूल विकसित करने की बढ़ती तात्कालिकता होती है।

कैसे विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आपको साइबर सुरक्षा क्षेत्र में प्रवेश करने में मदद कर सकते हैं इसे पहचानते हुए, IIT कानपुर ने साइबर सुरक्षा और साइबर रक्षा कार्यक्रम में एक विशेष 6 महीने का उन्नत प्रमाणन डिजाइन किया है जो पेशेवरों को इस तेजी से विकसित क्षेत्र में महत्वपूर्ण ज्ञान और कौशल से लैस करता है। यह हाथों पर प्रशिक्षण के साथ अकादमिक कठोरता को जोड़ती है, आधुनिक साइबर खतरों से निपटने में शिक्षार्थियों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान करती है। इसमें 120 घंटे के हाथों पर प्रशिक्षण, लाइव ऑनलाइन सत्र और कैपस्टोन परियोजनाओं जैसे इंटरैक्टिव सीखने के तरीके शामिल हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि प्रतिभागी वास्तविक दुनिया की साइबर सुरक्षा चुनौतियों से निपट सकते हैं। विश्व स्तरीय संकाय से प्राप्त ज्ञान के अलावा, कार्यक्रम के छात्रों को साइबर रक्षा के लिए समर्पित अत्याधुनिक अनुसंधान केंद्र आईआईटी कानपुर के C3iहब पर जाने का अनूठा अवसर भी मिलता है। सैद्धांतिक पाठों के साथ संयुक्त C3iहब में व्यावहारिक सीखने का अनुभव, साइबर सुरक्षा में नेतृत्व के लिए पेशेवरों को तैयार करने के अलावा आईआईटी कानपुर के कार्यक्रम को निर्धारित करता है।

वर्तमान और आकांक्षी साइबर सुरक्षा पेशेवरों के लिए डिज़ाइन किया गया, तकनीकी विशेषज्ञ अपने करियर को आगे बढ़ाने का लक्ष्य रखते हैं, और प्रासंगिक क्षेत्रों में पृष्ठभूमि वाले जो साइबर सुरक्षा में सार्थक प्रभाव बनाना चाहते हैं, वे इसके लिए सबसे उपयुक्त होंगे। चाहे आप एक सिस्टम इंजीनियर, नेटवर्क प्रशासक, या हाल ही में स्नातक हों, आईआईटी कानपुर का प्रमाणन इस उच्च मांग वाले क्षेत्र में आगे बढ़ने की दिशा में एक व्यापक रास्ता प्रदान करता है।

साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों की अगली पीढ़ी तैयार करना साइबर सुरक्षा का भविष्य विकास और उन्नति के लिए विशाल अवसर रखता है। जैसे-जैसे व्यवसाय और व्यक्ति तेजी से ऑनलाइन सुरक्षा को प्राथमिकता देते हैं, योग्य पेशेवरों की मांग केवल बढ़ती रहेगी। अब अपनी साइबर सुरक्षा शिक्षा में निवेश करके, आप न केवल अपने आप को एक समृद्ध कैरियर के लिए तैयार कर रहे हैं, बल्कि डिजिटल दुनिया की सुरक्षा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, जिस पर हम सभी निर्भर हैं। चाहे आप क्षेत्र में प्रवेश करने के लिए देख रहे हों या अपने कौशल को तेज करने के लिए एक अनुभवी पेशेवर, सही प्रशिक्षण इस समय के सबसे आवश्यक उद्योगों में से एक में सफलता के लिए नए कैरियर के अवसरों और स्थिति को अनलॉक करने में मदद कर सकता है।

चार गुना तेजी से गर्म हो रहे हैं महासागर

विजय गर्ग

जलवायु परिवर्तन का असर पहाड़, समुद्र समेत सभी पर चीजों पर असर पड़ रहा है। एक नए अध्ययन में पाया गया है कि पिछले चार दशकों की तुलना में महासागरों के गर्म होने की दर चार गुना तेज हो गई है। इस बारे में एनवायरनमेंटल रिसर्च लेटर्स नामक पत्रिका में अध्ययन प्रकाशित किया गया है। इस अध्ययन से पता चला है कि 2019-23 के दौरान महासागरों का तापमान 0.27 डिग्री सेल्सियस प्रति दशक की दर से बढ़ रहा है, जबकि 1980 के दशक के अंत में यह 0.06 डिग्री सेल्सियस प्रति दशक था।

यूके के रीडिंग विश्वविद्यालय के प्रमुख लेखक क्रिस मर्चेंट ने कहा, अगर महासागर पानी से भरे बाथटब होते तो 1980 के दशक में गर्म नल धीरे-धीरे चलता था, जिससे हर दशक में पानी सिर्फ एक डिग्री के अंश से गर्म होता था, लेकिन अब गर्म नल बहुत तेजी से चल रहा है और तापमान में तेजी से बढ़ रहा है। मर्चेंट ने समझाया कि इस तापमान वृद्धि को धीमा करने का तरीका वैश्विक कार्बन उत्सर्जन में कटौती करके और नेट जीरो की और बढ़ते हुए गर्म नल को बंद करना शुरू करना है।

शोध लेखकों ने लिखा, जीएमएसएसटी (वैश्विक औसत समुद्री सतह तापमान) में परिवर्तन की अंतर्निहित दर पृथ्वी के ऊर्जा संचय के अनुपात में 1985- 89 के दौरान 0.06 (सेल्सियस प्रति दशक) से बढ़कर 2019-23 के लिए 0.27 (सेल्सियस प्रति दशक) हो गई है। उन्होंने बताया कि महासागरों का तेजी से गर्म होना पृथ्वी की ऊर्जा में बढ़ते असंतुलन के कारण है, जिससे पृथ्वी द्वारा सूर्य से अवशोषित की जाने वाली ऊर्जा अंतरिक्ष में वापस जाने वाली ऊर्जा से अधिक होती है। उन्होंने कहा कि आंशिक रूप से ग्रीनहाउस गैस के बढ़ते स्तर के कारण 2010 के बाद से ऊर्जा असंतुलन लगभग दोगुना हो गया है।

महासागरों के गर्म होने की दर बढ़ी पृथ्वी अब पहले की तुलना में कम सूर्य के प्रकाश को अंतरिक्ष में परावर्तित कर रही है। टीम ने विश्लेषण में पाया कि 2023 और 2024 की शुरुआत में अनुभव की गई रिकार्ड तोड़ गर्मी का लगभग आधा (44 प्रतिशत) महासागरों के तेजी से गर्म होने के कारण हो सकता है। वैश्विक महासागर का तापमान 2023 और 2024 की शुरुआत में लगातार 450 दिनों तक रिकार्ड ऊंचाई पर रहने के लिए जाना जाता है। शोधकर्ताओं ने कहा कि रिकार्ड गर्मी में योगदान देने वाले अन्य कारकों में प्रशांत क्षेत्र में एक प्राकृतिक वार्मिंग घटना एल नीनो शामिल है। हाल में आए एल नीनो की तुलना 2015-16 से करते हुए जिसे अब तक का सबसे शक्तिशाली माना जाता है। शोध टीम ने पाया कि 2023-24 के दौरान अनुभव की गई रिकार्ड गर्मी का शेष भाग समुद्र की सतह के गर्म होने की दर से समझाया गया था, जो पिछले 10 वर्षों में पहले के दशकों की तुलना में अधिक तेज थी। शोध लेखकों ने कहा कि पिछले 40 वर्षों में देखी गई महासागर के तापमान में वृद्धि अगले 20 वर्षों में ही पार हो सकती है। उन्होंने कहा कि महासागरों के गर्म होने में यह तेजी भविष्य में और भी अधिक तेजी से तापमान वृद्धि को रोकने और जलवायु को स्थिर करने के लिए जीवाश्म ईंधन के जलने को कम करने की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित करती है।

हवा से आक्सीजन के अलावा भी मिलते हैं पोषक तत्व

विजय गर्ग

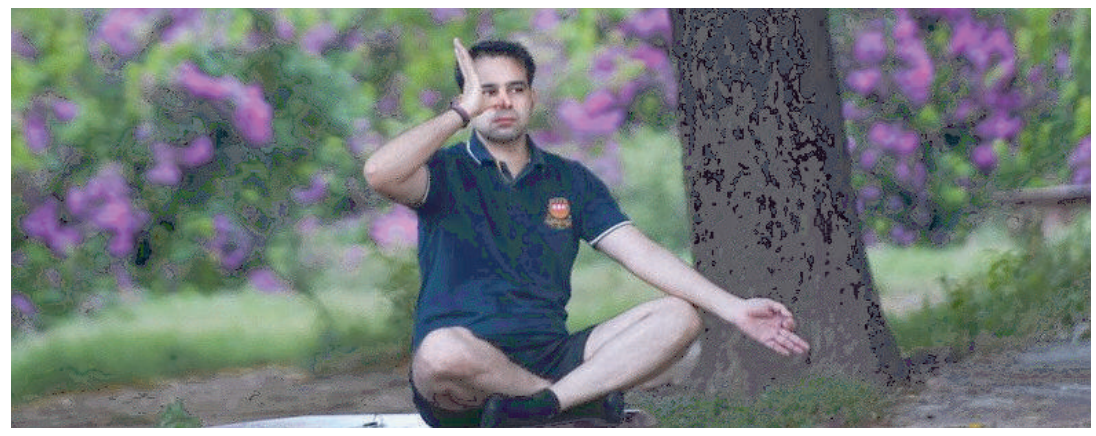

ताजी हवा सेहत के लिए फायदेमंद है, यह कोई नई बात नहीं है। हजारों सालों से विभिन्न संस्कृतियों ने प्रकृति और ताजी हवा को स्वास्थ्यवर्धक माना है। हरे भरे बगीचों में सैर करते हुए हम एक नई ताजगी महसूस करते हैं। ताजी हवा में हमारे लिए बहुत कुछ होता है। हम इसके लाभों से पूरी तरह से अवगत नहीं हैं। आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि मनुष्य हवा से भी कुछ पोषक तत्व ग्रहण कर सकता है और वैज्ञानिकों ने इस बारे में पुख्ता सबूत भी जुटाए हैं। सांस के जरिए लिए जाने वाले पोषक तत्व एयरोन्यूट्रिएंट्स (हवाई पोषक तत्व) कहलाते हैं जबकि आंतों द्वारा अवशोषित किए जाने वाले तत्वों को गैस्ट्रोन्यूट्रिएंट्स कहा जाता है।

एडवांस इन न्यूट्रिशन में प्रकाशित एक नए अध्ययन में वैज्ञानिकों ने लिखा है कि सांस के जरिए हमारे आहार में जिंक, मैगनीज और आयोडीन जैसे जरूरी पोषक तत्वों को शामिल किया जा सकता है। हम प्रतिदिन लगभग 9,000 लीटर हवा अंदर लेते हैं। जीवन काल में 43.8 करोड़ लीटर हवा हमारे शरीर में पहुंचती है। खाने के विपरीत, सांस लेना कभी बंद नहीं होता। हवा के घटकों के संपर्क में आने की मात्रा समय के साथ बढ़ती जाती है, भले ही उनकी सांद्रता कम हो।

अभी तक वायु के स्वास्थ्य प्रभावों के बारे में अधिकांश शोध प्रदूषण पर केंद्रित रहे हैं। हमारे लिए क्या फायदेमंद हो सकता है, इस पर ध्यान देने के बजाय हमारा फोकस इस बात पर है कि क्या बुरा है। हवाई पोषक का विचार विज्ञान पर आधारित है। उदाहरण के लिए ऑक्सीजन तकनीकी रूप से एक पोषक तत्व है। सभी जानते हैं कि यह रासायनिक पदार्थ शरीर के बुनियादी कार्यों को बनाए रखने के लिए आवश्यक है।

हवाई पोषक तत्व मुख्य रूप से नाक, फेफड़े और गले के पीछे छोटी रक्त वाहिकाओं के नेटवर्क के माध्यम से अवशोषित होकर हमारे शरीर में प्रवेश करते हैं। फेफड़े आंत की तुलना में कहीं अधिक बड़े अणुओं को अवशोषित कर सकते हैं। ये अणु 260 गुना बड़े होते हैं। ये अणु रक्तप्रवाह और मस्तिष्क में अवशोषित होते हैं। सांस के जरिए ली जाने वाली दवाएं जैसे कोकेन, निकोटीन और एनेस्थेटिक दवाएं कुछ ही सेकंड में शरीर में प्रवेश कर जाती हैं। वे मुंह से ली जाने वाली दवाओं की तुलना में बहुत कम सांद्रता पर प्रभावी होती हैं। इसकी तुलना में आंत एंजाइम और एसिड के साथ पदार्थों को उनके सबसे छोटे भागों में विभक्त कर देती है। आंत स्टार्च, शर्करा और अमीनो एसिड को ग्रहण करने में बहुत अच्छी है, लेकिन यह कुछ खास प्रकार की दवाओं को लेने में इतनी अच्छी नहीं है। वास्तव में, वैज्ञानिक दवाओं को बेहतर बनाने की कोशिश कर रहे हैं ताकि हम उन्हें मुंह से प्रभावी ढंग से ले सकें।

सांस के जरिए महत्वपूर्ण तत्वों के शरीर में प्रवेश का विचार नया नहीं है। 1960 के दशक के शोध में पाया गया कि हवा में आयोडीन के संपर्क में आने वाले कपड़े धोने वाले कर्मचारियों के रक्त और मूत्र में आयोडीन का स्तर अधिक था। हाल ही में, आयरलैंड के शोधकर्ताओं ने समुद्री शैवाल से समृद्ध तटीय क्षेत्रों के पास रहने वाले स्कूली बच्चों का अध्ययन किया, जहां वायुमंडलीय आयोडीन गैस का स्तर बहुत अधिक था। इन बच्चों के मूत्र में काफी अधिक आयोडीन था और कम समुद्री शैवाल वाले तटीय क्षेत्रों या ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले बच्चों की तुलना में उनमें आयोडीन की कमी होने की संभावना कम थी। उनके आहार में आयोडीन में कोई अंतर नहीं था। इससे पता चलता है कि हवा में मौजूद आयोडीन विशेष रूप से बहुत अधिक समुद्री शैवाल वाले स्थानों में मौजूद आयोडीन आहार में इस तत्व के पूरक के रूप में काम आ सकती है। यह इसे एक एरोन्यूट्रिएंट बनाता है जिसे हमारा शरीर सांस के माध्यम से अवशोषित कर सकता है। गंध की इंद्रिय और श्वसन प्रणाली में सिलिया (बाल जैसी संरचना) में विशेष रिसेप्टर्स होते हैं जो संभावित एरोन्यूट्रिएंट्स की श्रृंखला से बंध सकते हैं। इनमें कोलीन, विटामिन सी, कैल्शियम, मैगनीज, मैग्नीशियम, आयरन और यहां तक कि अमीनो एसिड जैसे पोषक तत्व शामिल हैं।

70 साल पहले प्रकाशित शोध से पता चला कि स्प्रे के रूप में विटामिन बी12 का प्रयोग इस विटामिन की कमी का इलाज कर सकता है। यह उन लोगों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है जिनमें बी12 की कमी की दर अधिक है। इनमें शाकाहारी, वृद्ध लोग, डायबिटीज़ से पीड़ित लोग और अत्यधिक शराब का सेवन करने वाले लोग शामिल हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि मैगनीज और जिंक नाक में गंध को महसूस करने वाली स्नायु कोशिकाओं के माध्यम से मस्तिष्क में प्रवेश कर सकते हैं। मैगनीज एक आवश्यक पोषक तत्व है, लेकिन इसका बहुत अधिक सेवन मस्तिष्क को नुकसान पहुंचा सकता है। यह वेल्डर में देखा जाता है, जो हवा से उच्च स्तरों के संपर्क में आते हैं और उनमें मैगनीज का जमाव हानिकारक स्तर पर होता है।

एयरोन्यूट्रिएंट्स के बारे में अभी भी बहुत सी अज्ञात बातें हैं। सबसे पहले, हमें यह पता लगाना होगा कि हरे भरे स्थानों, जंगलों, समुद्र और पहाड़ों जैसी प्राकृतिक सेटिंग्स में हवा के कौन से घटक स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद हैं। आज तक, शोध मुख्य रूप से विषाक्त पदार्थों और पराग जैसे एलर्जी कारकों पर केंद्रित रहा है। हमें यह निर्धारित करने की आवश्यकता होगी कि हवा से कौन से घटक एरोन्यूट्रिएंट्स के रूप में वर्गीकृत किए जा सकते हैं। यह देखते हुए कि स्प्रे के रूप में विटामिन बी12 पहले प्रभावी साबित हुआ है, आगे की शोध से यह पता लगाया जा सकता है कि क्या विटामिन डी जैसे अन्य सूक्ष्म पोषक तत्वों को स्प्रे में बदल कर पोषक तत्वों की कमी को दूर किया जा सकता है।

दुख की बात यह है कि ताजी हवा के महत्व को समझते हुए भी हम हवा को प्रदूषित होने से नहीं रोक पा रहे हैं। उत्तरी भारत में हर साल सर्दियां आरम्भ होते ही हवा प्रदूषित होने लगती है और आकाश में सूक्ष्म पदार्थ अथवा पार्टिकुलेट मैटर की मात्रा बढ़ती जाती है। अधिकांश शहरों में एयर क्वालिटी इंडेक्स लगातार बढ़ता जाता है। कई लोगों को सांस संबंधी तकलीफ होने लगती हैं। हवा का भरपूर लाभ उठाने के लिए उसका स्वच्छ होना जरूरी है। मौसमी कारणों से होने वाले वायु प्रदूषण को रोकना बहुत मुश्किल है लेकिन हम इंसानी गतिविधियों पर अंकुश लगाकर हवा में प्रदूषित तत्वों की मौजूदगी को जरूर कुछ कम कर सकते हैं

ट्रंप के टैरिफ वॉर में भारत का फायदा, अमेरिका के साथ चीन में भी निर्यात बढ़ाने का मौका

परिवहन विशेष न्यूज

चालू वित्त वर्ष 2024-25 के अप्रैल-दिसंबर में भारत ने चीन को सिर्फ 10.44 अरब डॉलर का निर्यात किया। इस अवधि में भारत ने चीन से 84.16 अरब डॉलर का आयात किया था। अप्रैल-दिसंबर में भारत अमेरिका को 60 अरब डॉलर का निर्यात कर चुका है। भारत सबसे अधिक निर्यात अमेरिका में ही करता है। मौजूदा ट्रेड वॉर से उसके पास अमेरिका और चीन में निर्यात बढ़ाने का मौका है।

नई दिल्ली। अमेरिका की नवगठित डोनाल्ड ट्रंप सरकार के फैसलों से दुनिया टैरिफ (शुल्क) वॉर की चपेट में आती दिख रही है। भारत भी इससे अछूता नहीं रहेगा। फिलहाल भारत इसे अवसर के रूप में देख रहा है क्योंकि चीन की वस्तुओं पर अमेरिका ने 10 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाया है जिससे चीन की वस्तुएं अमेरिका में महंगी हो जाएंगी।

इससे भारतीय वस्तुओं की मांग अमेरिका में बढ़ सकती है क्योंकि भारतीय वस्तुएं अमेरिका में चीन की वस्तुओं की तुलना में सस्ती होंगी। अमेरिका में चीन के विरुद्ध राष्ट्रीय स्तर पर माहौल बन रहा है, इससे भी भारतीय वस्तुओं की बिक्री अमेरिका में बढ़ सकती है।

दूसरी तरफ चीन ने भी जवाबी कार्रवाई में अमेरिका से आने वाली वस्तुओं पर 15 प्रतिशत तक का अतिरिक्त शुल्क लगा दिया है। इससे चीन के बाजार में अमेरिकी वस्तुएं महंगी होंगी और यहां भी भारत को अपने निर्यात बढ़ाने का मौका मिलेगा।

चालू वित्त वर्ष 2024-25 के अप्रैल-दिसंबर में भारत ने चीन को सिर्फ 10.44 अरब डॉलर का निर्यात किया, जबकि इस अवधि में भारत ने चीन से 84.16 अरब डॉलर का आयात किया था। अप्रैल-दिसंबर में भारत अमेरिका को 60 अरब डॉलर का निर्यात कर चुका है। भारत सबसे अधिक निर्यात अमेरिका में ही करता है।

क्या है ट्रेड एक्सपर्ट की राय

फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशंस (फियो) के महानिदेशक एवं सीईओ अजय सहाय ने बताया कि ट्रंप के पहले कार्यकाल में चीन से होने वाले ट्रेड वॉर का फायदा भारत को मिला था। अमेरिकी बाजार में हमारा निर्यात 57 अरब डॉलर से बढ़कर 73 अरब डॉलर का हो गया।

उन्होंने कहा कि इस बार भी हमें इस टैरिफ वार का फायदा मिल सकता है और निर्यात बढ़ोतरी पूरी तरह से हमारी आपूर्ति क्षमता पर निर्भर करेगी। आपूर्ति क्षमता अधिक होगी तो हम अधिक निर्यात कर पाएंगे। निर्यातक अमेरिका से मिलने वाले आर्डर को लेकर काफी सकारात्मक दिख रहे हैं।

चीन अमेरिका को 12 अरब डालर का फुटवियर तो 19 अरब डॉलर का गारमेंट निर्यात करता है। सभी वस्तुओं को मिलाकर चीन अमेरिका में 550 अरब डॉलर का निर्यात करता है। वहीं, भारत का कुल निर्यात 440 अरब डॉलर का है। भारत अगर चीन के निर्यात का एक प्रतिशत भी झटकने में कामयाब हो जाता है, तो तत्काल रूप से हमारा निर्यात 5.5 अरब डॉलर बढ़ जाएगा।

भारत को तैयारी की जरूरत

चीन को भारत मुख्य रूप से कच्चे माल का निर्यात करता है, इसलिए चीन के बाजार में निर्यात बढ़ाने के लिए भारत को वहां की जरूरत के हिसाब से उत्पाद निर्माण की तैयारी करनी होगी। अमेरिका ने फिलहाल मेक्सिको पर लगाए गए शुल्क को एक माह के लिए स्थगित कर दिया है, लेकिन मेक्सिको पर लगने वाले शुल्क से भारत को निर्यात बढ़ाने का मौका मिल सकता है।

मेक्सिको मुख्य रूप से खाद्य वस्तुओं का निर्यात अमेरिका को करता है। इससे भारत को अपने प्रोसेस्ड फूड आइटम के निर्यात को अमेरिका में बढ़ाने का अवसर मिल सकता है। बजट में एक्सपोर्ट प्रमोशन मिशन की घोषणा की गई है और वाणिज्य मंत्रालय इस मिशन के तहत अमेरिकी बाजार में भारतीय निर्यात को बढ़ाने की कोशिश में जुट गया है।

निर्यातकों के मुताबिक अगर अमेरिका ने भारतीय वस्तुओं पर अतिरिक्त शुल्क लगाने की घोषणा कर दी तो निश्चित रूप से इससे भारतीय निर्यात प्रभावित होगा। हालांकि इस आशंका से भारत ने अमेरिका से आने वाली कई वस्तुओं पर लगने वाले शुल्क में कमी की घोषणा बजट में कर दी है।

न्यू टैक्स रिजीम में 14.65 लाख रुपये की इनकम हो जाएगी टैक्स फ्री; समझ लीजिए पूरा कैलकुलेशन

परिवहन विशेष न्यूज

नई कर व्यवस्था वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट 2025 में 12 लाख की सालाना कमाई को टैक्स फ्री कर दिया है। लेकिन अगर आप सही तरीके से प्लानिंग करें तो आप 12 लाख रुपये से ज्यादा इनकम पर भी टैक्स बचा सकते हैं। टैक्स एक्सपर्ट के मुताबिक 14.65 लाख रुपये तक की सालाना कमाई पर भी टैक्स जीरो किया जा सकता है। आइए इसका पूरा कैलकुलेशन समझते हैं।

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट में आम जनता को बड़ी राहत दी। उन्होंने 12 लाख रुपये तक की सालाना आय को टैक्स फ्री कर दिया। इससे खासकर मिडिल क्लास को काफी फायदा होगा। साथ ही, अच्छे से प्लानिंग करने पर आप 12 से अधिक की कमाई पर भी टैक्स बचा सकते हैं। टैक्स एक्सपर्ट का मानना है कि 14.65 लाख रुपये की CTC (कॉस्ट टु कंपनी) को बड़े आराम से टैक्स फ्री किया जा सकता है।

कैसे टैक्स फ्री होगी 14.65 लाख रुपये की इनकम

अब मान लीजिए कि आपकी सालाना सैलरी 14.65 लाख रुपये है। इसमें से आधा पैसा यानी 50 फीसदी बेसिक सैलरी में जाती है। वहीं, बाकी 50 फीसदी अन्य मदों और अलाउंस के रूप में मिलती है। हम बेसिक सैलरी वाली रकम के हिसाब से आगे टैक्स डिडक्शन की कैलकुलेशन करेंगे।

टैक्स छूट का पूरा कैलकुलेशन

अगर कंपनी बेसिक सैलरी के 12 फीसदी रकम का अंशदान कर्मचारी भविष्य निधि में करती है, तो उस पर टैक्स डिडक्शन क्लेम किया जा सकता है। यह 87,900 रुपये होगा। वहीं, नेशनल पेंशन सिस्टम (NPS) में कंपनी के योगदान पर भी टैक्स छूट मिलती है। यह अंशदान बेसिक सैलरी का 14 फीसदी यानी 1,02,550 रुपये पर होगा। साथ ही, आपको न्यू टैक्स रिजीम में 75,000 का स्टैंडर्ड डिडक्शन मिलता है। यानी यह रकम सीधे पर आपकी टैक्सेबल इनकम से कम हो जाएगी।

इन सभी छूट का लाभ उठाने के बाद आपकी नेट टैक्सबेल इनकम 11,99,550 रुपये लाख रुपये हो जाएगी। सरकार ने 12 लाख रुपये तक की इनकम को टैक्स फ्री कर रखा है, तो इसका मतलब है कि आपको एक भी रुपया टैक्स नहीं देना होगा। लेकिन, आपको ध्यान रखना होगा कि यह व्यवस्था अगले वित्त वर्ष यानी 2025-26 से लागू होगी।

कुल कितने रुपये बचेगा टैक्स

अगर आप सरकार 12 लाख रुपये तक की इनकम टैक्स फ्री नहीं करती और ईपीएस व एनपीएस पर भी टैक्स डिडक्शन का लाभ नहीं देती, तो 14.65 लाख रुपये की सालाना कमाई भारी टैक्स देना पड़ता। न्यू टैक्स रिजीम के हिसाब से देखें, तो 4 से 8 लाख रुपये तक की कमाई पर 5 फीसदी टैक्स (20 हजार रुपये) लगेगा।

वहीं 8 से 12 लाख रुपये तक की कमाई पर 10 फीसदी टैक्स (40 हजार रुपये) 12 से 14.65 लाख की कमाई पर 15 फीसदी टैक्स लगेगा। इसमें 75 हजार रुपये स्टैंडर्ड डिडक्शन हटा दें, तो 1.90 लाख रुपये पर 15 फीसदी टैक्स यानी 28,500 रुपये लगेगा। इस तरह कुल टैक्स देनदारी 88,500 रुपये होगी, जिसे आप आसानी से बचा सकते हैं।

EPS और NPS की भूमिका अहम

इनकम टैक्स के सेक्शन 80सीसीडी(1) के तहत Employee Pension Scheme (EPS) पर और 80सीसीडी(2) के तहत NPS में अंशदान पर टैक्स छूट मिलती है। हालांकि, न्यू टैक्स रिजीम में यह छूट सिर्फ कंपनी के योगदान पर मिलती है, क्योंकि इसे सीधी आपकी इनकम माना जाता है। इसलिए इस पर आपको टैक्स छूट का दावा करने की इजाजत रहती है।

एनपीएस यानी नेशनल पेमेंट सिस्टम एक रिटायरमेंट प्लान है। इस सरकारी योजना से जुड़ने वालों को रिटायरमेंट के बाद पेंशन मिलती है। इसमें अंशदान को मार्केट में निवेश किया जाता है और उससे मिलने वाले रिटर्न को पेंशन के तौर पर दिया जाता है। एनपीएस की शुरुआत 2004 में हुई थी। इसे आम लोगों के लिए 2009 में खोला गया था।

रतन टाटा के बेहद करीब थे शांतनु, अब टाटा मोटर्स में मिली बड़ी जिम्मेदारी

रतन टाटा के करीबी दोस्त शांतनु नायडू को टाटा मोटर्स में बड़ी जिम्मेदारी मिली है। उन्होंने लिंक डइन पर एक इमोशनल पोस्ट किया है। अपने पोस्ट में नायडू ने लिखा मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि मैं टाटा मोटर्स में महाप्रबंधक प्रमुख -रणनीतिक पहल के रूप में एक नया पद शुरू कर रहा हूं!। बता दें कि दोनों के बीच रिश्ता बहुत गहरा था।

नई दिल्ली। रतन टाटा के करीबी दोस्त शांतनु नायडू को टाटा मोटर्स में बड़ी जिम्मेदारी मिली है। शांतनु नायडू ने लिंक्डइन पोस्ट के जरिए ये जानकारी दी है। उन्होंने लिंक्डइन पर एक इमोशनल पोस्ट किया है। अपने पोस्ट में, नायडू ने लिखा, 'मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि मैं टाटा मोटर्स में महाप्रबंधक, प्रमुख - रणनीतिक पहल के रूप में एक नया पद शुरू कर रहा हूं!'

कंपनी के साथ अपने व्यक्तिगत संबंध पर विचार करते हुए उन्होंने कहा, 'मुझे याद है जब मेरे पिता अपनी सफेद शर्ट और नेवी पैंट में टाटा मोटर्स प्लांट से घर जाते थे और मैं खिड़की पर उनका इंतजार करता था। अब पूरा सर्किल पूरा हो गया है।'

नायडू ने नैनो के साथ शेयर की फोटो

अपने हार्दिक शब्दों के साथ, नायडू ने टाटा नैनो के साथ अपनी एक फोटो शेयर की, जो कि भारत में रतन टाटा के किफायती गतिशीलता के नजरिए से जुड़ी हुई कार है।

रतन टाटा से खास रिश्ता

रतन टाटा के साथ नायडू का जुड़ाव सिर्फ पेशेवर से कहीं अधिक था। यह बेहद व्यक्तिगत था। जब रतन टाटा ने अपनी वसीयत में नायडू का नाम लिया, तो उनके बीच संबंध और अधिक मजबूत हो गए। एक रिपोर्ट के अनुसार, टाटा ने नायडू के सहयोगी गुडफेलोज में अपनी हिस्सेदारी छोड़ दी और उनके शिक्षा ऋण भी माफ कर दिए।

नायडू ने अपने गुरु को दी श्रद्धांजलि

9 अक्टूबर, 2024 को मुंबई में थोड़े समय के लिए अस्पताल में भर्ती रहने के बाद रतन टाटा के निधन के बाद, नायडू ने अपने गुरु को एक मार्मिक श्रद्धांजलि शेयर की। नायडू ने दोनों की एक साथ फोटो पोस्ट करते हुए लिखा,

इस दोस्ती ने अब मुझमें जो कमी छोड़ दी है, मैं उसे भरने की कोशिश में अपनी बाकी जिंदगी बिता दूंगा। दुःख प्यार के लिए चुकाई जाने वाली कीमत है। अलविदा, मेरे प्रिय प्रकाशस्तंभ।

अमेरिकी सरकार का हो जाएगा टिकटॉक? चीन पर दबाव के लिए क्या प्लान बना रहे ट्रंप

परिवहन विशेष न्यूज

अमेरिकी सरकार अब खुद टिकटॉक को खरीदने का प्लान बना रही है। डोनाल्ड ट्रंप ने इसके लिए नया प्लान बना रहे हैं। टिकटॉक को खरीदने का काम का अमेरिका का नया सॉवरेन वेल्थ फंड करेगा। अगर यह प्लान सफल रहता है तो इसका इस्तेमाल चीन की दूसरी पर भी दबाव बनाने के लिए किया जा सकता है। इसका मकसद अमेरिकी इकोनॉमी को मजबूत करना भी है।

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार दुनियाभर के देशों पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं। इसके लिए वे टैरिफ वॉर और दूसरे सख्त तरीके अपना आ रहे हैं। उनके सबसे ज्यादा निशाने पर चीन है, जो अमेरिका के बाद दुनिया की दूसरे सबसे बड़ी इकोनॉमी भी है। ट्रंप ने चीन से होने वाले आयात पर 10 फीसदी टैरिफ का एलान किया है और अब वह चीन की टिकटॉक को खरीदने का भी प्लान बना रहे हैं।

ट्रंप ने एक सॉवरेन वेल्थ फंड बनाने का आदेश दिया है। इसकी रकम का इस्तेमाल टिकटॉक जैसी कंपनियों में निवेश किया जा सकेगा। इस फंड की कुल राशि 900 बिलियन डॉलर (करीब 78.37 लाख करोड़ रुपये) हो सकती है। अगर ट्रंप सॉवरेन फंड के जरिए टिकटॉक का मालिकाना हक अमेरिका के पास लाने सफल रहते हैं, तो इस रणनीति का इस्तेमाल अमेरिकी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और चीन की कंपनियों पर आर्थिक दबाव बनाने के लिए किया जाएगा।

सॉवरेन वेल्थ फंड क्या होता है?

सॉवरेन यह एक सरकारी निवेश कोष होता है, जो शेयर बाजार, रियल एस्टेट और अन्य संपत्तियों में निवेश करता है। कई देशों के पास पहले से सॉवरेन फंड हैं। इनमें सऊदी अरब, चीन, सिंगापुर, नॉर्वे और कतर शामिल हैं। हालांकि, अमेरिका में अभी तक ऐसा कोई राष्ट्रीय फंड नहीं था। अब अमेरिका भी इस फंड के जरिए विदेशी कंपनियों में निवेश कर सकता है या अमीर निवेशकों के साथ साझेदारी कर सकता है।

टिकटॉक में हिस्सेदारी क्यों चाहता है अमेरिका?

ट्रंप प्रशासन का मानना है कि अगर अमेरिका अपने सॉवरेन फंड से टिकटॉक में 50 फीसदी हिस्सेदारी खरीद लेता है, तो यह राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बेहतर होगा। टिकटॉक की मालिक चीनी कंपनी बाइटडांस को अमेरिकी कानून के तहत अपना अमेरिकी कारोबार बेचना होगा। AI स्टार्टअप Perplexity AI ने टिकटॉक को अमेरिका की कंपनी बनाने का प्रस्ताव भी दिया है। अमेरिकी वित्त मंत्री जेनेट येलेन के अनुसार, फंड अगले एक साल में शुरू किया जा सकता है।

अमेरिका के लिए यह फैसला क्यों अहम है?

अमेरिकी सरकार का चीन की टिकटॉक के साथ लंबे समय से डेटा सिक्योरिटी को लेकर विवाद था।

ट्रंप ने पहले टिकटॉक को 75 दिनों के भीतर किसी अमेरिकी कंपनी को बेचने की चेतावनी दी थी।

अब ट्रंप सॉवरेन फंड के जरिए अमेरिका की डिजिटल सुरक्षा और आर्थिक प्रभाव को मजबूत करना चाहते हैं।

अगर यह योजना सफल रही, तो अमेरिका टिकटॉक के अमेरिकी ऑपरेशंस में पूरी तरह से नियंत्रण कर सकता है।

RBI देगा बड़ी राहत? एक्सपर्ट बोले- इस बार ब्याज दरों में हो सकती है कटौती

परिवहन विशेष न्यूज

आरबीआई के नवनियुक्त गवर्नर संजय मल्होत्रा बुधवार से शुरू होने वाली अपनी पहली एमपीसी की बैठक की अध्यक्षता करेंगे। छह सदस्यीय समिति के फैसले की घोषणा सात फरवरी शुक्रवार को की जाएगी। विशेषज्ञों की राय है कि मौजूदा स्थिति नीतिगत दर में कटौती के लिए अनुकूल है क्योंकि यह खपत आधारित मांग वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए केंद्रीय बजट में घोषित उपायों के पूरक के रूप में काम करेगा।

नई दिल्ली। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की दो महीने पर होने वाली बैठक बुधवार (5 फरवरी) को शुरू हो गई। उम्मीद है कि इस बार एमपीसी शुक्रवार को होने वाली मौद्रिक नीति समीक्षा में नीतिगत दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती कर सकती है। अगर ऐसा होता है तो कर्ज सस्ता होने का दौर एक बार फिर शुरू हो सकता है।

आरबीआई ने इससे पहले मई, 2020 में रेपो रेट को 0.40 प्रतिशत घटाकर चार प्रतिशत किया था। इसका मकसद यह सुनिश्चित करना था कि अर्थव्यवस्था को कोरोना महामारी और उसके बाद के लॉकडाउन के संकट से निपटने में मदद मिल सके। आरबीआई ने मई, 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध के मद्देनजर नीतिगत दर में वृद्धि का सिलसिला शुरू किया था और मई, 2023 में वृद्धि पर रोक लगी। अभी रेपो रेट 6.5 प्रतिशत है।

आरबीआई के नवनियुक्त गवर्नर संजय मल्होत्रा बुधवार से शुरू होने वाली अपनी पहली मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक की अध्यक्षता करेंगे। छह सदस्यीय समिति के फैसले की घोषणा सात फरवरी शुक्रवार को की जाएगी। विशेषज्ञों की राय है कि मौजूदा स्थिति नीतिगत दर में कटौती के लिए अनुकूल है क्योंकि यह खपत आधारित मांग वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए केंद्रीय बजट में घोषित उपायों के पूरक के रूप में काम करेगा।

एसबीआई की एक शोध रिपोर्ट में कहा गया है कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआइ) आधारित खुदरा मुद्रास्फीति चौथी तिमाही में घटकर 4.5 प्रतिशत और चालू वित्त वर्ष में औसतन 4.8 प्रतिशत पर रहने की उम्मीद है। इसमें यह भी कहा गया है कि जनवरी के मुद्रास्फीति आंकड़े 4.5 प्रतिशत के आसपास बने हुए हैं।

गोल्डमैन सैक्स को 0.25 प्रतिशत कटौती की उम्मीद

प्रतिष्ठित गोल्डमैन सैक्स का मानना है कि आरबीआई रेपो रेट में 0.25 प्रतिशत की कटौती कर सकता है। उसका मानना है कि बढ़ती वैश्विक अनिश्चितताओं के चलते कटौती आवश्यक है। वैश्विक वित्तीय फर्म के भारत के अर्थशास्त्री शांतनु सेनगुप्ता के मुताबिक, भविष्य अनिश्चित बना हुआ है और नीति निर्माताओं को विभिन्न आर्थिक कारकों का सावधानीपूर्वक प्रबंधन करने की आवश्यकता होगी।

उन्होंने एक मीडिया रिपोर्ट का उल्लेख करते हुए कहा कि वैश्विक आर्थिक परिवर्तन और टैरिफ समायोजन से मुद्रास्फीति में मामूली वृद्धि हो सकती है, लेकिन अन्य देशों की तुलना में भारत पर इसका प्रभाव कम होने की संभावना है।

क्या है इंडस्ट्री और एक्सपर्ट की राय?

सिग्नेचर ग्लोबल (इंडिया) लिमिटेड के फाउंडर और चेयरमैन प्रदीप अग्रवाल का कहना है कि आरबीआई आगामी एमपीसी मीटिंग रेपो रेट कट कर सकता है। यह भारत की आर्थिक गति को आकार देने में एक महत्वपूर्ण कदम हो सकता है। खासकर, जब केंद्रीय बजट 2025 से खपत और निवेश को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। रियल एस्टेट क्षेत्र में, इस तरह के नीतिगत बदलाव से अधिक किफायती होम लोन मिल सकते हैं, जिससे लोगों की आवास खरीदने की क्षमता बेहतर होगी और डिमांड को बढ़ावा मिलेगा।

गोल्डन ग्रोथ फंड (जीजीएफ) के सीईओ अंकुर जालान का मानना है कि यह ब्याज दरों में कटौती करने का यह आदर्श समय है। यह खपत को प्रोत्साहित करने और रियल एस्टेट सहित सभी क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधि को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि भू-राजनीतिक गतिविधियां प्रमुख उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं के चुनौतियां बढ़ा रही हैं। ऐसे में और आरबीआई की ओर से सक्रिय उपाय देश की आर्थिक संभावनाओं को अनचाही मुश्किलों से बचाएंगे।

गुरुग्राम स्थित प्रॉपर्टी कंसल्टिंग फर्म इंफ्रा मंत्रा के डायरेक्टर और को-फाउंडर गर्वित तिवारी का कहना है कि आरबीआई से उम्मीद है कि वह शहरी खपत को बढ़ावा देने के लिए बजट में दिखाए गए रास्ते पर आगे बढ़ेगा, जिसमें गिरावट आई है। शीर्ष बैंक ने लगातार 11वीं बार ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया है। भारत की घटती जीडीपी वृद्धि दर को देखते हुए, इस समय दरों में कटौती से रियल एस्टेट क्षेत्र को मदद मिलेगी।

कब बढ़ेगा 7वें वेतन आयोग का महंगाई भत्ता, कितनी हो जाएगी सैलरी; समझें पूरा कैलकुलेशन

परिवहन विशेष न्यूज

डीए बढ़ोतरी समाचारअभी सरकारी कर्मचारियों को 7वें वेतन आयोग के तहत सैलरी मिलती है। इसके तहत DA का कैलकुलेशन AICPI (All India Consumer Price Index) के आधार पर होता है। इस बार जुलाई से दिसंबर 2024 तक के AICPI इंडेक्स के डेटा से तय होगा कि सरकार महंगाई भत्ते में कितनी बढ़ोतरी करेगी। आइए जानते हैं कि डीए कितना बढ़ेगा और इसका एलान कब होगा।

नई दिल्ली। 8वें वेतन आयोग (8th pay commission) को मंजूरी के बाद सरकारी कर्मचारियों को जल्द ही एक और खुशखबरी मिल सकती है। उनके महंगाई भत्ते (Dearness Allowance-DA) में इजाफे का एलान जल्द हो सकता है। इसका लाभ सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों दोनों को मिलेगा। आइए जानते हैं कि डीए यानी महंगाई भत्ता की गणना कैसे होती है और इसका एलान कब तक हो सकता है।

DA कैलकुलेशन कैसे होता है?

अभी सरकारी कर्मचारियों को 7वें वेतन आयोग के तहत सैलरी मिलती है। इसके तहत DA का कैलकुलेशन AICPI (All India Consumer Price Index) के आधार पर होता है। इस बार जुलाई से दिसंबर 2024 तक के AICPI इंडेक्स के डेटा से तय होगा कि सरकार महंगाई भत्ते में कितनी बढ़ोतरी करेगी। यह डेटा बताता है कि सरकार डीए 3 फीसदी बढ़ा सकती है।

डीए में बढ़ोतरी का एलान कब होगा?

सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को जुलाई 2024 से 53 फीसदी महंगाई भत्ता मिल रहा है। अगर पिछले वर्षों का रुझान देखें, तो सरकार होली से पहले मार्च में डीए बढ़ोतरी का एलान करती है। अगर मार्च डीए बढ़ने का एलान होता है, तो इसे 1 जनवरी 2025 से लागू माना जाएगा। इसका मतलब है कि सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को 2 महीने का डीए एरियर के साथ मिलेगा।

कितनी हो जाएगी सैलरी?

सरकारी कर्मचारियों की सैलरी में कितना इजाफा होगा, यह उनके मौजूदा वेतन पर निर्भर करता है। सरकार डीए को 53 फीसदी से बढ़ाकर 56 फीसदी कर सकती है। इसका मतलब है कि कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में 3 फीसदी और जुड़े जाएंगे। जैसे कि अभी किसी कर्मचारी को 15,000 प्रति महीना महंगाई भत्ता मिल रहा है, तो यह बढ़कर 15,450 रुपये हो जाएगा। यानी उन्हें 450 रुपये प्रति महीना के हिसाब से अधिक मिलेंगे।

डीए बढ़ोतरी का पैसा कब आएगा?

7th Pay Commission के तहत DA का रिवीजन साल में दो बार होता है। पहली बार जनवरी और दूसरी बार जुलाई में। यह रिवीजन AICPI इंडेक्स के औसत पर आधारित होता है। सरकार इसे होली से पहले जारी करके सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को त्योहारी तोहफा दे सकती है। हालांकि, अगर डीए बढ़ोतरी का एलान मार्च में होगा, तो पैसा मार्च या फिर अप्रैल की सैलरी के साथ आ सकता है।

किताबों और अखबारों को बनाइए अपना साथी, ज़िन्दिगी को जीने और देखने का बदल जाएगा नज़रिया

विडंबना यह है कि बहुत से माता-पिता भी यही मानते हैं कि चुटकुले, मनोरंजन, रील बनाना और जो चाहे खाना, ये सब जीवन में ख़ुशी और आनंद की कुंजी हैं। इस उपभोक्तावादी मानसिकता के परिणामस्वरूप युवाओं का ज्ञान और मूल्यों का अधिग्रहण लगभग बंद हो गया है। हालाँकि, चूँकि घरों में अखबार, पत्रिकाएँ या किताबें नहीं हैं, इसलिए युवाओं को ही दोष देना अनुचित है। अगर कोई किताब, अख़बार या पत्रिका है, तो बच्चा कम से कम तस्वीर तो देखेगा और आश्चर्य करना शुरू कर देगा। अब ऐसा भी नहीं है। अगर माता-पिता प्रमुख पत्रिकाओं और अखबारों के नामों की भी परवाह नहीं करते हैं, तो इसमें युवाओं का क्या दोष है? जब तक माता-पिता ध्यान नहीं करेंगे, तब तक यह समस्या हल नहीं होगी। चूँकि अधिकांश माता-पिता ख़ुद कुछ नहीं पढ़ते हैं, तो वे क्या और किससे बात करेंगे?

-डॉ सत्यवान सौरभ

युवा लोगों में इंटरनेट के बढ़ते इस्तेमाल की वजह से किताबों में दिलचस्पी कम होती जा रही है। फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप और दूसरे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की वजह से युवा भारतीयों की पढ़ने की आदत में तेजी से बदलाव आ रहा है। स्मार्टफोन और लगभग मुफ्त इंटरनेट सेवाओं के प्रसार ने आदत बदलने की इस प्रक्रिया को और तेज कर दिया है। इंस्टेंट मैगी युवा पीढ़ी का हिस्सा है। नतीजतन वे अपने जीवन को मैनेज करने के लिए गूगल का इस्तेमाल करते हैं। मेहनत, धैर्य और लगन से काम करके पुरानी पीढ़ी, जो कभी किताबें पढ़ती थी, अपने जीवन को मकसद देती थी। किताबें समस्या-समाधान के लिए बहुत ज़रूरी थीं, खासकर आत्मकथाएँ। पहले माता-पिता भी किताबें पढ़ने का सुझाव देते थे। अगर आप अभी किताबें और अख़बार नहीं पढ़ते हैं तो आज से ही पढ़ने की आदत डालें। आप शायद किताबें पढ़ने के इतने फायदों से वाक़िफ़ नहीं हैं। आजकल, जब युवा पीढ़ी सुबह उठती है, तो वे समाचार पत्र पढ़ने के बजाय सोशल मीडिया साइट्स ब्राउज़ करने के लिए अपने स्मार्टफ़ोन का उपयोग करना शुरू कर देते हैं। कोई भी टीवी शो कितना भी लोकप्रिय क्यों न हो, अब परिवार उसे देखने के लिए एक साथ इकट्ठा नहीं होता है जैसा कि वे पहले करते थे। इसके बजाय, वे अपने फ़ोन पर सोशल मीडिया ऐप के साथ ख़ुद को व्यस्त रखना जारी रखते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, डिजिटल उद्योग में और भी क्रांति आएगी। नतीजतन, जीवन और पढ़ने-लिखने की आदतों में बदलाव आए हैं, और आगे भी आयेंगे।

किताबें मनुष्य का सबसे अच्छा दोस्त माना जाता है। हालाँकि, आज की व्यस्त दुनिया में बहुत कम लोग हैं जो किताबें पढ़ते हैं। किताबें पढ़ना वास्तव में एक ऐसी आदत नहीं है जिसे मनोरंजन से जोड़ा जाना चाहिए। इसके बजाय, आपको इसे अपने दैनिक कार्यक्रम में शामिल करना चाहिए। यह देखते हुए कि किताबें लोगों को खुश करती हैं। जब पूछा जाता है कि उन्होंने आखिरी बार कब किताब पढ़ी थी, तो अधिकांश लोग हैरान दिखेंगे। स्कूल और कॉलेज में नामांकित छात्रों के अलावा, यह सवाल कामकाजी युवाओं द्वारा भी पूछा जाता है जो स्नातक होने के बाद अपने भविष्य को निर्धारित करने में सक्रिय रूप से शामिल होते हैं। आज की व्यस्त दुनिया में, लोग पढ़ने से परहेज कर रहे हैं। दुनिया के हर सफल और प्रशंसनीय व्यक्ति को किताबें पढ़ने की आदत होती है। किताबें इंसान की सबसे अच्छी दोस्त मानी जाती हैं। नियमित रूप से पढ़ना न केवल आपके स्वास्थ्य के लिए अच्छा है, बल्कि यह आपके ज्ञान को भी बढ़ाता है। यह जीवन और विचारों के प्रति व्यक्ति के दृष्टिकोण को भी बदलता है। इंटरनेट चाहे कितना भी लोकप्रिय क्यों न हो जाए, किताबें पढ़ना हमेशा सबसे अच्छा विकल्प रहेगा। किताबें पढ़ने के फायदों की बात करें तो वे बहुत हैं। जब आप कोई किताब पढ़ते हैं, तो आपका ध्यान एक क्षेत्र पर केंद्रित होता है। हर दिन पढ़ने की आदत से फोकस बेहतर होता है। किसी प्रोजेक्ट पर काम करने का मन भी करता है। अखबारों में राजनीति, विज्ञान, तकनीक, कला और संस्कृति सहित कई विषयों पर लेख प्रकाशित होते हैं, साथ ही जाने-माने लेखकों और विषय विशेषज्ञों के लेख भी होते हैं। नियमित रूप से पढ़ने वाले बच्चों को नया ज्ञान प्राप्त करने का मौका मिलता है।

ज्ञान की कमी के कारण आपको कई स्थितियों में चुप रहना पड़ता है। आप स्पष्ट रूप से बोलने में असमर्थ होते हैं या ऐसा करने में बहुत शर्म महसूस करते हैं। पढ़ने से ज्ञान और जानकारी बढ़ती है। जिसके आधार पर आप किसी भी विषय पर कहीं भी, किसी से भी चर्चा कर सकते हैं। किताबें पढ़ने से बोलने और संवाद करने का आत्मविश्वास बढ़ता है। कहा जाता है कि अच्छा लिखना, अच्छे बोलने से ही संभव होता है। किताबें पढ़ने से आप उन विचारों और रणनीतियों के बीच सम्बंध बनाना शुरू कर देते हैं, जिन पर वे चर्चा करते हैं अपने जीवन में। आप उन्हें उसी समय अपने जीवन में लागू करना शुरू कर देते हैं। आप किसी डरावनी या दुविधापूर्ण उपन्यास को पढ़ते ही उसके पात्रों और घटनाओं की कल्पना करना शुरू कर देते हैं। फिर आप उपन्यास को पूरा पढ़े बिना ही उसके अंत को समझने की कोशिश करने लगते हैं। वर्तमान पीढ़ी को समाचार पत्र पढ़ना सिखाना चुनौतीपूर्ण है, क्योंकि वे या तो अपने उपकरणों से मोहित हो जाते हैं या फिर फिक्शन पढ़ना पसंद करते हैं। समाचार पत्रों में तथ्यात्मक प्रस्तुति उनमें से अधिकांश के लिए थकाऊ और थका देने वाली होती है। हालाँकि, आप कुछ नए विचारों को लागू करके समाचार पत्र पढ़ना अपने बच्चे के पसंदीदा शगल में से एक बना सकते हैं और एक बार जब वह आदत विकसित कर लेता है, तो यह जीवन भर बनी रहेगी।

उपन्यास या कहानी की किताब पढ़ने के बाद आप उसके किरदार और सेटिंग को बहुत लंबे समय तक याद रख पाते हैं। रोजाना पढ़ने से आपकी याददाश्त और याददाश्त बेहतर होती है। हर दिन आपकी याददाश्त बेहतर होती जाती है। इस तरह दिमाग़ का विकास होता है। आपने शायद यह कहावत पढ़ी या सुनी होगी कि अगर आपको नींद नहीं आ रही है, तो सोने के लिए किताब पढ़ना शुरू कर दें। रात को सोने से पहले किताब पढ़ने से आपका दिमाग़ थका हुआ महसूस करता है और आपके दिमाग़ की नसों को आराम मिलता है, जिससे अच्छी नींद आती है। इसलिए, आराम से सोने के लिए हर दिन सोने से पहले पढ़ने की आदत डालें। एक इंसान की सच्ची दोस्त एक किताब होती है। वे आपके अकेलेपन से छुटकारा पाने में आपकी मदद करती हैं। जब भी आप बोर या अकेले हों, आपको पढ़ना चाहिए। नियमित रूप से पढ़ने से आपको नई ऊर्जा मिलती है। आपका मूड बदलता है और परिणामस्वरूप आप अधिक आराम महसूस करते हैं। यह ज़रूरी है कि युवा लोग समझें कि इंटरनेट मुख्य रूप से ज्ञान के बजाय सूचना के स्रोत के रूप में काम करता है। इसलिए, इसे केवल सूचना तक ही सीमित रखना चाहिए। इंटरनेट उपयोगकर्ताओं के दृष्टिकोण अलग-अलग होते हैं और युवा लोगों के अकेलेपन को आसानी से महसूस किया जा सकता है। दूसरी ओर, किताबें युवाओं को अधिक कल्पनाशील बनने में मदद कर सकती हैं। यह पहले भी देखा गया था। यह संभव है कि पुरानी पीढ़ी वर्तमान पीढ़ी की तुलना में अधिक विनम्रता और नरमी से सोचती और व्यवहार करती थी। वास्तविक जीवन में, आभासी दुनिया से लगाव के कारण रिश्ते और संपर्क कम होते जा रहे हैं। यह एक नया जोखिम पैदा करता है। इसके अतिरिक्त, कुछ स्थानों पर चेतावनी के संकेत सामने आने लगे हैं। इस मामले में माता-पिता को ऐसा करना होगा।

बुद्धि के विकास के अनुसार, आने वाले वर्षों में यह एक संकट बन जाएगा, क्योंकि दस साल बाद, बारह से बीस वर्ष की आयु के ये युवा और भी बड़े हो चुके होंगे और अगर उन्हें कोई ज्ञान नहीं होगा तो वे अगली पीढ़ी को क्या सिखा पाएंगे? इस पर चर्चा करते समय, युवा पीढ़ी के कुछ लोग अक्सर दावा करते हैं कि वे अपने मोबाइल डिवाइस पर वही सामग्री प्राप्त कर सकते हैं जो मध्यम आयु वर्ग और वृद्ध लोग समाचार पत्रों और पत्रिकाओं में पढ़ते हैं। हालाँकि यह सच है, उन्हें इस बात पर विचार करना चाहिए कि क्या वे उस मोबाइल डिवाइस का उपयोग आर्थिक नीति, रक्षा या शिक्षा के बारे में पढ़ने के लिए करते हैं, या क्या वे इसका उपयोग समाचारों या चमक-दमक वाले, ग्लैमराइज़्ड, सतही मनोरंजन की क्षमता पर शोध करने के लिए करते हैं। विडंबना यह है कि बहुत से माता-पिता भी यही मानते हैं कि चुटकुले, मनोरंजन, रील बनाना और जो चाहे खाना, ये सब जीवन में ख़ुशी और आनंद की कुंजी हैं। इस उपभोक्तावादी मानसिकता के परिणामस्वरूप युवाओं का ज्ञान और मूल्यों का अधिग्रहण लगभग बंद हो गया है। हालाँकि, चूँकि घरों में अखबार, पत्रिकाएँ या किताबें नहीं हैं, इसलिए युवाओं को ही दोष देना अनुचित है। अगर कोई किताब, अख़बार या पत्रिका है, तो बच्चा कम से कम तस्वीर तो देखेगा और आश्चर्य करना शुरू कर देगा। अब ऐसा भी नहीं है। अगर माता-पिता प्रमुख पत्रिकाओं और अखबारों के नामों की भी परवाह नहीं करते हैं, तो इसमें युवाओं का क्या दोष है? जब तक माता-पिता ध्यान नहीं करेंगे, तब तक यह समस्या हल नहीं होगी। चूँकि अधिकांश माता-पिता ख़ुद कुछ नहीं पढ़ते हैं, तो वे क्या और किससे बात करेंगे?

दक्षिण पूर्व रेल चक्रधरपुर मंडल में दो दिनों में दो ट्रेन बेपटरी

राजखरसावां जं एवं राउरकेला जं की घटना, बस्ती में घुसा ट्रेन

कार्तिक कुमार परिच्छा, स्टेट हेड - झारखंड

सरायकेला, दक्षिण पूर्व रेल के चक्रधरपुर मंडल अंतर्गत हावड़ा मुम्बई मुख्यमार्ग में पुनः झारखंड के राज खरसावां जंक्शन तथा ओड़िशा के राउरकेला जंक्शन के पास मालगोदम बस्ती इलाके में दो दिनों में दो मालगाड़ी पटरी से उतर गयी है ।पहली दुघटना चाईबासा राज खरसावां रेल खंड के पांच नंबर रेलवे ट्रेक पर एक घटी जो राजखरसावां स्टेशन से महज 600 मिटर आगे है । इस घटना में कोई हताहत नहीं हुए है । केवल रेल मार्ग बाधित रहा।

दुसरी तरफ राउरकेला में एक ट्रेन की तीन बोगियां ट्रैक से उतरकर पास की बस्ती में घुस गईं। इस हादसे के कारण मालगोदम रेलवे गेट और बसंती रोड के बीच का मुख्य रास्ता बंद हो गया है, जिससे वहां से गुजरने वाले लोगों को काफी दिक्कत हो रही है। रेलवे और प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंच चुकी हैं और गिरी हुई बोगियों को हटाने का काम तेजी से चल रहा है।

राउरकेला एसपी के मुताबिक ₹प्राथमिक सूचना के अनुसार रेलवे के किसी तकनीकी संचालन के दौरान ये हादसा हुआ है। हादसे में अब तक किसी के आहत होने या किसी की जान जाने की सूचना नहीं मिली है। हम फिर भी राहत बचाव कार्य चला रहे हैं और स्थिति स्वाभाविक करने की कोशिश कर रहे हैं। जाना जा रहा है कि इस रेल मार्ग पर जल्द ही रेल यातायात सुचारू रूप से चलने लगेगा।

रेलवे ने यह जानने के लिए जांच शुरू कर दी है कि यह हादसा कैसे हुआ। राहत की बात यह है कि अब तक किसी के घायल होने की खबर नहीं है। दक्षिण पूर्वी रेलवे के सीपीआरओ ने बताया कि राउरकेला रेलवे यार्ड से जब खाली कंटेनर रेक को प्लेस किया जा रहा था तब बफर जोन और डेड एंड को तोड़ते हुए बोगियां पीछे बस्ती में घुस गईं। बोगियां खाली थीं। बोगियां दीवार तोड़ लगभग 10 मीटर आगे जा कर बस्ती में घुस गईं हैं। किसी के भी आहत होने की खबर नहीं है। लोगों से कहा गया है कि जब तक रास्ता पूरी तरह साफ नहीं हो जाता, वे दूसरा रास्ता अपनाएं और प्रशासन की बात मानें।

3 डिब्बे पटरी से उतरे, मालगाड़ी दीवार तोड़कर बस्ती में घुसी

मनोरंजन सासमल स्टेट हेड ओड़िशा

भूबनेश्वर/राउरकेला: एक मालगाड़ी बड़ी दुर्घटना से बाल-बाल बच गई। एक मालगाड़ी के तीन डिब्बे पटरी से उतर गए और रिहायशी इलाके में जा गिरे। यह अजीब घटना आज सुबह 6 बजे राउरकेला के बसंती कॉलोनी में घटी। मालगाड़ी के दो डिब्बे साइडिंग की दीवार तोड़कर 60 फीट सड़क पार कर शंकर और खमन नामक व्यक्तियों की दुकानों में घुस गए, जिससे दुकानों को नुकसान पहुंचा ।दुर्घटना में कोई हताहत तो नहीं हुआ, लेकिन ट्रेन की चपेट में आने से आधा दर्जन छोटे-बड़े वाहन गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गए। तीन बोगियां पटरी से उतरकर सड़क पर आ गईं। रेलवे फाटक-बसंती कॉलोनी मार्ग पर यातायात बाधित हो गया है। एक मालगाड़ी का डिब्बा सड़क पर पड़ा है। रेलवे अधिकारी और पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गए हैं और जांच कर रहे हैं। सड़क के दोनों ओर वाहन रोके गए हैं। हादसे के करीब डेढ़ घंटे बाद रेल प्रशासन हरकत में आया। सुबह आठ बजे से आरपीएफ की टीम ने मोर्चा संभाला और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया।

बदलती जीवनशैली और बढ़ती मोटापे की समस्या !

पहले की तुलना में आज मनुष्य की जीवनशैली में आमूलचूल परिवर्तन आए हैं। आज मनुष्य की जीवनशैली इतनी व्यस्त हो गई है कि मनुष्य के पास अपने स्वास्थ्य के लिए भी समय नहीं बचा है। कहा गया है 'स्वास्थय ही मनुष्य का सबसे बड़ा धन है।' लेकिन आज मनुष्य अपने स्वास्थ्य का सही तरीके से ख्याल नहीं रख पा रहा है। घटते जंगलों के कारण बढ़ते प्रदूषण, औद्योगिकीकरण के बीच आज मनुष्य को अनेक बीमारियां घेर रहीं हैं। न ह्वा शुद्ध रही है और न मिट्टी और जल। चहुंओर प्रदूषण का बोलबाला है, ऊपर से मनुष्य का एंड्रॉयड मोबाइल, लैपटॉप , इंटरनेट, सोशल नेटवर्किंग साइट्स और अन्य इलेक्ट्रानिक संसाधनों पर अधिक समय बिताना, बाहर का खाना विशेषकर 'जंक फूड' और 'फास्ट फूड' पर निर्भरता, शहरों में देर रात सोना और सुबह देर से जागना, पारिवारिक अलगाव, एकाकीपन जैसी समस्याएं आज आम हो चुकीं हैं। इन कारणों से तनाव, अवसाद, चिड़चिड़ापन, उच्च रक्तचाप, मोटापा, ह्रदय की बीमारियां लोगों को घेर रहीं हैं।सच तो यह है कि आज मनुष्य की बदलती जीवनशैली के कारण देश में मोटापा तेजी से बढ़ रहा है, जिससे मधुमेह, उच्च रक्तचाप और दिल की बीमारियों का जोखिम बढ़ता है। अधिक वजन से फेफड़ों पर दबाव बढ़ता है, जिससे अस्थमा और नींद से जुड़ी बीमारियां हो सकती हैं, तो जोड़ों पर अधिक दबाव पड़ने से गठिया और ऑस्टियोआर्थराइटिस जैसी समस्याएं पैदा होती हैं। मिलावट, अशुद्धता के इस दौर में, बदलती जीवनशैली के कारण मनुष्य के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है। इस क्रम में हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देहरादून में 38वें राष्ट्रीय खेलों के उद्घाटन समारोह में अपने संबोधन के दौरान यह बात कही थी कि देश में मोटापे की समस्या तेजी से बढ़ रही है, जो चिंता का विषय है। पाठकों को बताता चलूं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यह बात कही थी कि, 'खेल को भारत के समग्र विकास के लिए महत्वपूर्ण माध्यम माना जाता है।' अपने संबोधन के दौरान उन होंने इस बात पर जोर दिया कि जब कोई देश खेलों में उत्कृष्टता प्राप्त करता है, तो उसकी प्रतिष्ठा और प्रोफ़ाइल भी बढ़ती है। उन्होंने कहा कि खेलों को भारत के विकास और उसके युवाओं के आत्मविश्वास से जोड़ा जा रहा है। राष्ट्रीय खेलों के उद्घाटन के दौरान उन्होंने यह भी कहा कि-'एक भारत-श्रेष्ठ भारत की बड़ी सुंदर तस्वीर यहां(देवभूमि उत्तराखंड में) दिख रही है। नेशनल गेम्स में इस बार भी कई देसी पारंपरिक खेलों को शामिल किया गया है तथा इस बार के नेशनल गेम्स, एक प्रकार से ग्रीन गेम्स भी हैं। इसमें 'एनवायरमेंटल फ्रेंडली' चीजों का काफी इस्तेमाल हो रहा है। नेशनल गेम्स में मिलने वाले सभी मेडल और ट्रॉफियां भी ई-वेस्ट से बनीं हैं। मेडल जीतने वाले खिलाड़ियों के नाम पर यहां एक पौधा भी लगाया जाएगा। ये बहुत ही अच्छी पहल है।' बहरहाल, कहना ग़लत नहीं होगा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश में बढ़ती मोटापे की समस्या (ओबेसिटी) को लेकर अपनी चिंताएं जताई। वास्तव में यह बहुत ही गंभीर और संवेदनशील है कि आज हमारे देश में ओबेसिटी (मोटापे) की समस्या तेजी से बढ़ रही है। देश का हर एज ग्रुप, और युवा भी इससे बुरी तरह से प्रभावित हो रहे हैं। ये चिंतनीय इसलिए है क्योंकि मोटापा सब बीमारियों का घर कहा जाता है। मोटापे के कारण शुगर(डायबिटीज), ह्रदय रोग,जैसी अनेक बीमारियों का रिस्क युवाओं में विशेषकर बढ़ रहा है। कहना ग़लत नहीं होगा कि आज हमारे युवाओं को अपनी डाइट और व्यायाम आदि पर फोकस करते हुए अपनी जीवनशैली को संतुलित करने की आवश्यकता है। आज भी भागम-भाग और व्यस्त जिंदगी में हमें यह चाहिए कि हम अपने लिए थोड़ा-सा समय निकालकर एक्सरसाइज करें। टहलने से लेकर वर्क-आउट करने तक, जो भी संभव हो सके हमें अवश्य करना चाहिए। शहरी जीवनशैली में हम न तो आज अपनी डाइट पर ही फोकस करते हैं और न ही अपने स्वास्थ्य पर। हर कोई आज पदार्थ की ओर भाग रहा है। ज्यादा से ज्यादा पाने की होड़ ने हमें कहीं का भी नहीं छोड़ा है। कहना ग़लत नहीं होगा कि हमारा फोकस आज के समय में 'बैलेंस्ड इनटेक' पर नहीं रह गया है और हम फास्ट फूड और जंक फूड की ओर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं। हमें इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए कि हमारा खाना/खान-पान न्यूट्रिशियस हो, पौष्टिक हो, संतुलित हो। हाल फिलहाल,सच तो यह है कि प्रधानमंत्री की मोटापे के विरुद्ध अपील को व्यापक जन-समर्थन मिला है। उल्लेखनीय है कि डब्ल्यूएचो, दक्षिण पूर्व एशिया ने नियमित फिजिकल एक्टिविटी और संतुलित, पौष्टिक आहार के प्रधानमंत्री मोदी के आह्वान का खासतौर पर उल्लेख किया है। कहना ग़लत नहीं होगा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान के बाद लोगों में फिजिकल फिटनेस को बनाए रखने के प्रति जागरूकता का भाव पैदा हुआ है। वास्तव में,विश्व स्वास्थ्य संगठन और आइसीएमआर मोटापे को वैश्विक बीमारी मानते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, वर्ष 1975 के बाद से मोटापा तीन गुना बढ़ चुका है। आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2016 में 1.9 अरब वयस्क अधिक वजन के थे। विज्ञान जर्नल 'द लांसेट' के मुताबिक, वर्ष 2022 में भारत में 5-19 वर्ष की आयु के 1.25 करोड़ बच्चे अधिक वजन के थे। देश में वयस्क महिलाओं में मोटापे की दर वर्ष 1990 की 1.2 फीसदी से बढ़कर वर्ष 2022 में 9.8 हो गई । इतना ही नहीं, आंकड़े बताते हैं कि इसी अवधि में ही पुरुषों में मोटापे की दर 0.5 प्रतिशत से बढ़कर 5.4 फीसदी हो गई। गौरतलब है कि विशेष रूप से दक्षिण-पूर्व एशिया और उप-सहारा अफ्रीका में, मोटापा एक सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती बनी हुई है ।पाठकों को बताता चलूं कि 30 प्रतिशत से अधिक शरीर में वसा वाली महिलाओं और 25 प्रतिशत से अधिक शरीर में वसा वाले पुरुषों को मोटापे से ग्रस्त माना जाता है। मॉर्बिड मोटापे को 40 से अधिक बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) के रूप में परिभाषित किया जाता है, जो पुरुषों के लिए लगभग 100 पाउंड अधिक वजन और महिलाओं के लिए 80 पाउंड के बराबर होता है। वास्तव में, मोटापा समस्या नहीं, बीमारी है।

- सुनील कुमार महला, फ्रीलांस राइटर

मुख्यमंत्री हेमंत बंगाल ग्लोबल बिजनेस समिट -25 में सपत्नीक शामिल

कहा- देश का 40 फीसदी खनीज झारखंड में, निवेशकों को झारखंड आने का दिया न्योता

कार्तिक कुमार परिच्छा,स्टेट हेड- झारखंड

जमशेदपुर / खड़गपुर, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन अपनी पत्नी गांडेय विधायक कल्पना सोरेन संग विश्व बांग्ला कन्वेंशन सेंटर, कोलकाता में दो दिवसीय बंगाल ग्लोबल बिजनेस समिट - 2025 के आठवें संस्करण के उद्घाटन समारोह उपस्थित रहे तथा उधमियों को झारखंड में निवेश हेतु उन्होंने आमंत्रित किया । मुख्यमंत्री पश्चिमी बंगाल ममता बनर्जी की मेजबानी में आयोजित इस सम्मेलन में झारखंड मुख्यमंत्री सोरेन ने कहा कि जिस तेजी से आज तकनीक बदल रही हैं उसमें एक मजबूत एवं विकसित राष्ट्र के निर्माण के लिए राज्यों के बीच बेहतर संबंध, समन्वय तथा भागीदारी होना अत्यंत जरूरी है। इस कड़ी में राज्यों में आयोजित होने वाले ग्लोबल बिजनेस जैसे सम्मिट की काफी निर्णायक भूमिका होती है। इससे एक राज्य का अन्य राज्यों तथा देशों से बेहतर व्यापारिक रिश्ते बनते हैं। निवेश और नई टेक्नोलॉजी से विकास की नई संभावनाएं बनती है। मुख्यमंत्री आज विश्व बांग्ला कन्वेंशन सेंटर, न्यू टाउन, कोलकाता, पश्चिम बंगाल मे उक्त बातें कही ।

मुख्यमंत्री हेमंत ने कहा कि इस सम्मिट मे मुझे देश -विदेश से आये मेहमानों और उद्योग जगत से जुड़े लोगों से मिलने का मौका मिल रहा है। इससे यह जानने- समझने का अवसर मिलेगा कि निवेशकों के सहयोग से झारखंड के समग्र विकास की दिशा में हम कैसे आगे बढ़ सकते हैं। मैं इसी आशा और उम्मीद से बंगाल ग्लोबल बिजनेस समिट - 2025 में आए उद्यमियों तथा निवेशकों को झारखंड आमंत्रित करता हूं । आप निवेश करें, ताकि विकास के मामले में झारखंड राज्य भी तेजी से आगे बढ़े।

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड देश का एक ऐसा राज्य है, जहां देश का लगभग 40 प्रतिशत खनिज संसाधन पाया जाता है। कई खनिज एवं उद्योगों के लिए जरूरी रॉ मैटेरियल्स का झारखंड सबसे बड़ा उत्पादक राज्य है। ऐसे में देश की अर्थव्यवस्था में यह राज्य अहम भूमिका निभाता रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां कई खनिज आधारित उद्योग लंबे समय से स्थापित हैं। कई औद्योगिक घरानों ने यहां निवेश किया है। लेकिन, वर्तमान परिवेश में इस राज्य को और आगे ले जाने की जरूरत है। इसके लिए यहां नए-नए उद्योग लगे, इसके लिए नए सिरे से पहल कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड में खनिज आधारित उद्योगों के साथ-साथ कला-संस्कृति एवं पर्यटन जैसे अनेकों क्षेत्र में विकास और निवेश की अपार संभावनाएं हैं। झारखंड देश का सबसे ज्यादा तसर उत्पादक राज्य है, ऐसे में टेक्सटाइल क्षेत्र में भी यह राज्य आगे बढ़ सकता है। कला- संस्कृति के मामले में झारखंड की गिनती समृद्ध राज्यों में होती है । यहां के नेचुरल ब्यूटी को देखते हुए पर्यटन के क्षेत्र में भी झारखंड निवेशकों की पहली पसंद बन सकता है। उन्होंने उद्यमियों से कहा कि आप झारखंड आएं, सरकार आपको पूरा सहयोग करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड और पश्चिम बंगाल एक- दूसरे से काफी करीब हैं। इन दोनों ही राज्यों में चल रही कई गतिविधियां एक जैसी ही है। ऐसे में यह बताना मुश्किल है कि कौन गतिविधि झारखंड और कौन बंगाल की है । दोनों ही राज्य कई मामलों में एक जैसी गतिविधियों के साथ निरंतर आगे बढ़ रहे हैं। इस तरह की पहल से दोनों ही राज्यों के समग्र विकास का नया रास्ता खुल रहा है।

प्रथम समाधि स्मृति दिवस पर आचार्यश्री के चरणों में समर्पित रचना

इस नवयुग के ही थे महावीर...!

वह इस नवयुग के ही थे महावीर,
सत्य, अहिंसा व कल्याण के तीर।
जन्म और परिवार कर्नाटक राज्य,
बेलगांव में सदलगा गांव चिकोड़ी।
दस-2 छियालीस में शरद पूर्णिमा,
शिशुरूप में एक चांद का अवतरण।

वह इस नवयुग के ही थे महावीर,
सत्य, अहिंसा व कल्याण के तीर।
संत शिरोमणि पूज्य समाधिस्थ संत,
आचार्य विद्या सागरजी भक्ति ग्रंथ।
सभी भक्तों को राह दिखाते गुरुदेव,
सभी उनकी शरण में देखते एकमेव।

वह इस नवयुग के ही थे महावीर,
सत्य, अहिंसा व कल्याण के तीर।
गुरुदेव के ज्ञान एवं चिंतन प्रभाव,
नई शिक्षा नीति मार्गदर्शक में भाव।

उन्हें ना केवल दूजा स्थान मिला,
निर्देशों का अक्षरश यू पालन किया।

वह इस नवयुग के ही थे महावीर,
सत्य, अहिंसा व कल्याण के तीर।
गुरुजी विराट व्यक्तित्व का प्रभाव,
प्रधानमंत्रीजी संबोधन में श्रद्धा भाव।
जीवनगाथा, गुणवर्णन होता असंभव,
व्यक्तित्व,तप,संयम व त्याग हैं संभव।

वह इस नवयुग के ही थे महावीर,
सत्य, अहिंसा व कल्याण के तीर।
हम सब है तुच्छ क्या कहे गुरुदेव,
अनासक्त महायोगी,अपराजेय साधक,
संत शिरोमणि हो पूज्य है युगदृष्टा!
प्रखर तपस्वी, महा-मनीषी, निस्पृही।
(संदर्भ: आचार्यश्री विद्या सागरजी महाराज)

संजय एम तराणेकर

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023